दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, गुरुवार, 6 अगस्त 2026 कृष्ण पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 178 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

खैरागढ़ संगीत विवि बना दुनिया की पसंद, 23 देशों के 253 विद्यार्थियों ने किया दाखिला लेने आवेदन

नवप्रदेश विशेष

खैरागढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के छोटे से शहर खैरागढ़ का नाम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संगीत और कला की शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। एशिया के पहले राजकुमारी इंदिरा संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विदेशों से रिकॉर्ड संख्या में आवेदन पहुंचे हैं। अब तक 23 देशों के 253 विदेशी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की स्वीकृति मिलने के बाद 17 विद्यार्थियों का प्रवेश भी हो चुका है। आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त होने से इस बार विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में और बढ़ोतरी की उम्मीद है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय को बांग्लादेश, श्रीलंका, अमेरिका, रूस, ब्राजील, कनाडा, नेपाल, मॉरीशस, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

विदेशी शोधार्थियों के लिए पीएचडी की अलग व्यवस्था

पिछले शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय को 232 विदेशी आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 22 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला था। उस दौरान बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और वियतनाम के विद्यार्थियों ने लोकसंगीत, कत्थक, भरतनाट्यम, तबला और थियेटर जैसे विषयों में अध्ययन शुरू किया था। विश्वविद्यालय में विदेशी शोधार्थियों के लिए पीएचडी की अलग व्यवस्था है। कई देशों के शोधार्थी यहां से शोध कार्य पूरा कर चुके हैं।

बांग्लादेश और श्रीलंका से आए आवेदन

अब तक प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों में बांग्लादेश के छात्रों ने लोकसंगीत, ग्राफिक्स, पेंटिंग, थियेटर और कत्थक जैसे विषय चुने हैं। वहीं श्रीलंका के विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम, तबला, थियेटर और लोकसंगीत को प्राथमिकता दी है। फिजी के एक छात्र ने थियेटर तथा म्यांमार के एक विद्यार्थी ने ग्राफिक्स संकाय में प्रवेश लिया है।

“विश्वविद्यालय की प्राथमिकता विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विदेशी विद्यार्थियों का लगातार बढ़ता रुझान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है। शोध की सीटें बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में और अधिक विदेशी विद्यार्थियों को यहां अध्ययन का अवसर मिलेगा। भारतीय संस्कृति, संगीत, नृत्य और ललित कलाओं को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

- **प्रो. डॉ. लवली शर्मा**, कुलपति, इंदिरा संगीत एवं कला विवि खैरागढ़

कत्थक-भरतनाट्यम पाठ्यक्रम आकर्षित कर रहे

विश्वविद्यालय में भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, ललित कला, पेंटिंग, ग्राफिक्स, थियेटर, कत्थक और भरतनाट्यम जैसे पारंपरिक पाठ्यक्रम विदेशी विद्यार्थियों को सबसे अधिक आकर्षित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गुरु-शिष्य परंपरा, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शांत वातावरण, कम खर्च में पढ़ाई और आवास की सुविधा तथा अंतरराष्ट्रीय छात्रावास जैसी व्यवस्थाएं खैरागढ़ को विदेशी विद्यार्थियों के लिए खास बनाती हैं।

हर वर्ष बढ़ रही अंतरराष्ट्रीय भागीदारी

लगातार बढ़ रहे विदेशी आवेदनों ने यह साबित कर दिया है कि खैरागढ़ का यह विश्वविद्यालय अब केवल छत्तीसगढ़ या भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारतीय संगीत, कला और संस्कृति की वैश्विक पहचान बन चुका है। हर वर्ष बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भागीदारी इसकी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

आज बेबाक

झारखंड पेपर लीक मामले को लेकर वहां प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने काकरोच अभिजीत दीपके को उसकी दो कौड़ी की औकात दिखा दी है। अपने घर में दुबके बैठे दीपके ने झारखंड के छात्रों को बेमन से जुबानी समर्थन दिया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए वहां के छात्रों ने कहा है कि हम अपनी लड़ाई खुद लड़ लेंगे। दीपके को यहां आने की कोई जरूरत नहीं है। हम नहीं चाहते कि यहां देश विरोधी नारे लगे और गंदी गालियों की बौछार हो। झारखंड के आंदोलित छात्रों ने काकरोचों और टुकड़े टुकड़े गैंग के दिल के टुकड़े टुकड़े करके रख दिए।

22 साल जेल में रहा निर्दोष, सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने एक हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी करते हुए कहा कि यह मामला आपराधिक न्याय प्रणाली की सामूहिक विफलता का उदाहरण है। अदालत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, उससे थर्ड डिग्री यातना देकर स्वीकारोक्ति कराई गई, ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया और हाईकोर्ट भी मूकदर्शक बना रहा। इन सबके कारण एक व्यक्ति ने 22 वर्ष जेल में बिताए, जबकि उसके खिलाफ विश्वसनीय साक्ष्य नहीं थे। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने उड़ीसा हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की।

गरमा-गरम

साय कैबिनेट में सात बड़े फैसले: 6 लाख विद्यार्थियों, डेढ़ लाख सरकारी कर्मियों को देंगे एआई प्रशिक्षण

5 सौ करोड़ के एआई मिशन को मंजूरी

■ 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी

■ 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में 7 महत्वपूण फैसले लिए गए । मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' को मंजूरी दे दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

कैबिनेट में लिए गए फैसले के मुताबिक एआई मिशन के तहत - 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी। 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। 300 से अधिक ,एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी। 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी।यह मिशन भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफेक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनी रत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीडब्ल्यूडी में वर्क्स एंड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम

कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा।

अंजोर लाइट तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये

मंत्रिपरिषद् ने वित्त विभाग के उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, जिसके तहत एशियन डेवलपमेंट बैंक से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के क्रियान्वयन हेतु अंजोर लाइट तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का पूर्णतः अनुदान प्राप्त किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को सुदृढ़ करना, इकोसिस्टम का विकास, ग्रीन एवं ब्लेंडेड फाइनेंस को बढ़ावा देना, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यक्षमता में सुधार शामिल है।

स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी मॉडल को हरी झंडी

मंत्रिपरिषद् ने राज्य योजनाओं के लिए स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की राशि का अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। अब योजनाओं की राशि विभिन्न बैंक खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगी, बल्कि एक केंद्रीकृत मदर अकाउंट के माध्यम से आवश्यकता होने पर ही सीधे हितग्राहियों या वेंडरों को भुगतान किया जाएगा। यह मॉडल भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में लागू एसएनए प्रणाली की तर्ज पर राज्य की योजनाओं में भी लागू किया जाएगा, जिससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और मजबूती मिलेगी। इस व्यवस्था से योजनाओं के क्रियान्वयन की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी, वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और निष्क्रिय राशि, गबन तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही, राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी, ब्याज का अनावश्यक बोझ कम होगा और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पावर कंपनी 2 सौ करोड़ के डिबेंचर जारी करेगी

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को आमजन एवं संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 200 करोड़ रूपए तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर /बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिंग) किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से कंपनी के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने के नए विकल्प उपलब्ध होंगे, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा राज्य के विद्युत अवसंरचना विकास को और गति मिलेगी।इसके लिए राज्य शासन द्वारा मूलधन एवं ब्याज के भुगतान पर प्रत्याभूति शुल्क में छूट सहित गारंटी प्रदान की जाएगी। साथ ही, लिस्टिंग प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु कंपनी के संचालक मंडल तथा आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए ऊर्जा विभाग को अधिकृत किया गया है।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर जुकरबर्ग ने मांगी माफी

नई दिल्ली (ए.)। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटाए जाने के मामले में भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है।

कंपनी ने यह भी माना कि उसके प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल, डीपफेक और कंटेंट मॉडरेशन से जुड़ी चूक हुई हैं। मेटा की ग्लोबल टीम ने कंपनी के ग्लोबल अफेयर्स चीफ जोएल कैपलन के नेतृत्व में केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। यह बैठक पिछले महीने पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटने के बाद सरकार की ओर से भेजे गए समन के बाद हुई। दरअसल, सरकार पीएम मोदी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ईरान जंग में 6 तेल कंपनियों ने कमाए 81 अरब डॉलर

■ यह भारत के रक्षा बजट से भी ज्यादा, इस दौरान कच्चा तेल 23% महंगा

तेल अवीव/तेहरान/ए.। ईरान जंग शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो दुनियाभर में महंगाई भी बढ़ गई। अप्रैल से जून के बीच दुनिया की 6 सबसे बड़ी तेल कंपनियों ने रिकॉर्ड 81 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया।

अल जजीरा की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मुनाफे की यह रकम करीब 7.7 लाख करोड़ रुपए होती है, जो भारत के पूरे साल के रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। जंग शुरू हुई तक कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल था। यह अप्रैल से जून के बीच 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। यानी, तेल कंपनियों ने इस दौरान करीब 23% मुनाफा कमाया।

अब चैनल नहीं दिखा पाएंगे कोर्ट में चले जूता-चप्पल

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि मान्यता प्राप्त समाचार संस्थान पहले की तरह कोर्ट की कार्यवाही की रिपोर्टिंग कर सकते हैं। हालांकि, वे अपनी खबरों में कोर्ट की कार्यवाही के ऑडियो या वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

दरअसल, 31 जुलाई को जारी आदेश में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने कहा कि इस संबंध में स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद कुछ भ्रम बना हुआ था। इसलिए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश को मान्यता प्राप्त समाचार संस्थानों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ऑडियो और वीडियो बिना अनुमति निकालने पर रोक

अदालत की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को बिना पूर्व अनुमति निकाले जाने, प्रसारित करने, उससे कमाई (मॉनेटाइजेशन) करने, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट, रीपोस्ट, अपलोड, ट्रांसमिट, संशोधित, स्टोर या होस्ट करने पर रोक लगाई गई थी। अब ऐसी रिकॉर्डिंग के उपयोग के लिए सुप्रीम कोर्ट के सचिव-जनरल या हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

परिसीमन-महिला आरक्षण बिल के लिए 3 दिन का विशेष सत्र संभव

■ मोदी-शाह की सलाह पर बंद कमरे में किरण रिजिजू ने मांगा परिसीमन बिल पर राहुल से समर्थन

नई दिल्ली (ए.)। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। गतिरोध खत्म करने के लिए संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिज ने मोदी और शाह की सलाह पर राहुल गांधी से मुलाकात की, लेकिन कांग्रेस ने चंदा चोरी के आरोपों और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर चर्चा की मांग दोहराई।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल पर तीन दिन का विशेष सत्र बुलाए जाने की

रिजिजू की कांग्रेस से सहयोग की अपील

रिपोर्ट्स के मुताबिक, किरेन रिजिजू ने सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में कांग्रेस के सहयोग की अपील की। बताया जा रहा है कि मोदी सरकार मौजूदा सत्र में परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को दोबारा सदन में लाना चाहती है। सरकार ने इन विधेयकों पर कांग्रेस का सहयोग मांगा। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद किरेन रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

विपक्षी सांसदों ने निकाला विरोध मार्च

■ लाठीचार्ज और चढ़ावा चोरी पर सरकार को घेरा, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (ए.)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी नेता प्रेरणा स्थल स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। उन्होंने नारेबाजी की और गृह मंत्री अमित शाह से सदन में जवाब देने की मांग की।

विपक्षी सांसद मुख्य रूप से दो मुद्दों पर सरकार को घेर रहे हैं। पहला - 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज। दूसरा -अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी से जुड़े आरोप। विपक्ष का कहना है कि प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस का रवैया उचित नहीं था और चढ़ावा मामले की ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हंगामे के बीच संसद की कार्यवाही और तीन बिल पास

विपक्षी सांसद दोनों सदनों में लगातार हंगामा कर रहे हैं। इस मानसून सत्र में अब तक आठ में से तीन बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। इनमें वंदे मातरम बिल, पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक से संबंधित) और सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल शामिल हैं। मंगलवार को टैक्सेशन एंड अदर्स लॉ (संशोधन) बिल लोकसभा में पास हो गया।

भाई-बहन को मारकर शवों को नोचती रही मादा भालू

■ कांकेर में खेत में काम करते समय किया हमला, 3 की मौत, एक गंभीर

कांकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक मादा भालू ने हमला कर भाई और बहन की जान ले ली। मारने के बाद वह उनके शवों को नोचती रही, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। घटना बुधवार दोपहर की है। हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे रायपुर रेफर किया गया है। घटना नरहरपुर वन परिक्षेत्र के लारगांव मरकाटोला गांव की है।

वहीं, दूसरी घटना में भालू के हमले से एक महिला की भी मौत हो गई। यह घटना भी नरहरपुर वन परिक्षेत्र के गवरसिल्ली गांव की है। मृतकों की पहचान हलालखोर जुर्री (45), चमरीन जुर्री (40) और सोरिन जुर्री (30) के रूप में हुई है। तीनों खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान भालू ने उन पर हमला कर दिया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी, वे मुझे जेल में डालें या मार दें : शेख हसीना

नई दिल्ली (ए.)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। भाषण के दौरान उनका कैमरा बंद रहा। 25 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाउंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है। मौत की सजा, झूठे मुकदमे और दिखावटी सुनवाई मुझे डरा नहीं सकती। मेरे खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है।

अफसरों के खिलाफ गुस्सा : रायपुर सांसद बृजमोहन के बाद अब दुर्ग सांसद विजय बघेल का मामला आया सामने

फोन नहीं उठाते अफसर... सांसद बघेल ने की स्पीकर से शिकायत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भाजपा में जनप्रतिनिधियों की अफसरों के खिलाफ शिकायतों की सूची में एक नाम और शामिल हो गया है। रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल के बाद अब दुर्ग के भाजपा सांसद विजय बघेल का अफसरों के खिलाफ गुस्सा सामने आया है। विजय बघेल ने दो अफसरों के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है।

अभी छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य सचिव आईएएस अमित कटारिया के खिलाफ बृजमोहन अग्रवाल की नाराजगी चर्चा में ही थी कि इस बीच विजय बघेल की शिकायत भी सामने आ गई। विजय बघेल ने भिलाई नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार पांडे और भिलाई-चरोदा नगर निगम के आयुक्त डीएस राजपूत के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विशेषाधिकार हनन की शिकायत दर्ज कराई है। श्री बघेल ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि उनकी शिकायत को विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाए।

प्रशासनिक सूत्रों से पता चला है कि विजय बघेल की शिकायत के बाद लोकसभा सचिवालय ने इस मामले में डीओपीटी तथा राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। बताया जा रहा है कि सांसद की शिकायत यह है कि ये दोनों अफसर केंद्रीय योजनाओं के तहत प्राप्त राशि से होने वाले विकास कार्यों में रुचि नहीं ले रहे थे। ये सांसद का फोन तक नहीं उठाते थे और कई बार टेंडर भी निरस्त किए गए हैं। इन मामलों में अनियमितता की भी शिकायतें हैं।

दुर्ग सांसद की दिक्कत यह है कि संबंधित नगर निगम उनके संसदीय क्षेत्र में ही आते हैं और विकास के कार्य नहीं होने पर उन्हें ही जनता का सामना करना पड़ेगा। विजय बघेल ने काफी परेशान होकर 18 मई को लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा था।

लोकसभा स्पीकर ने मांगा फैक्चुअल नोट

बता दें कि छत्तीसगढ़ से सबसे पहले बृजमोहन अग्रवाल ने स्वास्थ्य सचिव आईएएस अमित कटारिया के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष से की थी। बृजमोहन अग्रवाल स्वयं लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सदस्य हैं। उन्हें शिकायत थी कि अमित कटारिया उनके क्षेत्र से जुड़े जनहित के मुद्दों पर भेजे गए पत्रों का जवाब नहीं दे रहे थे। आरोप है कि जब एक बार दोनों के बीच बातचीत हुई तो अमित कटारिया ने उनसे कहा, 'जो करना है कर लो।' बृजमोहन की शिकायत पर लोकसभा स्पीकर ने फैक्चुअल नोट मांगा है।

ऑपरेशन रक्षा सूत्र अभियान : सैनिक भाइयों के लिए 14,142 राखियाँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेषित

■ महिला एवं बाल विकास विभाग की अनूठी पहल, आंगनबाड़ी परिवार और विभागीय अमले के सामूहिक सहयोग से साकार हुआ अभियान

धमतरी / नवप्रदेश । रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित ÷ऑपरेशन रक्षा सूत्र÷ अभियान के अंतर्गत जिले के वीर सैनिकों के लिए स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर 14,142 राखियाँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेषित की गईं। यह अभियान जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पर्यवेक्षकों तथा विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जिनमें सभी सीडीपीओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) भी शामिल हैं, के सामूहिक सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अभियान का उद्देश्य देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति जिले की मातृशक्ति एवं बहनों की आत्मीय भावनाओं को व्यक्त करना तथा समाज में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और सामाजिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करना है। प्रत्येक राखी देश की सुरक्षा में दिन-रात समर्पित जवानों के प्रति सम्मान, विश्वास और शुभकामनाओं का प्रतीक है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि ÷रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। ऑपरेशन रक्षा सूत्र के माध्यम से जिले की बहनों ने अपने सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता की भावनाओं को राखियों के रूप में प्रेषित किया है। यह अभियान समाज और सेना के बीच भावनात्मक जुड़ाव को और अधिक सशक्त बनाता है। हमारे वीर जवान सीमाओं पर राष्ट्र की रक्षा में समर्पित हैं और उनके प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि अभियान में जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विभागीय टीम ने समन्वित प्रयासों से निर्धारित समय में राखियों का संकलन कर उन्हें जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेषित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की। विभाग की यह पहल सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का प्रेरक उदाहरण है।

न्यूज गैलरी

6 तारीख को मोतीपुर से निकलेगी बाबा श्री महाकाल जी की भव्य सावन पालकी यात्रा

राजनांदगॉव दैनिक नव प्रदेश। महाकाल सेना राजनांदगॉव एवं नगर के शिवभक्तों द्वारा बाबा श्री महाकाल जी की पालकी यात्रा

06 अगस्त गुरूवार को दोपहर 02 बजे से स्थानीय बजरंगपुर नवागॉव, मोतीपुर, ममतानगर, तुलसीपुर एवं लेबर कॉलोनी क्षेत्र में, भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर स्वरूप में, पूरे भव्यता के साथ भक्तिपूर्ण एवं गरिमामय माहौल में हर्षोल्लास से निकाली जायेगी। इस सावन पालकी यात्रा में आयोजन समिति के महाकाल भक्तगण पवन डागा, महापौर राजनांदगॉव मधुसूदन यादव, छ.ग.टूरीज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष पारस टोपेन्द्र वर्मा, पार्षदगण सावन वर्मा, मनोहर यादव, कमलेश बंधे, राजेश (राजू) डागा, अशोक चौधरी, ऋषिदेव चौधरी, रणविजय प्रताप सिंह, राजेन्द्र यादव, मदन मंटू यादव, नरेन्द्र (मुन्ना) यादव, लाला यादव, रिभय यादव, राजेन्द्र जैन बंटू, किसुन यदु, आलोक बिंदल, संतोष पिल्ले, शिव श्रीवास्तव, मनीष जैन, समीर श्रीवास्तव, विश्वेन्द्र प्रताप सिंह, अवधेश झा एवं साथीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। महाकाल सेना के रिभय यादव ने बताया कि बाबा श्री महाकाल चन्द्रमौलेश्वर की दिव्य सवारी नगर भ्रमण हेतु पालकी यात्रा के रूप में 06 अगस्त दोपहर 02 बजे स्थानीय मोतीपुर वार्ड के गणेशपारा से प्रारंभ होकर आजादचौक, नवागॉव शिवमंदिर, होकर मोतीपुर वार्ड क्षेत्र अंतर्गत सुभाषक्लब, शीतलापारा होते हुए रेल्वे अंडरब्रिज से ममतानगर, ठाकुर गुलाबसिंह मार्ग, लेबर कॉलोनी पहुॅचकर तुलसीपुर संगम चौक में सावन पालकी यात्रा विसर्जित होगी, जिससे इन क्षेत्रों के वार्डवासियों एवं धर्मप्रेमी जनता में भारी उत्साह एवं हर्ष का माहौल बना हुआ है।

पुलिस का अवैध शराब कारोबार पर बड़ा प्रहार: दो आरोपी गिरफ्तार

धमतरी/ नवप्रदेश । पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को सिटी कोतवाली एवं अर्जुनी थाना पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों मामलों में कुल 68 पौवा देशी शराब, एक मोबाइल फोन, बिक्री की नगदी सहित 27,510 रुपये की सामग्री जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक ने जिले में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने, नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन एवं शराब पीने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध भी सख्त वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई थाना सिटी कोतवाली पुलिस को 5 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी समाज श्मशान घाट के सामने नहर नाका, दानीटोला वार्ड में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दीपांशु सिंह निवासी गोकुलपुर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 53 पौवा देशी शराब (कीमत 4,240 रुपये), एक मोबाइल फोन (20,000 रुपये) तथा बिक्री की नगदी 1,760 रुपये जब्त की गई। कुल 26,000 रुपये की सामग्री जब्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मैनपुर जनपद पंचायत के नए सीईओ ने पदभार संभालते ही किया शोभा क्षेत्र का औचक निरीक्षण

■ आवास, राशन और स्वच्छता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मैनपुर / नवप्रदेश। जनपद पंचायत मैनपुर के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) गेंदलाल चुरेन्द्र ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद क्षेत्र की जमीनी हकीकत जानने के उद्देश्य से विकासखंड मैनपुर के दूरस्थ शोभा क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण की स्थिति तथा गांवों में स्वच्छता व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान सीईओ चुरेन्द्र ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से चर्चा करते हुए निर्माणाधीन एवं पूर्ण हो चुके आवासों का निरीक्षण किया। जिन हितग्राहियों के आवास अधूरे पाए गए, उनसे निर्माण कार्य में हो रही कठिनाइयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और पात्र हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों से मुलाकात कर यह जानकारी ली कि उन्हें निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न समय पर मिल रहा है या नहीं। ग्रामीणों से राशन वितरण की गुणवत्ता, नियमितता तथा किसी प्रकार की शिकायत के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे, यह प्रशासन की प्राथमिकता है।

सीईओ ने निरीक्षण के दौरान गांवों में स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने नालियों, सार्वजनिक स्थलों तथा पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई की स्थिति देखी और ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और स्वच्छता कर्मियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी यदि समय-समय पर गांवों में पहुंचकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें, तो समस्याओं का समाधान तेजी से किया जा सकता है।

साहू समाज का बड़ा फैसला: समानांतर संगठन से जुड़े दर्जनों सदस्य निष्कासित

■ जिला साहू संघ की अहम बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिला साहू संघ बेमेतरा ने संगठनात्मक अनुशासन और समाज की एकजुटता को सर्वोपरि बताते हुए समानांतर संगठन से जुड़े दर्जनों सदस्यों की प्राथमिक एवं आजीवन सदस्यता समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। स्थानीय साहू सदन में जिला अध्यक्ष नारद साहू की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह, परिवार संस्कार कार्यशाला एवं जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, संरक्षक मंडल, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों सहित जिलेभर से बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि समाज विरोधी गतिविधियों, संगठन को विभाजित करने के प्रयास और समानांतर संगठन के संचालन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है और अनुशासन भंग करने वालों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर ने 422 विद्यार्थियों को वितरित की शैक्षणिक सामग्री

मैनपुर/ नवप्रदेश। शिक्षा को बढ़ावा देने और ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर द्वारा विकासखंड मैनपुर के शोभा क्षेत्र के विद्यालयों में शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के 9 प्राथमिक विद्यालयों और 3 माध्यमिक (मिडिल) विद्यालयों के कुल 422 विद्यार्थियों को स्कूल बैग सहित अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को एक स्कूल बैग, पांच कॉपियां, पेंसिल तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता मिलेगी और उनमें शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ेगा।

धमतरी जिला पावर लिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने महापौर से की सौजन्य मुलाकात

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी जिला पावर लिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने नगर निगम महापौर रामू रोहरा से सौजन्य मुलाकात कर हाल ही में आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मिले सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में धमतरी जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियन ऑफ चैंपियन ओवरऑल का खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में भी धमतरी ने चैंपियन ऑफ चैंपियन का गौरव हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर महापौर रामू रोहरा ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महापौर रामू रोहरा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

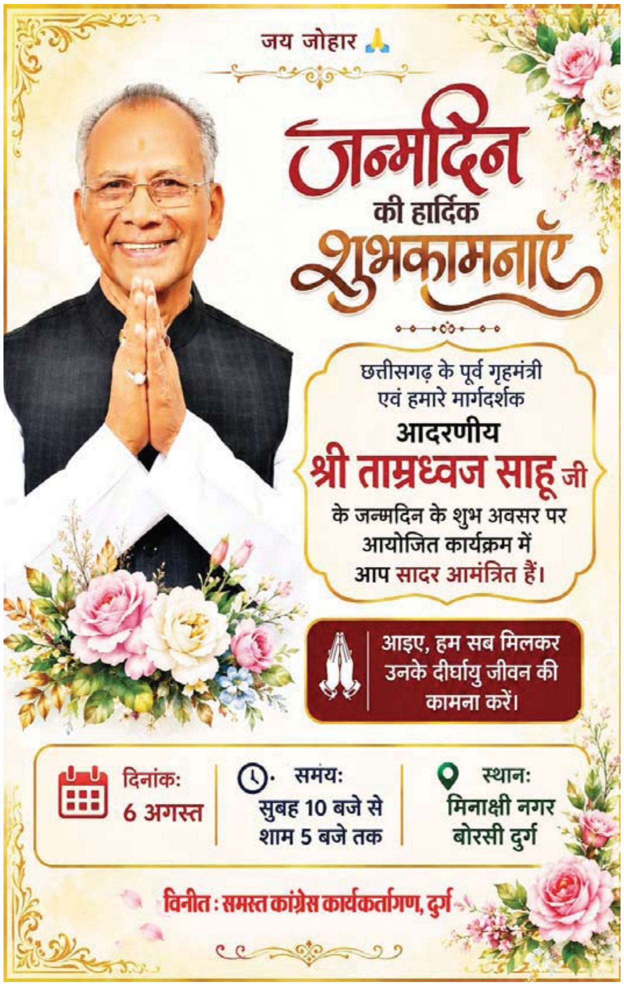

धमतरी में बनेगी ड्रेनेज व्यवस्था

धमतरी/नवप्रदेश। शहर में हर वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए नगर निगम आधुनिक तकनीक पर आधारित अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने की तैयारी में है। अब केवल आमापारा की तर्ज पर पाइपलाइन बिछाने तक सीमित नहीं रह जाएगा, बल्कि वर्षा जल निकासी की नई व्यवस्था विकसित की जाएगी। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि वर्षा जल और सीवरेज का पानी पूरी तरह अलग-अलग रहेगा, जिससे तालाबों में गंदे पानी का प्रवाह नहीं होगा और जल स्रोत भी सुरक्षित रहेंगे।उल्लेखनीय ही की आमापारा क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी के लिए मकई तालाब तक अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई गई थी। इस योजना में जो कमी या परिणाम सामने आए हैं। भारी बारिश के दौरान भी पानी की निकासी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। आमापारा सिस्टम में कुछ गलतियां हुई थी, इस ओर कुछ जागरूक लोगों ने महापौर और निगम का ध्यान आकृष्ट कराया था,जिससे सीख लेते हुए अब और अधिक उन्नत तकनीक के साथ शहर के अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों में यह पैटर्न लागू किया जाएगा।

नगर की 50 साल पुरानी अटूट दोस्ती हुई सम्मानित

80 के दशक के छात्रों को मिला आदर्श मित्रता सम्मान

■ मिसाल-ए-दोस्ती

भाटापारा / नवप्रदेश। फ्रेंडशिप-डे पर 'आदर्श मित्रता सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। 'सर्व आस्था मंच' और 'मुस्लिम इंटेलेक्चुअल फोरम' ने 'आदर्श मित्रता दिवस - एक जश्न-ए-मोहब्बत' थीम पर यह आयोजन रायपुर की विमतारा हॉल में किया जिसमें भाटापारा की चालीस साल पुरानी मित्र मंडली को सम्मानित किया गया।

समारोह में सर्वधर्म समभाव और आपसी भाईचारे का अनूठा समागम देखने को मिला, जहाँ समाज की धार्मिक और मजहबी दीवारों को तोड़ते हुए अटूट दोस्ती की मिसाल पेश करने वाले पुराने मित्रों को मंच पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सबसे भावुक और आकर्षक पहलू भाटापारा के मेन हिंदी स्कूल के 5वीं कक्षा (वर्ष 1976) के सहपाठियों का सम्मान रहा। यह 5 मित्रों की जोड़ी पिछले 50 वर्षों से हर दुख-सुख में एक साथ खड़ी है।
राजेश नामदेव (हिंदू)
जॉन राजेश पाल (ईसाई)

आलोक मोदी (जैन)
परमजीत सिंह छाबड़ा (सिख)
डॉ. मंशाउर्रहमान खान (मुस्लिम)

प्राथमिक शिक्षा के बाद इन सभी ने हाईस्कूल भाटापारा से अध्ययन किया और कॉलेज के बाद अलग-अलग पेशों में व्यस्त हो गए। इसके बावजूद इनकी आत्मीयता कभी कम नहीं हुई। भाटापारा में रहने वाले मित्र आज भी हर रविवार को नियम से आपस में मिलते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जॉन राजेश पाल और राजेश नामदेव ने दोस्ती की मजबूती के किस्से सुनाए। उन्होंने कहा कि हमारे माता-पिता, समाज, गुरुजनों और पड़ोसियों से मिली शिक्षा, धार्मिक संस्कार व राष्ट्रप्रेम की सीख की वजह से ही हम सब एकता के सूत्र में बंधे हैं। आगे भी इसी तरह जुड़े रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश के दूर-दराज हिस्सों से आए अन्य मित्र जैसे सुनील दुबे, विकास शर्मा, सुधीर मिश्रा, दुर्गेश शुक्ला, दुर्गेश गुप्ता, शिव गुप्ता, देवदत्त मिश्रा, राजेश शुक्ला, गुरूमुख केशवानी, मुरली थारानी, कृष्ण कुमार मुकुंदन, राजेश सिंग आदि भी शामिल हुए। शहर की 10 चुनिंदा मित्र जोड़ियों के संघर्ष और अटूट विश्वास की कहानियों को समेटते हुए एक विशेष स्मारिका का प्रकाशन भी इस दौरान किया गया।

शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अनवर ढेबर को दी अंतरिम जमानत

■ राज्य से बाहर रहने की लगाई शर्त

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने अनवर ढेबर को अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि यह जमानत कई शर्तों के साथ मिली है।

जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अनवर ढेबर को राज्य से बाहर रहने समेत अन्य शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। अनवर ढेबर शराब घोटाला मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। इसके अलावा उन्हें अन्य मामलों में भी आरोपी बनाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में कार्रवाई करते हुए अनवर ढेबर और पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा समेत कई लोगों को आरोपी बनाया है। ईडी का आरोप है कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच शराब कारोबार में कथित सिंडिकेट बनाकर अवैध तरीके से धन अर्जित किया गया।जांच एजेंसी के मुताबिक, शराब की खरीद दरों में कथित हेरफेर, बिना हिसाब वाली शराब के निर्माण और एफएल-10ए लाइसेंस के जरिए कमीशन वसूली जैसे तरीकों से अवैध कमाई की गई।

ईडी ने अटैच की थी करोड़ों की संपत्तियां

मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए अनवर ढेबर से जुड़ी कई संपत्तियों को अटैच किया था। इनमें रायपुर स्थित जमीनें और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। ईडी का दावा है कि ये संपत्तियां कथित अपराध से अर्जित धन से जुड़ी हुई हैं।जांच एजेंसी ने इस मामले में कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है और अदालत में अभियोजन शिकायत भी दाखिल की है। शराब घोटाला मामले की जांच अभी जारी है।

शराब दुकानों में अनियमितता, दो आबकारी अफसर निलंबित

■ जांच के बाद आबकारी आयुक्त ने की कार्रवाई

■ सहायक आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार ने शराब दुकानों में अधिक दर पर शराब बिक्री और जांच में लापरवाही के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए दो आबकारी उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा धमतरी की सहायक आयुक्त आबकारी नीलोफर जैन के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के रोहांसी स्थित देशी कंपोजिट मदिरा दुकान में निर्धारित दर से अधिक कीमत पर शराब बिक्री की शिकायत की जांच में आबकारी उपनिरीक्षक पी. माधव राव द्वारा नियमानुसार कार्रवाई नहीं किए जाने का मामला सामने आया। जांच के दौरान सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी अधूरी पाई गई और इसकी जानकारी समय पर जिला कार्यालय को नहीं दी गई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

इसी तरह बालोद जिले की देशी कंपोजिट मदिरा दुकान में निर्धारित सीमा से अधिक शराब बिक्री और जांच में अनियमितता पाए जाने पर आबकारी उपनिरीक्षक आशा राम शाक्य को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय उप आयुक्त आबकारी, दुर्ग संभाग कार्यालय रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।इसके अलावा धमतरी की सहायक आयुक्त आबकारी नीलोफर जैन के विरुद्ध भी विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

कर्तव्यनिष्ठ होकर जनसेवा एवं सुशासन के लिए बेहतर कार्य करें : सीएम साय

■ प्रशासनिक सेवा जनविश्वास अर्जित करने का माध्यम, संवेदनशीलता और पारदर्शिता को बनाएं कार्यशैली का आधार

■ मुख्यमंत्री साय से 2025 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को उनके भावी प्रशासनिक दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन होना उपलब्धि अवश्य है, लेकिन वास्तविक सफलता तब है जब अधिकारी अपने पद का उपयोग जनसेवा, सुशासन और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए करें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी शासन और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके निर्णय, व्यवहार और कार्यशैली से आम नागरिक का शासन के प्रति विश्वास मजबूत होता है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी को संवेदनशीलता, पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करते समय जनता की अपेक्षाओं और स्थानीय परिस्थितियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। अधिकारी यदि लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समयबद्ध समाधान की दिशा में कार्य करें, तो प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास स्वतः बढ़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा, वन संपदा, उर्वर भूमि और मजबूत ऊर्जा क्षमता उपलब्ध है।

राजस्व के प्रत्येक प्रकरण को मानवीय दृष्टि से देखें

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजस्व से जुड़े विषय आम नागरिकों के जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। भूमि, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और अन्य राजस्व मामलों में लोगों को समय पर राहत मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई बार प्रशासनिक अधिकारी की छोटी-सी पहल भी किसी परिवार की बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। इसलिए अधिकारी संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएं और प्रत्येक प्रकरण को मानवीय दृष्टि से देखें।

विनम्रता और संयम बनाए रखने की सलाह

उन्होंने अधिकारियों को व्यवहार में विनम्रता और संयम बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा कि लोगों की शिकायतों को सुनना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। कई बार केवल धैर्यपूर्वक शिकायत सुन लेने से ही आधी समस्या समाप्त हो जाती है। यदि अधिकारी जनता से संवाद नहीं करेंगे, तो छोटी समस्याएं भी बड़े विवाद का रूप ले सकती हैं। इसलिए प्रत्येक अधिकारी को जनता के प्रति सहज, सुलभ और उत्तरदायी रहना चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण अनुभवों की जानकारी भी ली तथा उन्हें भविष्य में अपने पदेन दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रदेश के विकास और सुशासन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ में स्थापित होगा पहला मदर मिल्क बैंक

■ विश्व स्तनपान सप्ताह : स्वास्थ्य मंत्री करेंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) एवं राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एसएचएसआरसी) के सहयोग से 6 अगस्त 2026 को रायपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार के नए सभागार में आयोजित होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित कटारिया तथा आयुक्त-सह-संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ दुग्ध के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, नवजात एवं शिशुओं के समुचित पोषण और बेहतर स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा विशेषज्ञों, नर्सिंग अधिकारियों, मितानिनों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी।

कार्यक्रम में राज्य की 10 ऐसी माताओं को 'माता यशोदा सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने मातृ दुग्ध का दान कर अथवा अन्य शिशुओं को स्तनपान कराकर मानवता और मातृत्व की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की है। ये वे शिशु हैं जिनकी माताओं में पर्याप्त दूध उपलब्ध नहीं हो सका अथवा जिनकी माता का निधन हो चुका है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन राज्य के पहले मातृ दूध कोष (मदर मिल्क बैंक) की स्थापना की घोषणा भी की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ऐसे नवजात एवं शिशुओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त मातृ दुग्ध उपलब्ध कराना है, जिन्हें किसी कारणवश अपनी माता का दूध प्राप्त नहीं हो पाता।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, संपूर्ण और प्राकृतिक आहार है। यह न केवल शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि माँ के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। विश्व स्तनपान सप्ताह के माध्यम से समुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने तथा माताओं को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन से कार्यक्रम में सहभागिता कर स्तनपान के महत्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधी जन-जागरूकता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

सालों का इंतजार खत्म,156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जल्द मिलेगी सरकारी नौकरी

रायपुर/नवप्रदेश। उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित होने के बावजूद बरसों से सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे खिलाड़ियों के लिए आखिरकार राहत भरी खबर आई है। राज्य सरकार ने संज्ञान लेते हुए 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के नाम राजपत्र में प्रकाशित कर दिए हैं।

राजपत्र में विभिन्न खेलों के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के नाम शामिल किए गए हैं। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। इसके बावजूद लंबे समय से उन्हें सरकारी नौकरी का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

राजपत्र में नाम प्रकाशित होने के साथ ही अब इन 156 खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरी का रास्ता साफ हो गया है। लंबे इंतजार के बाद खिलाड़ियों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों को उम्मीद है कि अब नियुक्ति प्रक्रिया भी जल्द पूरी होगी और उन्हें उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सरकारी सेवा में अवसर मिलेगा।

डिप्टी सीएम के निर्देश पर कबीरधाम के 129 शालाओं में बालिका शौचालय को मिली स्वीकृति

■ वीबी जीरामजी से बालिकाओं को मिलेगा सुविधाओं का लाभ

■ स्वीकृति आदेश जारी होते ही ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य हुए प्रारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के 129 शासकीय माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शालाओं में बालिकाओं को शौंचालय का अधिकार दिलाने के लिए 5 करोड़ 53 लाख 90 हजार रुपए की लागत से निर्माण को विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी जीरामजी) के तहत उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शौचालय के निर्माण के लिए विभिन्न स्कूलों की सूची जिला पंचायत को प्रस्तुत की गई थी। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए स्वीकृति प्रदान की गई है ताकि स्कूली बच्चों के सुविधाओं में विस्तार करते हुए स्वच्छ कबीरधाम की ओर एक कदम और आगे बढ़ाया जा सके। उल्लेखनीय है कि विकसित भारत जी राम जी योजना के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा था कि इस नई योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के साथ स्कूलों में बच्चों के लिए सुविधाओं का विस्तार होगा। इसी क्रम में यह स्वीकृति ग्रामीण बालिकाओं के लिए बहुत बड़ी राहत साबित होगी।

वीबी जीरामजी से ग्रामीणों को रोजगार और बालिकाओं को मिलेंगे सर्वसुविधा युक्त शौचालय

शौचालय निर्माण से शालाओं में बालिकाओं के लिए सुविधाओं का विस्तार होगा तथा निर्माण कार्य से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को प्रतिदिन 300 रूपए का मजदूरी भुगतान उनके बैंक खाते में सीधे प्राप्त होगा। इस तरह 129 शौचालय के निर्माण कार्य से लगभग 75 से 80 लाख रुपए का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों को सीधे उनके खाते में प्राप्त हो जाएगा।

ग्राम पंचायतें करेंगी निर्माण कार्य

इस संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि समुदाय के लिए बालिका शौचालय का निर्माण प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला में कराया जा रहा है। निर्माण कार्यों के लिए ग्राम पंचायतों को एजेंसी निर्धारित किया गया है। प्रत्येक स्कूलों में 4 लाख 30 हजार रुपए की लागत से कार्य स्वीकृत किया गया है। सभी कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश कार्य एजेंसी को दिए गए हैं तथा मैदानी कर्मचारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर करने कहां गया है।

अफसर सांसदों की बात नहीं सुन रहे, जनता तो बेबस है : कांग्रेस

रायपुर/ नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल अधिकारियों के आगे बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं। सरकार के मुखिया से शिकायत के बावजूद अधिकारियों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया तो उन अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष के पास करनी पड़ रही है। इससे समझा जा सकता है कि प्रदेश में प्रशासनिक अराजकता कितनी चरम पर है। जब सांसद, विधायक, महापौर अपने ही सरकार में अधिकारियों के रवैया को लेकर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। बात नहीं सुनने और जनप्रतिनिधि का सम्मान नही करने का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में समझ सकते हैं आम जनता के साथ ये कैसा व्यवहार करते होंगे? आम जनता तो इन अधिकारियों के केबिन में जाने में भी घबराती होगी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा ढाई साल की सरकार में जनता छोटे -छोटे विभागीय कामों को लेकर लगातार शिकायत कर रही है। सुशासन तिहार दो बार हुआ दोनों बार में जनसमस्या से जुड़े लाखों आवेदन आए ये इस बात का प्रमाण है कि जनता का काम नही हो रहा है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदेशभर से पहुँचे पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। सहयोग केंद्र में अपनी बात और समस्याएँ रखने के लिए प्रदेशभर से लगभग 500 कार्यकर्ता पहुँचे थे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं से कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सभी आवेदनों पर बेहद गंभीरता, सार्थक और समाधानकारी दृष्टिकोण के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को इन सभी आवेदनों के त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिये। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज मौजूद रहे।

गहने चोरी के मामले में उपभोक्ता आयोग ने होटल प्रबंधन पर ठोका जुर्माना

■ होटल वीडब्ल्यू केन्यान का मामला

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग रायपुर ने वी.डब्ल्यू केन्यान होटल में ठहरे एक ग्राहक के गहने चोरी होने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने होटल प्रबंधन को सेवा में कमी और लापरवाही का दोषी मानते हुए पीड़ित को कुल 2,37,500 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है।

शिकायतकर्ता नरपत सिंह सेठिया (बीकानेर, राजस्थान) ने आरोप लगाया था कि रायपुर के वी.डब्ल्यू.केन्यान होटल में ठहरने के दौरान उनके परिवार के 2,02,500 रुपये मूल्य के आभूषण चोरी हो गए। उन्होंने होटल प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया। होटल प्रबंधन ने अपने बचाव में कहा कि प्रत्येक कमरे में लॉकर की सुविधा उपलब्ध थी, जिसका उपयोग शिकायतकर्ता ने नहीं किया। साथ ही एफआईआर दो दिन बाद दर्ज कराई गई और भुगतान की रसीद भी प्रस्तुत नहीं की गई।

हालांकि राज्य आयोग ने जिला आयोग का फैसला पलटते हुए कहा कि होटल के बंद कमरे से आभूषण चोरी होना होटल प्रबंधन की स्पष्ट लापरवाही और सेवा में कमी है। आयोग ने माना कि शिकायतकर्ता उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता हैं। आयोग ने होटल प्रबंधन को 2,02,500 रुपये (चोरी हुए आभूषणों का मूल्य), 25,000 रुपये मानसिक पीड़ा के लिए तथा 10,000 रुपये वाद व्यय सहित कुल 2,37,500 रुपये 60 दिनों के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है। आदेश का पालन नहीं करने पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

बैठक: रायपुर राजस्व अनुविभाग की बैठक में बकेटिंग से लेकर बटांकन और स्वामित्व योजना तक हुई विस्तृत समीक्षा

राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

■ सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में करें निपटारा

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बुधवार को रायपुर राजस्व अनुविभाग के भू-अभिलेख एवं राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक (आरआई) एवं पटवारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने राजस्व कार्यों में गति लाने, लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा रिकॉर्ड को त्रुटिरहित रखने के निर्देश दिए।

बैठक में एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसानों के खातों के स्थान पर दर्ज किए जा रहे बकेटिंग की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रत्येक खसरा नंबर का संबंधित किसान के नाम से सही मैपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों का प्रामाणिक एवं त्रुटिरहित डेटा तैयार हो सके। उन्होंने सभी पटवारियों एवं तहसीलदारों को किसानों के बकेटिंग का सत्यापन कर समय पर पोर्टल पर जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पटवारीवार समीक्षा करते हुए सभी त्रुटियों का तत्काल सुधार एवं रिकॉर्ड अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने आबादी भूमि से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को जल्द पट्टा वितरण सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने रायपुर राजस्व अनुविभाग के सभी लंबित ऑनलाइन राजस्व प्रकरणों को अद्यतन कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, संयुक्त कलेक्टर के.एम. अग्रवाल, एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे सहित रायपुर राजस्व अनुविभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सीमांकन-बटांकन के मामलों का जल्द निराकरण करें

बैठक में बटांकन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए, जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सीमांकन के पुराने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) हस्ताक्षर वाले प्रकरणों को भी शीघ्र पूर्ण करने के लिए पटवारियों को निर्देशित किया।

सुविचार

कुछ लोग अहम में तो कुछ वहम में रह जाते हैं और भूल जाते हैं कि समय का दरिया एक दिन नाम और निशान सब बहाकर ले जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का सराहनीय फैसला

एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को निर्देश दिया है कि वे सभी प्रमुख सड़को पर पैदल चलने वाले यात्रियों के लिए अतिक्रमणमुक्त फुटपाथ की व्यवस्था सुनिश्चित करें। निश्चित रूप से जनहित में यह सुप्रीम कोर्ट का सराहनीय फैसला है। देशभर के सभी महानगरों और प्रमुख शहरों के मुख्य मार्गो पर पद यात्रियों के लिए फुटपात तो बने हुए हैं लेकिन इनमें से ज्यादातर बेजा कब्जा की भेंट चढ़ गये हैं। इन फुटपातों पर फुटकर समान बेचने वालों ने सालों से कब्जा कर रखा है। स्थिति यह है कि इसे फटपाथ बाजार के नाम से भी जाना जाता है। नतीजतन इन फुटपातों पर राहगिरों का पैदल चलना मुश्किल हो जाता है और मजबूरी में उन्हें मुख्य सड़क पर पैदल चलना पड़ता है। जिसके चलते अक्सर पद यात्री वाहनों की चपेट में आकर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इन फुटपाथों पर बेजा कब्जा रोकने की जिम्मेदारी उन शहरों के नगरीय निकायों पर होती है लेकिन वे अपनी यह जिम्मेदारी इमानदारी से नहीं निभाते क्योंकि फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले लोग संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को हर महीने रिश्वत देते हैं। यही वजह है कि फुटपाथों से अवैध कब्जे हट नहीं रहे हैं। बल्कि दिनों दिन बेजा कब्जे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट पर केन्द्र सरकार को निर्देशित किया है कि जहां भी सड़क हो वहां पैदल चलने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए उचित रूप से चिन्हित और अतिक्रमण मुक्त स्थान पर फुटपाथ सुनिश्चित किया जाये। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा है कि सीमांकित फुटपाथ पर चलना लोगों का मौलिक अधिकार है। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जहां भी सड़क हो वहां पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ के रूप में एक अलग जगह हो जिसे रस्सी या अन्य किसी माध्यम से चिन्हित किया जाये ताकि वहां पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न हो। जिन फुटपाथों पर अतिक्रमण है उन्हें तत्काल हटाया जाये। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को दो सप्ताह का समय दिया है। अब देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर सरकार कितना अमल करती है। वैसे तो फुटपाथों पर जरूरत से ज्यादा बेजा कब्जा हो जाता है उसे हटाने के लिए संबधित नगरीय निकाय गाहे बगाहे अभियान चलाते हैं और फुटपाथ को बेजा कब्जों से मुक्त कराते हैं लेकिन दूसरे ही दिन से फिर उन फुटपाथों पर दुकानें लग जाती हैं। फुटपाथों पर रोज लाखों का व्यवसाय होता है और इसका एक हिस्सा नगरीय निकायों के अधिकारियों की भी भेंट चढ़ता है। ऐसे में फुटपाथों से अतिक्रमण हटना बड़ी चुनौती है किन्तु यदि सरकार और नगरीय निकाय दृण इच्छा शक्ति का परिचय दें तो इन फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सकता है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन किया जा सकता है।

इसे कहते हैं असली जेन-जी का आंदोलन

हाल ही में देश ने राजधानी नई दिल्ली में तथाकथित जेन-जी का आंदोलन देखा था। कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में जंतर मंतर पर एक माह तक चले इस आंदोलन से जेन-जी कम जुड़े थे उनसे ज्यादा तो आपराधिक पृष्टभूमि वाले असमाजिक तत्व जुड़े थे जिन्होंने वहां क्या किया यह किसी से छिपा नहीं है। वहीं दूसरी ओर झारखंड है जिसकी राजधानी रांची के चैपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के अंदर पिछले 12 दिनों से हजारों छात्र शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं। न तो वहां बिरयानी बट रही है और न ही आंदोलनरत छात्रों के लिए बांग्लादेश या खाड़ी देशों से थोक के भाव में पिज्जा बर्गर आ रहे हैं। ये छात्र गुण चिवड़ा खाकर वहां डंटे हुए हैं और अब जब उनकी संख्या हजारों में पहुंच गई है तो रांची के मंदिरों से इन छात्रों के लिए भंडारे का प्रसाद चावल दाल और आलू की सब्जि के रूप में भेजा जा रहा है। झारखंड में हुए पेपरलीक के मामले के खिलाफ आंदोलनरत इन छात्रों को भी एक सोनम वांगचूक की मिल गया है। देवेन्द्र महतो नाम के छात्र नेता ने आमरण अनसन शुरू किया है। वहीं चार छात्र भूख हडताल पर बैठ गये हैं किन्तु इस आंदोलन के दौरान न तो देश विरोधी नारे लग रहे हैं न ही कोई गंदी गालियां दे रहा है। झारखंड के छात्रों इस आंदोलन को कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दिपके ने जुबानी समर्थन दिया है और कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे अपनी टीम के साथ रांची जाएंगे। उनके इस बयान के साथ रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि अभीजित दीपके को रांची आने की कोई जरूरत नहीं है। हम अपनी लड़ाई शांतिपूर्ण तरीके से लड़ लेंगे। हम नहीं चाहते की यहां भी देश विरोधी नारे लगाये जायें और प्रमुख संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को गंदी गालियां दी जाये। वाकई इसे कहते हैं असली जेन-जी का आंदोलन। जिसे अब झारखंड के लोगों का भी भारी समर्थन मिल रहा है और झारखंड सरकार पर दबाव भी बढ़ रहा है। वहां के पेपरलीक माले की सीआईडी जांच के आदेश जारी कर दिये गये हैं और 14 लोगों की गिरफ्तारी भी हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि उनकी मांगो पर सरकार विचार करेगी और जल्द ही छात्रों से इस बारे में चर्चा की जाएगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1825: बोलीविया ने पेरू से स्वतंत्रता हासिल की। 1862: मद्रास उच्च न्यायालय की स्थापना। 1906: प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी चितरंजन दास और अन्य कांग्रेस नेताओं ने मिलकर 'वंदेमातरम' समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया। 1914: ऑस्ट्रिया ने रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1925: सुरेन्द्र नाथ बनर्जी का निधन। 1960: क्यूबा ने देश की तमाम संपत्ति का राष्ट्रीयकरण किया। 1962: जमैका को स्वतंत्रता मिली। 1964: अमेरिका के नेवादा में विश्व के सबसे प्राचीन वृक्ष प्रोमेथस को काट दिया गया। 1986: भारत के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म। 1996: नासा ने मंगल पर जीवन होने की संभावना जताई। 2007: मध्य त्रिनिदाद में एक पुराने हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया। 2007: हंगरी के वैज्ञानिकों ने लगभग 80 लाख साल पुराने देवदार के वृक्ष का जीवाश्म प्राप्त करने का दावा किया। 2010: जम्मू और कश्मीर में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 255 लोग मारे गए। 2011: थाईलैंड में प्यूइआ थाई दल की यिंगलुक शिनवात्रा शुविार देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।

बस्तर की नई सुबह: सुरक्षा के साथ ही अब विकास को जमीन पर उतारने की चुनौती

अशोक कुमार साहू

कभी नक्सल हिंसा, भय और अविकास का पर्याय रहा बस्तर आज परिवर्तन के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां पहली बार विकास की चर्चा सुरक्षा अभियानों पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बस्तर की सबसे बड़ी समस्या नक्सलवाद है, लेकिन अब जबकि सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों से नक्सली हिंसा सिमटी है, राज्य सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती शांति को स्थायी विकास में बदलने की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हालिया दिल्ली दौरा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष जिस व्यापक ÷बस्तर विजन÷ का खाका रखा, वह केवल परियोजनाओं की सूची नहीं, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत करता है। यदि इन प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से अमल में लाया जाता है, तो आने वाले वर्षों में बस्तर की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के समक्ष सबसे पहले उन 461 गांवों का मुद्दा उठाया, जहां दशकों तक नक्सली हिंसा के कारण बिजली का स्थायी ग्रिड नहीं पहुंच पाया। इन गांवों को राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र से विशेष वित्तीय सहायता का अनुरोध किया गया है। बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच का आधार है। जिन क्षेत्रों में आज भी अंधेरा विकास की सबसे बड़ी बाधा है, वहां यह पहल परिवर्तनकारी साबित हो सकती है।

इसी क्रम में बस्तर में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफआयुर्वेद) की स्थापना का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक औषधीय ज्ञान और आधुनिक आयुर्वेदिक चिकित्सा के समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं का नया मॉडल विकसित किया जा सकता है। यदि यह संस्थान स्थापित होता है तो बस्तर स्वास्थ्य और औषधीय अनुसंधान के क्षेत्र में भी नई पहचान बना सकता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुहिम' के माध्यम से संभाग के 5,542 गांवों में सरकारी योजनाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है और लगभग 39 लाख लोग इनका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। राशन, आयुष्मान भारत, जनधन, वनाधिकार और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना किसी भी लोकतांत्रिक शासन की सफलता का महत्वपूर्ण पैमाना है। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है तो यह केवल कल्याणकारी कार्यक्रम नहीं रहेंगे, बल्कि सामाजिक विश्वास बहाली का भी माध्यम बनेंगे। शिक्षा के क्षेत्र

में हुए बदलाव उल्लेखनीय हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में वर्षों से बंद पड़े 421 स्कूलों का पुनः संचालन इस बात का संकेत है कि परिस्थितियां बदल रही हैं। दंतेवाड़ा की सफलता को आधार बनाकर ओरछा और जगरगुंडा में नई एजुकेशन सिटी विकसित करने की योजना दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी क्षेत्र को हिंसा और पिछड़ेपन के चक्र से स्थायी रूप से बाहर निकाल सकती है।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार की कोशिशें दिखाई देती हैं। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत लाखों लोगों की स्वास्थ्य जांच, जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और गीदम में मेडिकल कॉलेज जैसी परियोजनाएं इस दिशा में सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि चुनौती केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, आधुनिक उपकरण, दवाओं की निरंतर आपूर्ति और दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

बस्तर के विकास में आधारभूत संरचना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क में सुधार के बिना उद्योग, पर्यटन और निवेश की संभावनाएं सीमित रहेंगी। लगभग 3,513 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन जगदलपुर-रावघाट रेललाइन इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके अलावा किरंदुल-कोत्तागुडेम तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल रेल परियोजनाओं के सर्वे कार्य को शीघ्र पूरा करने का आग्रह भी भविष्य की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे और इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित बैराज परियोजना भी कृषि, सिंचाई और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति देने की क्षमता रखती है। बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियां सामान्य क्षेत्रों से भिन्न हैं। घने जंगल, पहाड़ियां और बिखरी हुई छोटी-छोटी बसाहटें यहां सड़क निर्माण को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत विशेष प्रावधान की मुख्यमंत्री की मांग व्यावहारिक प्रतीत होती है। अरुणाचल प्रदेश की तर्ज पर दस किलोमीटर की परिधि में स्थित बसाहटों को एक क्लस्टर मानने का प्रस्ताव यदि स्वीकार होता है तो सैकड़ों गांव पहली बार सर्वकालिक सड़क संपर्क से जुड़ सकेंगे। सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं होती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार, प्रशासन और सुरक्षा की जीवनरेखा भी होती है। डिजिटल कनेक्टिविटी आज विकास का नया मानदंड बन चुकी है। मुख्यमंत्री द्वारा 2,305 नए मोबाइल टावरों की स्वीकृति का अनुरोध और पहले से स्वीकृत 577 टावरों की स्थापना में तेजी लाने की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण है। जिन गांवों तक मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट नहीं पहुंचते, वहां डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाएं, बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और डिजिटल अर्थव्यवस्था की कल्पना भी अधूरी रहती है। डिजिटल समावेशन अब विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता बन चुका है।

बस्तर केवल प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी भारत की अमूल्य धरोहर है। बस्तर दशहरा विश्व का सबसे लंबा और अनूठा दशहरा उत्सव माना जाता है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जनजातीय परंपराएं, लोककला और हस्तशिल्प इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिला सकते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय समुदाय की भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के साथ किया जाए तो यह हजारों युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा स्त्रोत बन सकता है। कैनोपी वॉक, ग्लास ब्रिज और एडवेंचर टूरिज्म जैसी परियोजनाएं भी इस दिशा में नए अवसर खोल सकती हैं।

उपचुनावों का जनादेश: क्या बदल रहा है मतदाता का मिजाज?

योगेश कुमार गोयल

लोकतांत्रिक राजनीति में कई बार छोटे चुनाव भी बड़े संदेश दे जाते हैं। विधानसभा उपचुनावों को लंबे समय तक केवल रिक्त सीटों को भरने की औपचारिक प्रक्रिया माना जाता रहा है। सामान्य धारणा यही रही कि जिस राज्य में जिस दल की सरकार होती है, प्रशासनिक बढ़त, संगठनात्मक शक्ति और सत्ता के प्रभाव के कारण वही दल उपचुनाव आसानी से जीत जाता है। इसी कारण उपचुनावों के परिणामों को व्यापक राजनीतिक संकेतक के रूप में कम ही देखा जाता था किंतु पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा तेजी से बदली है। अब उपचुनाव केवल एक सीट का फैसला नहीं करते बल्कि जनता के तत्कालीन मनोभाव, सरकार के प्रति संतोष-असंतोष, संगठन की मजबूती, नेतृत्व की स्वीकार्यता और भविष्य की राजनीतिक दिशा के संकेत भी देते हैं। बिहार के बांकीपुर, मध्य प्रदेश के दतिया और गुजरात के मांझलपुर विधानसभा उपचुनावों ने भी यही संदेश दिया है। तीन सीटों में से दो पर भाजपा की हार और केवल एक पर जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या ये केवल स्थानीय परिस्थितियों का परिणाम हैं अथवा भाजपा के सामने उभर रही नई राजनीतिक चुनौतियों का प्रारंभिक संकेत? उपचुनाव सत्ता परिवर्तन का जनादेश नहीं होते किंतु वे जनता के बदलते मानस की पहली आहट अवश्य होते हैं और यही कारण है कि इन परिणामों को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर सीट की रही। यह सीट केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं थी बल्कि भाजपा की राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती थी। लगभग तीन

दशक से यह भाजपा का अभेद्य दुर्ग रहा। पहले भाजपाध्यक्ष नितिन नवीन के पिता और बाद में स्वयं नितिन नवीन लगातार यहां विजय प्राप्त करते रहे। नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद यह सीट रिक्त हुई और भाजपा को अटूट विश्वास था कि उसका यह गढ़ सुरक्षित रहेगा किंतु जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने न केवल भाजपा का यह किला ध्वस्त कर दिया बल्कि बिहार की राजनीति में नए विकल्प की संभावनाओं को भी मजबूत कर दिया। यह परिणाम केवल भाजपा की हार नहीं बल्कि उसकी रणनीतिक चूक का भी परिणाम माना जा रहा है। उम्मीदवार चयन में अंतिम समय तक बना भ्रम, स्थानीय कार्यकर्ताओं की असंतुष्टि और अत्यधिक आत्मविश्वास ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया। लंबे समय तक किसी सीट पर लगातार जीत कभी-कभी संगठन में आत्मसंतोष पैदा कर देती है। यही स्थिति बांकीपुर में दिखाई दी। भाजपा ने शायद मान लिया था कि उसका पारंपरिक वोट बैंक और संगठनात्मक नेटवर्क किसी भी परिस्थिति में जीत सुनिश्चित कर देगा जबकि मतदाता पहले की तुलना में अधिक सजग और स्वतंत्र निर्णय लेने वाला बन चुका है। बांकीपुर का परिणाम प्रशांत किशोर के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चुनावी रणनीतिकार के रूप में अनेक दलों को सफलता दिलाने वाले प्रशांत किशोर पहली बार स्वयं चुनावी परीक्षा में उतरे और सफल हुए। हालांकि विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी पूरी तरह विफल रही थी किंतु इस विजय ने सिद्ध कर दिया कि यदि कोई दल लगातार जनता के बीच बना रहे और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाए तो वह स्थापित राजनीतिक समीकरणों को चुनौती दे सकता है। यह जीत बिहार में तीसरे राजनीतिक विकल्प की संभावनाओं को भी बल देती है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश की दतिया सीट भाजपा के लिए और अधिक चिंता का विषय है। भाजपा की यह हार केवल विपक्ष की सफलता नहीं बल्कि भाजपा संगठन के भीतर असंतोष की अभिव्यक्ति भी मानी जा रही है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटे जाने के बाद उनके समर्थकों की नाराजगी चुनाव अभियान के दौरान लगातार चर्चा में रही। चुनावी राजनीति में उम्मीदवार केवल पार्टी का प्रतिनिधि नहीं होता बल्कि स्थानीय संगठन की भावनाओं का केंद्र भी होता है। जब कार्यकर्ता स्वयं उत्साहहीन हो जाएं या भीतरघात की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो मजबूत संगठन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाता। दतिया का परिणाम इसी सत्य की पुष्टि करता है। मध्य प्रदेश भाजपा लंबे समय तक शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अत्यंत मजबूत संगठनात्मक ढांचे के लिए जानी जाती रही। संगठन, सरकार और जनता के बीच संवाद की जो परंपरा विकसित हुई थी, नेतृत्व परिवर्तन के बाद उसे उसी प्रभावशीलता से बनाए रखना नई सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। उपचुनावों ने संकेत दिया है कि केवल सत्ता में होना पर्याप्त नहीं, संगठन की एकजुटता और स्थानीय नेतृत्व की स्वीकार्यता भी उतनी ही आवश्यक है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हरा होने लगा है ज़ख्म मेरा नहीं है ज़िन्दगी में क्यूँ सवेरा मुझे जब छोड़कर खुशियाँ गई हैं ग़मों ने जाने क्यूँ मुझको है घेरा मुसीबत रोज़ बढ़ती जा रही है ग़मों का हो गया है घर में डेरा उतर आया फ़्लक से चाँद मिलने ज़मीं पर चाँद ने जलवा बिखेरा शजर कटने से सहमे हैं परिंदे शजर पर आज भी उनका बसेरा जलाकर दिल करेंगे रौशनी हम बढ़े जितना ज़मीं पर ये अँधेरा फँसी अपना-पराया में है दुनिया ये करती रोज़ है मेरा ये तेरा चलो छोड़ो ये माया-मोह 'ऐनुल'निकलने के लिए तोड़ो ये घेरा। – **'ऐनुल' बरौलवी**

मौन ही बेहत्तर है चीज़े बढ़ती नही है, और उम्मीदे खुद आत्महत्या कर लेती है शायद जरूरतें और ज़रूरी होने के अपने अपने दृष्टिकोण है ..हम गलतफहमी में रहते हैं कि हम बहुत ज़रूरी है, हमारे बग़ैर सब कैसे होगा?यह हम सोचते है पर वक्त के साथ सब मैनेज हो जाता है.. हम कहीं नही बचते कहीं भी नही। – **सुरेखा अग्रवाल**

ज़िंदगी जैसी भी है, अपनी है। किसी की किस्मत में कोहिनूर लिखा होता है, तो किसी के लिए दो वक़्त की रोटी ही सबसे बड़ी नेमत होती है। इसलिए दूसरों की खुशियों से अपनी ज़िंदगी मत तौलो, क्योंकि सुकून दौलत में नहीं, संतोष में बसता है। – **प्रीति श्रीवास्तव**

गांजा चिलम और बिरयानी वालो के साथ नही दाल भात और किताब , कलम वालो के साथ देश है.... पीकर जिनकी लाल शिखाएं, उगल रही सौ लपट दिशाएं, जिनके सिंहनाद से सहमी, धरती रही अभी तक डोल। कलम, आज उनकी जय बोल...रांची के छात्र अडे रहो डटे रहो विजय आपकी होगी। – **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

धरने पर गालिओं और अपशब्दो को उचित ठहराने वालों से प्रश्न गालियाँ हैं परंपरा, रही पुरातन रीति। पैरोकारी कह रहे , यह न कोई अनीति।। यह न कोई अनीति, ब्याह में भी दी जातीं। जहाँ समधनें खूब ,प्रेम से भोज्य खिलातीं। क्या कर लें शुरुआत, घरों में सजा थालियां। करें कलेवा नित्य, सुनें फिर वही गालियाँ।।

– **रजनी रामदेव**

धरना प्रदर्शन और सोशल मीडिया में ट्रेंड ठीक है. माहौल बनाने के लिए चलता रहे. लेकिन इससे सरकार की नीतियों में कोई परिवर्तन होगा, ऐसा लगता नहीं. सवर्णो के पास अपनी लड़ाई जीतने का एक ही रास्ता है. आरक्षणवादी दलों का विरोध और चुनाव में आरक्षण विरोधी उम्मीदवारों के पक्ष में पूरी एकजुटता के साथ मतदान. ऐसा हो, इसके लिये भी तैयारी करनी चाहिये।

– **अनिल पांडेय**

सौ बात की एक बात ,जो गालियों का पक्ष ले रहे हैं किसी भी वजह से।वो अपनी माँ बेटी बहन को रोज ऐसे ही गालियाँ देते हैं उनकी माँ बेटी बहन उन्हें इतनी ही गालियाँ देती हैं। ये इनके लिए रोज की बात है लेकिन हमारे लिए नहीं।इसलिए हमें अजीब लग रहा है। इन गालीपक्षधर महिलाओं की परवरिश ऐसी ही गालियों के बीच हुई है इसलिए आदत है उन्हें।

– **दिव्या राकेश शर्मा**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि: आज का दिन बढ़िया रहेगा। जमीन-जायदाद से जुड़ा रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है और पिछले कुछ समय से चल रही व्यस्तता के आज अच्छे परिणाम भी मिलेंगे।

वृष राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। आप जिस काम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आज उसके सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं।

मिथुन राशि: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

कर्क राशि: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेगा, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला हैं। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। स्वास्थ्य आज थोड़ा डाउन हो सकता है, लेकिन समय से देखभाल करने से जल्द ही ठीक हो जायेगा।

तुला राशि: आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जायेंगें।

वृश्चिक राशि: आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं।

मकर राशि: आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा।

कुम्भ राशि: आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धनलाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। सुबह-सुबह व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे।

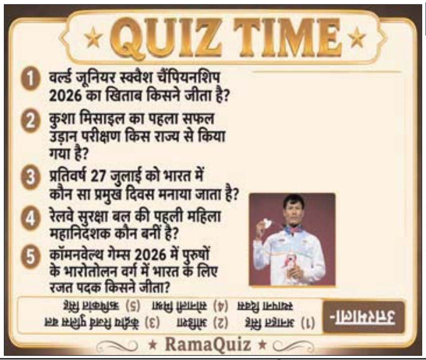

पहेली

शब्द सामर्थ्य -121

शिवमय हुआ माहौल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया महारुद्राभिषेक

श्रावण मास के एक माह तक चलने वाले धार्मिक आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच की पूजा-अर्चना, प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

महासमुंद/नवप्रदेश। श्रावण मास की भक्तिमय बेला में मंगलवार रात महासमुंद का विशाल मेगा मार्ट परिसर शिवभक्ति में सराबोर हो गया। यहां आयोजित एक माह तक चलने वाले महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष और शिव आराधना से गुंजायमान रहा।

श्रावण मास के अवसर पर आयोजित इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में संपन्न हुए रुद्राभिषेक और हवन-पूजन में डॉ. रमन सिंह ने पूरे श्रद्धाभाव से भाग लिया तथा प्रदेश में सुख, शांति

और जनकल्याण की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा अपने परिवार सहित मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी अनुष्ठान में सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजकों ने बताया कि श्रावण मास के दौरान प्रतिदिन महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन का आयोजन किया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ समाज में सुख, शांति, समरसता और लोककल्याण की भावना को प्रोत्साहित करना है।

8, 9 और 16 को होगी शीघ्रलेखन एवं कम्प्यूटर मुद्रलेखन कौशल परीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़, रायपुर के शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद द्वारा अंग्रेजी एवं हिन्दी कम्प्यूटर मुद्रलेखन कौशल परीक्षाओं का आयोजन निर्धारित तिथियों अनुसार 08 अगस्त 2026 को अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन (गति 8000 डिप्रेशन प्रति घंटा) की परीक्षा प्रदेश के 08 परीक्षा केन्द्रों पर, 09 अगस्त 2026 को हिन्दी कम्प्यूटर मुद्रलेखन (गति 8000 डिप्रेशन प्रति घंटा) की परीक्षा 09 परीक्षा केन्द्रों पर तथा 16 अगस्त 2026 को बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग में एक-एक परीक्षा केन्द्र पर आयोजित की जाएगी। सभी परीक्षार्थियों के लिए परिषद द्वारा आबंटित परीक्षा केन्द्र, निर्धारित बैच एवं समय पर परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

परीक्षा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने संबंधी सूचना परीक्षार्थियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से प्रेषित कर दी गई है। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय पहचान के लिए आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड अथवा मतदाता परिचय पत्र में से कोई एक मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

न्यूज गैलरी

संत रविदास कलश यात्रा का अध्यक्ष ने आशीर्वाद लेकर किया स्वागत

धमतरी/नवप्रदेश। धर्म, समाज एवं अध्यात्म के इतिहास में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650 वी जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा उनके दिए योगदान को चिरस्थाई रखने के लिए राज्य भर में उनकी जन्मभूमि से ली गई पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ मिट्टी को कलश यात्रा के रूप में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है इसी तारतम्य में शहर में पहुंचे इस कलश यात्रा का पूजा अर्चना करते हुए नमन कर स्वागत नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी द्वारा किया गया है मोटवानी ने आगे कहा है कि वर्तमान समय में समाज में विघटन करी तत्वों के द्वारा जो असमानताएं पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है उसे दूर करते हुए सामान्य मूलक समाज लाने के लिए संतों का दिया हुआ संदेश आज भी सच्चे अच्छे एवं प्रमाणित रूप से मध्य है जिसे भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं में आत्मसात करते हुए चिरस्थाई बनाकर उसे आगे बढ़ाने हेतु हमेशा अपना योगदान देती है। आज की यहां कलश यात्रा भी इसी का एक शाश्वत प्रतीक है।

चार आदतन अपराधियों को कलेक्टर ने किया जिला बदर

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में कानून व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पुलिस प्रशासन से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर 4 आदतन अपराधियों को एक वर्ष के लिए जिला बदर के आदेश जारी किया है। आदेश के तहत थाना सिमगा अंतर्गत ग्राम लिमतरा निवासी राकेश डहरे उर्फमंगलू पिता संतु डहरे, थाना गिधपुरी अंतर्गत ग्राम गाडाकुसमी के मदन ओगरे पिता विजय शंकर ओगरे,हड़हापारा कसडोल के रामकुमार साहु पिता सखा राम साहु एवं वार्ड क्रमांक 3 नगर पंचायत लवन के पवन कुर्रे पिता कमल कुर्रे को जिला बदर किया गया है। उक्त कार्रवाई छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3,5 (ख) के तहत किया गया है जिसमें 1 वर्ष के कालावधि के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा जिला एवं उसके सीमावर्ती जिले बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ति, बेमेतरा एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की सीमाओं से आदेश पारित होने के 24 घंटे के भीतर हटने एवं बाहर चले जाने के आदेश दिए है।

ज्ञानेश्वरी यादव का मंदिर ट्रस्ट ने किया सम्मान

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारोत्तोलन प्रतियोगिता के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करने वाली राजनांदगांव जिले की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव के माता पिता के साथ मां बम्लेश्वरी देवी जी के दर्शनार्थ डोंगरगढ़ पंहुचने पर भव्य स्वागत किया गया।

ज्ञानेश्वरी यादव ने पदक प्राप्त करने का श्रेय माता पिता कोच को देते देश और प्रदेश को समर्पित किया। उन्होंने भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए प्रार्थना कर मां बम्लेश्वरी देवी से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए माता जी की चुनरी फोटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर ज्ञानेश्वरी यादव का सम्मान किया गया। साथ ही पत्रकार संघ, यादव समाज सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों द्वारा भी सम्मान किया गया। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अनिल गट्टानी मंत्री महेन्द्र परिहार ट्रस्टी गण बबलू शांडिल्य संजीव गोमास्ता योगेश अग्रवाल और गौतम चोपड़ा सुषमा कोठारी एवं यादव समाज के अध्यक्ष विश्वनाथ यादव विनीत यादव पार्षद अमित छाबड़ा एल्डरमैन लक्ष्मी यादव वरिष्ठ सेवानिवृत्त पीटीआई ईश्वर निर्मलकर दिलीप भाई वेगड़ राम कुमार डड़सेना अजय शर्मा आदित्य मिश्रा रामजी तराने जितेन्द्र भाटिया चंद्रशेखर बोरकर ट्रस्ट के मैनेजर लक्ष्मी गुनी एकाउंटेंट मोहन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में नागरिक गण उपस्थित रहे।

यादव समाज की गौरव ज्ञानेश्वरी यादव का डोंगरगढ़ आगमन, यादव युवा समाज ने किया भव्य स्वागत

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। यादव समाज के गौरव सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव जी के डोंगरगढ़ आगमन पर यादव समाज के सदस्यों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव जी ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए तथा विधिवत पूजा-अर्चना की।

मंदिर में दर्शन एवं पूजा के पश्चात यादव युवा समाज के सदस्यों द्वारा सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान समाज के वरिष्ठ एवं बड़े पदाधिकारियों द्वारा उन्हें श्री यादव वंशावली भी भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान यादव समाज के युवाओं एवं वरिष्ठ सदस्यों में उत्साह देखने को मिला। समाजजनों ने सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव जी के आगमन को समाज के लिए गौरव का अवसर बताया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

रेलवे क्रॉसिंग के पास तीन फीट गहरी खुली नाली में गिरे दूध विक्रेता, सिर पर गंभीर चोट से मौत

खुली नाली बनी मौत का जाल: दूध बांटने निकले संतोष यादव की दर्दनाक मौत

■ रेलवे की लापरवाही पर फूटा लोगों का गुस्सा

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा शहर में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। रोज की तरह घर-घर दूध पहुंचाने निकले सोमवारी बाजार निवासी संतोष यादव (55 वर्ष) की रेलवे क्रॉसिंग के पास तीन फीट गहरी खुली नाली में गिरने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक के साथ-साथ रेलवे प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार संतोष यादव बुधवार सुबह अपनी मोपेड से दूध वितरण के लिए निकले थे। रेलवे क्रॉसिंग के समीप उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी खुली नाली में जा गिरी। गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। आसपास मौजूद लोगों ने

तत्काल उन्हें बाहर निकालकर नवापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही गोबरा नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन फीट गहरी खुली नाली बनी काल

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां रेलवे के ठेकेदार द्वारा बनाई गई नाली लंबे समय से पूरी तरह खुली पड़ी है। न तो उस पर स्लैब लगाया गया है और न ही किसी प्रकार की सुरक्षा रेलिंग या बैरिकेडिंग की गई है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग इसी मार्ग से पैदल और दोपहिया वाहनों से गुजरते हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

रेलवे की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि रेलवे द्वारा बनाई गई नाली अधूरी और असुरक्षित छोड़ दी गई है। इसके साथ ही बारिश के पानी की उचित निकासी की व्यवस्था भी नहीं की गई। रेलवे लाइन के एक ओर स्थित शहर के कई वार्डों में हर बारिश में जलभराव की गंभीर स्थिति बन जाती है, जबकि दूसरी ओर स्थित गोबरा बस्ती का पानी भी इसी दिशा में बहकर आता है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद रेलवे अधिकारी इस समस्या के स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सुरक्षा इंतजाम की मांग तेज : संतोष यादव की मौत के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित विभाग तत्काल खुली नाली को स्लैब से ढंकने, सुरक्षा बैरिकेड लगाने और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह की त्रासदी का सामना न करना पड़े।

बेमचा के पनखटिया तालाब में जुआ फड़ पर पुलिस की रेड तीन जुआरी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम बेमचा स्थित पनखटिया तालाब के किनारे संचालित जुआ फड़ पर पुलिस ने मंगलवार रात छापेमार कार्रवाई करते हुए तीन जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 31,980 रुपये नकद, चार स्मार्टफोन तथा 11 मोटरसाइकिल समेत करीब 3.83 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की है। वहीं अंधेरे और अफरा-तफरी का फायदा उठाकर 10 आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बेमचा के पनखटिया तालाब के किनारे 52 पत्ती ताश पर रुपये का दांव लगाकर हार-जीत का जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने टीम गठित कर मौके की घेराबंदी की और जुआ फड़ पर दबिश दी। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से जुआरियों में भगदड़ मच गई। अंधेरे का लाभ उठाकर इन्द्रा, संदीप, पूनाराम सहित 10 आरोपी फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए सालिक राम चंद्राकर, राजकुमार निषाद और दीपक चंद्राकर को मौके पर ही पकड़ लिया।

अवैध शराब एवं अधिक दर पर मदिरा विक्रय के विरूद्ध आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। आबकारी आयुक्त पदुम सिंह एल्मा के निर्देश के तारतम्य में कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं जिला आबकारी अधिकारी निधीश कोष्टी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम के द्वारा पलारी क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में 23500 रुपए के 235 पाव देशी मदिरा जब्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को ग्राम दतान में आरोपी सागर यादव एवं अजय ध्रुव को स्वयं के स्कूटी से 200 नग देशी मदिरा मसाला अवैध परिवहन करते हुये पकड़ा गया। वहीं दो अन्य आरोपी थानू राम वर्मा से 15 पाव देशी मदिरा मसाला एवं पीताम्बर वर्मा से 20 पाव देशी मदिरा मसाला जब्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (ख) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित समस्त मदिरा दुकानों से ग्राहको को सही दर पर मदिरा प्राप्त हो सके इसे सुनिश्चित् करने हेतु दुकानों का जांच अभियान भी चलाया गया। रोहांसी स्थित मदिरा दुकान में स्थानीय जनप्रतिनिधि से प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये अधिक दर पर शराब बिक्री करने वाले कर्मचारी के विरूद्ध प्रकरण कायम किया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम, दिनेश कुमार साहू, सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चातुर्मास 2026 में तपस्या का क्रम,अनमोल बैद के आठ उपवास, संघ द्वारा बहुमान

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। स्थानीय श्वेताम्बर जैन मंदिर प्रांगण में चातुर्मासिक आराधना क्रम सतत गतिमान है। प्रतिदिन पूज्य भव्य मुनि का आध्यात्मिक प्रवचन प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक हो रहा है। श्रद्धालुगण लाभ उठा रहे हैं।

पूज्य मुनि की प्रेरणा से संघ में तपस्या का क्रम जारी है। प्रतिदिन आयंबिल एवं समवेत शिखर तप की तपस्या सानंद चल रही है। आज अनमोल बैद ने उत्कृष्ट संयम का परिचय देते हुए 8 उपवास की तपस्या सानंद पूरी की। उन्होंने पूज्य म. सा. से आशीर्वाद लिया। संघ की तरफ से आप का बहुमान समवेत शिखर तपस्वी संपत दुग्गड़ एवं संघरत्न गौतम पारख ने किया।

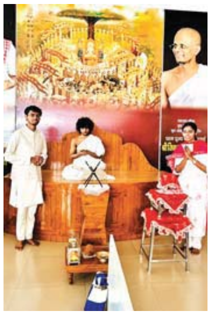

अनमोल बैद ने कहा कि दो माह पूर्व से तपस्या का भाव था। सौभाग्य से नगर में दो-दो चातुर्मास का अवसर प्राप्त हुआ है। देव गुरु धर्म की कृपा से मेरा संकल्प पूरा हुआ। आपकी बहिन अंजलि बैद भी इस तपस्या की ओर अग्रसर है।

उपस्थित धर्म प्रेमी बंधुओ नर जय जयकारा लगाते हुए तपस्वी के तप की अनुमोदना की। संघ प्रार्थना का लाभ चन्द्रकुमार बैद इस अवसर पर तपस्वी परिवार ने लिया।

मकान बनाने का सपना देख रहे लोगों को मिला भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र

धमधा/नवप्रदेश। 05 अगस्त को नगर पंचायत धमधा के सभाकक्ष में गरिमामय कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) के अंतर्गत लाभान्वित 61 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य पात्र नागरिकों को उनके सपनों का पक्का मकान वैध और सुगम तरीके से बनवाने के लिए प्रोत्साहित करना है ।

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता प्रशांत अग्रवाल व उपाध्यक्ष बृजेंद्र दानी व पार्षदगण एवं निकाय के कर्मचारी उपस्थित रहे । अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा की शासन की मंशा है, कि हर बेघर परिवार को सुरक्षित और सुसज्जित आवास उपलब्ध कराया जाए भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र मिल जाने से अब हितग्राही बिना किसी कानूनी बाधा के अपने आवास का निर्माण कार्य शुरू कर सकेंगे । प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरो पर खुशी साफझलक रही थी । उन्होंने शासन, प्रशासन और नगर पंचायत धमधा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रमाण पत्र के मिलने से उनका पक्का मकान बनाने का सपना अब वास्तविकता में बदलने जा रहा है ।

बलौदाबाजार में मिलेगी घर-घर पीएनजी रसोई गैस सुविधा

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। महानगरों की तर्ज पर अब बलौदाबाजार जिले के निवासियों को भी रसोई गैस सिलेंडरों के झंझट से मुक्ति मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा सिटी गैस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। आने वाले दिनों में जिलेवासियों को सीधे पाइपलाइन के जरिए सुरक्षित और निर्बाध प्राकृतिक गैस पीएनजी की आपूर्ति मिलेगी।

इस परियोजना की प्रगति को लेकर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को जिला कार्यालय में एचसीजी रायपुर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

चेतावनी: खाद्य विभाग की बैठक में निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध की दी जानकारी, जल्द चलेगा विशेष जांच अभियान

महासमुंद में एनालॉग पनीर पर कसा शिकंजा, कारोबारियों को सख्त चेतावनी

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने एनालॉग पनीर तथा अन्य प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई निर्माता, डेयरी संचालकों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं तथा वितरकों की बैठक आयोजित कर राज्य शासन के निर्देशों से अवगत कराया गया।

बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राज्य शासन द्वारा एनालॉग पनीर एवं अन्य प्रतिबंधित एनालॉग उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, विक्रय तथा

खाद्य पदार्थों में उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। सभी खाद्य कारोबारियों को तत्काल प्रभाव से ऐसे उत्पादों का उपयोग एवं व्यापार पूरी तरह बंद करने तथा केवल मानक अनुरूप एवं विधिसम्मत खाद्य पदार्थों का ही उपयोग और विक्रय करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य विभाग ने कारोबारियों को यह भी निर्देशित किया कि खाद्य सामग्री केवल अधिकृत एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खरीदी जाए। प्रत्येक खरीद का बिल, टैक्स इनवॉइस तथा स्टॉक का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए, ताकि निरीक्षण के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकें। होटल, रेस्टोरेंट एवं मिठाई प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे पनीर के स्रोत का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने तथा किसी भी संदिग्ध या प्रतिबंधित उत्पाद का भंडारण या विक्रय नहीं करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान सभी खाद्य कारोबारियों से शासन के प्रतिबंध का पालन करने संबंधी स्वघोषणा-पत्र भी प्राप्त किया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि आने वाले दिनों में जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई प्रतिष्ठान, डेयरियां, कोल्ड स्टोरेज, थोक विक्रेताओं एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का जोखिम आधारित निरीक्षण किया जाएगा। आवश्यक होने पर खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाएगा। जांच के दौरान यदि कहीं प्रतिबंधित एनालॉग उत्पाद पाए गए तो संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभिहित अधिकारी उमेश वर्मा ने सभी खाद्य कारोबारियों से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासन के निर्देशों का पूर्ण पालन करने की अपील की। उन्होंने आम नागरिकों से भी आग्रह किया कि यदि कहीं प्रतिबंधित एनालॉग उत्पादों के निर्माण, विक्रय अथवा उपयोग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने से पूर्व 15 अक्टूबर तक सुझाव आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों को संविधान के एक समान दायरे में लाने के उद्देश्य से एक विशेष 5-सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

इस समिति ने अब आम जनता, विभिन्न संगठनों और हितधारकों से सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं, ताकि यह तय किया जा सके कि राज्य में आने वाला नया कानून कैसा होना चाहिए।

जुआ फड़ में राजिम पुलिस का छापा, 6 जुआरी गिरफ्तार

■ **नगद समेत मोबाइल-ताश की गड्डी जब्त**

राजिम/नवप्रदेश। राजिम पुलिस ने जुए के फड़ पर छापा मार कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से छह जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 लाख 18 हजार 600 की मशरूका जब्त की है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

जानकारी के अनुसार गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देश पर जिलेभर में अवैध नशे, जुआ और सट्टे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को थाना राजिम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तरीघाट में खुले स्थान पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और जुआ खेलते हुए छह लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम भोला वर्मा (36), संतोष साहू (39), लीलाराम मारकण्डे (39), संतोष यादव (45), गजेश साहू (37) और गुलाब साहू (40) निवासी ग्राम तरीघाट थाना राजिम जिला गरियाबंद बताए। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 78,600 नगद, चार मोबाइल फोन (कीमत लगभग 40,000) तथा 52 पत्तों की एक ताश की गड्डी बरामद कर कुल 1,18,600 का मशरूका जब्त किया।

पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक प्रक्रिया की गई। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध जुआ, सट्टा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय सैनिकों के लिए लोहरसी की छात्राओं ने भेजीं 150 राखियां, देशभक्ति और सम्मान का दिया संदेश

कोपरा/नवप्रदेश। गरियाबंद जिला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के बच्चों ने सीमा पर दिन-रात देश की सुरक्षा में तैनात भारतीय सैनिकों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से लोहरसी स्कूल की छात्राओं ने एक प्रेरणादायक पहल की। रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर छात्राओं ने अपने हाथों से तैयार एवं स्नेहपूर्वक सजी हुई 150 राखियां भारतीय सैनिकों को भेजी। इस अनूठे प्रयास ने विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल बना दिया और सभी ने जवानों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की। विद्यालय की छात्राओं ने कहा कि देश के सैनिक अपने परिवार से दूर रहकर सीमाओं की रक्षा करते हैं। ताकि देशवासी सुरक्षित जीवन जी सके। ऐसे वीर जवानों के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने का इससे बेहतर अवसर रक्षाबंधन का पर्व नहीं हो सकता।राखियों के साथ छात्राओं ने शुभकामना संदेश भी भेजे। जिनमें सैनिकों के उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु और सुरक्षित रहने की कामना की गई। विद्यालय प्राचार्य रवि शंकर अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जिम्मेदारी और सैनिकों के त्याग एवं बलिदान के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ राखियां तैयार की और उन्हें आकर्षक ढंग से पैक कर भारतीय सेना तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भारतीय सेना के योगदान और देश की सुरक्षा में उनके अद्वितीय बलिदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सैनिक कठिन परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। ऐसे वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम की स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी सराहना की। उनका कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा भावना का विकास करती हैं। छात्राओं की इस पहल ने यह संदेश दिया कि देश के सैनिक अकेले नहीं हैं। बल्कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। रक्षाबंधन के अवसर पर भेजी गई इन 150 राखियों के माध्यम से लोहरसी स्कूल की छात्राओं ने भारतीय सैनिकों के प्रति अपने स्नेह सम्मान और विश्वास को व्यक्त करते हुए उन्हें यह संदेश दिया कि देश की हर बहन अपने वीर जवान भाइयों की सलामती और विजय की कामना करती है।

प्रभावित गांवों से धीरे-धीरे पलायन कर रहे लोग, नष्ट हो रही खेती की जमीन

सीपत थर्मल प्लांट का असर, बढ़ती गर्मी, राख और प्रदूषण से जूझ रहे आसपास के गांव

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के सीपत स्थित एनटीपीसी ताप विद्युत परियोजना के शुरू होने के बाद बिलासपुर के अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वर्ष 2009 में जिले का अधिकतम तापमान 33.29 डिग्री था। वहीं 2012-13 में बढ़कर 47 डिग्री हो गया और 2025-26 में पारा 45 डिग्री पार हो गया था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार वर्ष 2019 में जिले का तापमान 49 डिग्री दर्ज किया गया। क्षेत्र में बढ़ती गर्मी, राख के प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि भारतीय मौसम विभाग या किसी सरकारी एजेंसी ने अब तक यह आधिकारिक रूप से नहीं कहा है कि एनटीपीसी सीपत के कारण बिलासपुर का तापमान निश्चित रूप से कितने डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। इसके बावजूद स्थानीय ग्रामीणों के अनुभव, मौसम के उपलब्ध आंकड़े और पर्यावरणीय परिस्थितियां के अनुसार एनटीपीसी के बारे में तापमान लगातार बढ़ते जा रहा है।

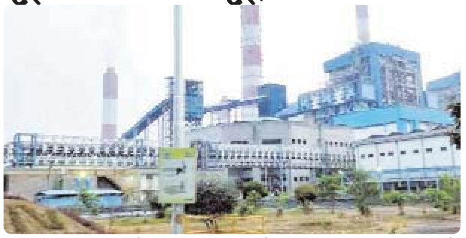

करीब 24 वर्ष पहले वर्ष 2000-01 के आसपास शुरू हुई एनटीपीसी सीपत परियोजना वर्तमान में 2980 मेगावाट क्षमता से संचालित है। संयंत्र के आसपास बसे देवरी, कौड़िया, दररभाठा सहित लगभग 15 गांवों के ग्रामीण वर्षों से राख उड़ने, गर्म हवा चलने और प्रदूषण की शिकायत करते रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मियों के दौरान राख की परत घरों, खेतों और सड़कों तक पहुंच जाती है। इसके कारण सांस संबंधी बीमारियां, एलर्जी, आंखों में जलन जैसी समस्याएं बढ़ी हैं। कई परिवारों का दावा है कि युवा रोजगार और बेहतर वातावरण की तलाश में गांव छोड़ने लगे हैं।

मौसम विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बिलासपुर का औसत अधिकतम तापमान लगभग 32.17 डिग्री सेल्सियस है, जबकि वर्ष 2019 में रिकॉर्ड अधिकतम तापमान 49.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जिले के अधिकतम तापमान में प्रतिवर्ष लगभग 0.0135 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का दीर्घकालिक रुझान देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली गर्म हवा, राख और कोयले के दहन से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड स्थानीय पर्यावरण को प्रभावित कर सकते हैं।

सांस लेने में परेशानी, एलर्जी, आंखों में जलन

सीपत ताप विद्युत परियोजना के आसपास बसे कई गांवों के लोगों का कहना है कि गर्मियों में राख उड़ने की समस्या सबसे अधिक परेशान करती है। ग्रामीणों के अनुसार तेज हवा चलने पर राख घरों, खेतों और जल स्रोतों तक पहुंच जाती है। लोगों का दावा है कि इससे सांस लेने में परेशानी, एलर्जी, आंखों में जलन और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ी हैं। उनका यह भी कहना है कि गर्म हवा और राख के कारण सामान्य गर्मी की तुलना में अधिक उमस महसूस होती है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि खेती पर भी असर पड़ रहा है और युवा बेहतर वातावरण की तलाश में अन्य स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

एनटीपीसी के लिए चुनौती

पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाया जाना आवश्यक है। कंपनी को नई एयूएससी तकनीक के माध्यम से संयंत्र की दक्षता लगभग 46 प्रतिशत तक बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन में 10 से 15 प्रतिशत तक कमी लाने की दिशा में कार्य करना होगा। इसके अलावा ताजे पानी की बचत के लिए सीवरेज ट्रीटेड पानी के उपयोग की योजना को भी लागू करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे प्रयास पर्यावरणीय प्रभाव कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर तापमान, प्रदूषण, स्वास्थ्य और कृषि पर वास्तविक असर जानने के लिए स्वतंत्र वैज्ञानिक अध्ययन, सतत निगरानी और पारदर्शी आंकड़ों की आवश्यकता है। इससे स्थानीय लोगों की चिंताओं का तथ्यात्मक समाधान संभव हो सकेगा और भविष्य की पर्यावरणीय नीतियां अधिक प्रभावी बन सकेंगी।

संक्षिप्त खबरें

सतनामी समाज ब्लाक स्तरीय बैठक 9 को

नगरी/नवप्रदेश। विकासखड के ग्राम डीहिपारा पेट्रोल पम्प स्थत नगरी गुरु घासीदास मंदिर प्रगण मे सतनामी समाज ब्लाक के स्तरीय बैठक 09 अगस्त दिन रविवार को बैठक आयोजित की जाएगी ईस संबध मे जानकारी देते हुए सतनामी समाज ब्लाक नगरी के अध्यक्ष विष्णूकुमार टंडन सचिव घनानंद सोनवानी कोषाअध्यक्ष भगत मनहरे उपअध्यक्ष नदलाल कश्यप योगेश भट्ट एंव मीडीया प्रभारी सीएस गहने ने बताया की बैठक में समाज के सभी सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है बैठक का उदेश्य समाज में संगठनात्मक मजबूती सामाजिक एकता एंव विकास के लिए आवश्यक दिशा निर्देश तय करना है पदधिकारीयो ने सभी सामाजिक सदस्यो से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संगठन के हित में रचनात्मक सुझाव देने की अपील की है

डॉक्टर खूबचंद बघेल जयंती एवं छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह 9 को

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्नदृष्टा , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक, साहित्यकार तथा कृषक नेता डॉ खूबचंद बघेल जयंती व छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज भाटापारा के द्वारा 9 अगस्त रविवार को किया जाएगा,इस अवसर पर समाज के युवाओं के द्वारा रक्तदान शिविर तथा डॉक्टर जे के आड़िल हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क शुगर जांच, सिकिलिंन जांच एवं बीपी जांच का आयोजन कार्यक्रम स्थल कुर्मी बोर्डिंग में किया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप होंगे अध्यक्षता अर्जुनी राज प्रधान हरिराम वर्मा करेंगे ।यह जानकारी नगर प्रमुख दीपक टिकरिहा ,संरक्षक सेवाराम वर्मा ,वार्ड प्रमुख रमेश वर्मा (सी) एवं रमेश वर्मा (के) ने दी है। आयोजकों ने समाज के सभी लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

कांग्रेस की मासिक बैठक आज कड़ार में

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में फार्म भरने का अभियान जारी किया गया है। जिसके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करने हेतु आज 6 अगस्त गुरुवार को दोपहर 12:00 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण की बैठक ग्राम कड़ार में आहूत की गई है।बैठक में जिला अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा घृतलहरे भाटापारा ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी सुनील साहू उपस्थित रहेंगे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष अमर मंडावी ने उक्त जानकारी देते हुए विधायक,निगम मंडल आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्यगण ब्लाक काँग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण प्रदेश कांग्रेस,ज़िला कांग्रेस,महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एन.एस.यू.आई ,किसान काँग्रेस, मछुवारा कांग्रेस,आदिवासी कांग्रेस,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ,इंटक काँग्रेस, सेवादल, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, गोठान समिति ,सोसायटी पदाधिकारी,राजीव गांधी युवा मितान क्लब,बूथ,सेक्टर, मंडल अध्यक्ष पंच,सरपंच, जनपद ,ज़िला पंचायत सदस्य, संगठन के पूर्व पदाधिकारी पूर्व पार्षदगण सहित समस्त वरिष्ठ कांग्रेसजनों से बैठक में शामिल होने की अपील की है।

शिवांशी केसरवानी बनीं बलौदाबाजार जिले की प्रथम कमर्शियल पायलट

बलौदाबाजार/नवप्रदेश।शिवांशी केसरवानी ने कामर्सियल पायलेट की लायसंस प्राप्त कर बलौदाबाजार नगर की प्रथम कमर्शियल पायलट बनने का गौरव हासिल किया है। कैप्टन शिवांशी ने अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के सैक्रामेंटो स्थित एडवांस एवाशन सेन्टर से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलतापूर्वक कमर्शियल पायलट लाइसेंस अर्जित किया। इसके बाद वे अब कैप्टन शिवांशी केसरवानी के नाम से जानी जाएँगी। विदेश में प्रशिक्षण से पूर्व उन्होंने मुंबई स्थित एक एविएशन प्रशिक्षण संस्थान में लगभग एक वर्ष तक वेदर, टेकऑफ लैंडिंग, फ्लाइट सेफ्टी एवं अन्य तकनीकी विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिवांशी नितेश एवं भावना केसरवानी की सुपुत्री हैं। उनकी इस सफलता का श्रेय उनके दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम, परिवार के सहयोग तथा ईश्वर की असीम कृपा को दिया जा रहा है। उनकी इस उपलब्धि पर केसरवानी समाज, नगर के गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने कैप्टन शिवांशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लोक कलाकारों से प्रोत्साहन राशि हेतु 31 तक आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना अंतर्गत राज्य के नृत्य-संगीत, लोक नाट्य, लोकगाथा, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र वादक, शिल्प कलाकार, छत्तीसगढ़ी पाक कला (पारंपरिक व्यंजन) तथा छत्तीसगढ़ी सौंदर्यकला (श्रृंगार) से जुड़े कलाकार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे।

आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, नया रायपुर स्थित कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।प्रविष्टियां प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भेजते समय लिफाफे पर ÷मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026÷ स्पष्ट रूप से अंकित करना आवश्यक होगा। प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण समिति द्वारा किया जाएगा तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। योजना के तहत पात्र कलाकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा की आत्मीय भेंट

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विकास, जनकल्याण, अधोसंरचना, महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के अभिशाप से मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अपनाई गई दृढ़ इच्छाशक्ति, प्रभावी रणनीति एवं सुरक्षा बलों के मनोबल को सशक्त बनाने वाले नेतृत्व के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग की ओर अग्रसर है।

भेंट के दौरान सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के सहज, सरल, विनम्र एवं आत्मीय व्यक्तित्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ÷इतने बड़े पद पर आसीन होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक जनप्रतिनिधि से अत्यंत

आत्मीयता और अपनत्व के साथ मिलते हैं। उनका सादगीपूर्ण व्यवहार, संवेदनशीलता और प्रेरणादायी व्यक्तित्व प्रत्येक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि को राष्ट्रसेवा के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है।

सांसद श्रीमती वर्मा ने प्रधानमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन और आशीर्वाद के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेंगी।यह आत्मीय भेंट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, जनसेवा के प्रति समर्पण तथा विकसित भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही।

पुस्तक वितरण के नाम पर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में समय से पहले छुट्टी

जिम्मेदार शिक्षकों पर होगी प्रशासनिक कार्रवाई

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकासखंड के ग्राम पंचायत झुझराकसा स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में बुधवार को पुस्तक वितरण के नाम पर निर्धारित समय से पहले विद्यार्थियों की छुट्टी किए जाने का मामला सामने आया है। दोपहर लगभग 3 बजे विद्यालय पहुंचने पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं घर लौटते हुए दिखाई दिए। विद्यार्थियों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि शिक्षकों द्वारा छुट्टी दिए जाने के कारण वे घर जा रहे हैं।मौके पर मौजूद शिक्षकों ने बताया कि नई पाठ्यपुस्तकों को लेने जाना था, इसलिए विद्यालय की छुट्टी निर्धारित समय से पहले कर दी गई।ग्राम पंचायत झुझराकसा के सरपंच ने बताया कि विद्यालयों में शिक्षकों की समय-समय पर अनुपस्थिति की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष

जांच कर लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कलीराम साहू ने कहा कि पुस्तक वितरण के नाम पर पूरे विद्यालय की समय से पहले छुट्टी करना विभागीय निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यालयों को पहले ही निर्देशित किया गया था कि पुस्तकें लेने के लिए केवल एक शिक्षक जाएगा तथा विद्यालय का संचालन नियमित रूप से जारी रहेगा।

सरस्वती शिशु मंदिर धमधा में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया

धमधा/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतम माध्यमिक विद्यालय धमधा में महर्षि वेदव्यास जी की जयंती गुरु पूर्णिमा उत्सव के रूप में हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि त्रिमूर्ति महामाया शिक्षण समिति के संस्थापक सदस्य गजेंद्र पुरी गोस्वामी एवं सहयोगी राजेश कुमार साहू व्याख्याता एवं जैन महिला मंडल के अध्यक्ष माहेश्वरी गोस्वामी एवं सदस्यों के द्वारा सरस्वती माता ओम व भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेंद्र पुरी गोस्वामी जी द्वारा गुरु पूर्णिमा की पावन पर्व पर गुरु महिमा के संबंध में मार्गदर्शन करते हुए सभी आचार्य परिवार एवं भैया बहनों को संबोधित किया गया।

10 को विस स्तरीय भव्य कांवड़ यात्रा निकलेगी विधायक रोहित साहू ने की तैयारियों की समीक्षा

गरियाबंद/राजिम/नवप्रदेश। सावन माह के पावन अवसर पर 10 अगस्त, सोमवार को आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय भव्य कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर आज राजिम विधायक रोहित साहू ने सामाजिक पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में यात्रा को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

विधायक रोहित साहू ने बताया कि कांवड़ यात्रा का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे फनीकेश्वरनाथ महादेव मंदिर, फिंगेश्वर में पूजा-अर्चना के साथ होगा। इसके पश्चात श्रद्धालु पदयात्रा करते हुए प्रातः 11:00 बजे ग्राम बोरसी पहुंचेंगे, जहां अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। इसके बाद यात्रा दोपहर 1:00 बजे ग्राम कोमा पहुंचेगी, जहां चाय-नाश्ते के उपरांत यात्रा आगे बढ़ेगी। यात्रा 2:00 बजे राजिम नगर में प्रवेश कर शिवाजी चौक, सुंदरलाल शर्मा चौक, महामाया चौक, राजिमलोचन मंदिर होते हुए लक्ष्मण झूला के मार्ग से कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की जाएगी। विधायक रोहित साहू ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

संभागीय सरस मेला बना महिला समूह के लिए आम जनता तक पहुंचने का उत्कृष्ट माध्यम

- महज तीन दिन में 4 लाख 51 हजार रुपए से अधिक का हुआ व्यापार
- आकर्षक एवं दैनिक उपयोग की सामग्रियां बनी आकर्षण का केंद्र

कवर्धा/नवप्रदेश। भोरमदेव मंदिर ग्राम चौरा में आयोजित 5 दिवसीय संभागीय सरस मेले को लोगो का अच्छा साथ मिला है। महज तीन दिन में ही महिला समूह द्वारा बनाए गए उत्पादनों कि लोगों ने जमकर खरीदी की है। ?400000 से अधिक की सामग्री बेचकर ग्रामीण महिलाओं ने अपने हुनर का लोहा एक बार फिर साबित किया है। जैविक खाद्य सामग्री, आकर्षक घरेलू सजावटी सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं ने लोगों का मन मोह लिया। यही कारण है कि मेले में आए लोगों ने महिला समूह द्वारा निर्मित सामग्रियों की तारीफ की और उसे हाथों-हाथ खरीदा।

सरस मेला में हुए व्यापार के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि संभागीय सरस मेला राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की दीदियों को अपने उत्पादन आम जनता तक लाने के लिए एक सार्थक मंच है। दुर्ग संभाग के सभी जिलों के साथ अन्य स्थानों से आई महिला समूह के सदस्यों ने भव्य प्रदर्शनी लगाई तथा अपने उत्पादनो के बारे में आम जनता को पूरी जानकारी दी। मेले में अभी तक 3550 से अधिक लोगों ने 4 लाख 51000 रुपए से अधिक की खरीदी की है। यह हर्ष का विषय है कि कबीरधाम जिलेवासियों को यह आयोजन बहुत पसंद आया। लोगों की खरीदी से ग्रामीण महिला उद्यमियों का हौसला बढ़ा है तथा वह आजीविका के रास्ते पर नए आयाम स्थापित करेंगी। पॉपकॉर्न के स्टाल में लगभग ?15000 से अधिक की खरीदी हुई है, दुर्ग जिले से हैंडलूम साड़ी का व्यवसाय भी लगभग ?20000 से अधिक का हो चुका है। ऐसे ही अन्य स्टालों में बड़ी मात्रा पर खरीदी बिक्री हुआ है।

उल्लेखनीय है कि संभागीय सरस मेले का आयोजन 2 अगस्त से 6 अगस्त तक भोरमदेव मंदिर के पास किया गया है। मेले में 50 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। प्रत्येक स्लॉट में अलग-अलग प्रकार की वस्तुएं जिसमें खाद्य सामग्री, दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं, कपड़े तथा हर आयु वर्ग के लोगों के लिए जरूरी सामान विक्रय के लिए उपलब्ध है। मेले में मिलने वाला सभी सामान उच्च गुणवत्ता के साथ बहुत ही कम दर पर मिल रहे हैं। यही कारण है कि लोगों ने इसे हाथों-हाथ पसंद किया है। विशेष कर जैविक खाद्य सामग्रियों को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। सरस मेला ऐसा मंच है जो ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। आप भी इस मेले में पहुंचकर इसका लाभ उठा सकते है।

न्यूज गैलरी

युवा मंच ने किया ज्ञानेश्वरी का सम्मान

राजनांदगांव दैनिक नव प्रदेश स्काटलैंड के ग्लासगो में आयोजित राष्ट्र मंडल खेलों में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर लौटने पर भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव का संस्कारधानी में जोशीला स्वागत किया गया। जय भवानी व्यायाम शाला में आयोजित समारोह में छात्र युवा मंच ने भी उनका सम्मान किया। शहर अध्यक्ष भव्य देवांगन की अगुवाई में छात्र युवा मंच की पूरी टीम ने पुष्प गुच्छ भेंटकर ज्ञानेश्वरी का सम्मान किया और भविष्य में देश के लिए ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ज्ञानेश्वरी के स्वजन के अलावा महापौर मधुसूदन यादव, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, कोमल राजपूत, एसपी अंकिता शर्मा, आइपीएस शशि मोहन सिंह, समाजसेवी अंजुम अल्वी भी उपस्थित थे।

भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणित सामग्री का ही करें क्रय: कलेक्टर के निर्देश

बेमेतरा/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा राजपत्र के माध्यम से जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्वालिटी कंट्रोल आर्डर - QCO) के अनुपालन में जिला बेमेतरा के समस्त शासकीय विभागों को सामग्री क्रय में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, जिला बेमेतरा अंतर्गत संचालित सभी विभाग किसी भी प्रकार की सामग्री, उपकरण अथवा उत्पाद का क्रय करते समय भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रमाणित सामग्री का ही क्रय सुनिश्चित करेंगे। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के अंतर्गत अधिसूचित उत्पादों के लिए निर्धारित भारतीय मानकों का पालन अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा क्रय से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी प्रकार की सामग्री की खरीद से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित उत्पाद पर भारतीय मानक ब्यूरो का वैध प्रमाणन उपलब्ध हो। गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सामग्री का उपयोग न केवल कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा, बल्कि सार्वजनिक धन के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग को भी बढ़ावा देगा। सभी विभागों से अनुरोध किया गया है कि भारत सरकार के गुणवत्ता नियंत्रण आदेश का अक्षरशः पालन करते हुए केवल मानक एवं प्रमाणित सामग्री का ही क्रय करें तथा क्रय प्रक्रिया में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।

अगस्त माह में शैक्षणिक संस्थानों में होंगे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

बेमेतरा/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले के समस्त विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं उच्च शैक्षणिक संस्थानों में गठित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से अगस्त 2026 के दौरान व्यापक मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी संबंधित शैक्षणिक संस्थानों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार, स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा नए मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का संचालन संबंधित संस्थानों में गठित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के नोडल अधिकारी एवं क्लब के सदस्यों के माध्यम से किया जाएगा। निर्देशों में कहा गया है कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों में नियुक्त कैम्पस एम्बैसडर तथा प्रोफेसर नोडल अधिकारी की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

वैज्ञानिक तकनीकों से होगी सटीक जांच

कबीरधाम जिला पुलिस के विवेचना अधिकारियों को मिला विशेष प्रशिक्षण

कवर्धा/नवप्रदेश। अपराधों की जांच को और अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कबीरधाम पुलिस ने बुधवार को फिंगरप्रिंट एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। एकता चौक स्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में हुए प्रशिक्षण में जिले के सभी थाना एवं चौकी के विवेचना अधिकारी, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक शामिल हुए।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ धर्मेंद्र कुमार भारती ने अधिकारियों को घटनास्थल से चांस फिंगरप्रिंट सुरक्षित करने, वैज्ञानिक साक्ष्यों के संरक्षण, फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट के उपयोग तथा साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण की व्यावहारिक जानकारी दी।

प्रशिक्षण में एनएएफआईएस, एमसीयू सहित आधुनिक वैज्ञानिक जांच प्रणालियों के उपयोग पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों का सही तरीके से संरक्षण और तकनीकी संसाधनों का उपयोग करने से अज्ञात आरोपियों की पहचान और अपराधों के खुलासे में तेजी लाई जा सकती है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने कहा कि वर्तमान समय में वैज्ञानिक साक्ष्य अपराध अनुसंधान की सबसे मजबूत कड़ी बन चुके हैं। इसलिए प्रत्येक विवेचना अधिकारी को आधुनिक तकनीकों में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को दैनिक विवेचना कार्य में अपनाने पर जोर दिया।

कार्यशाला के समापन पर वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी धर्मेंद्र कुमार भारती को स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में एमसीयू प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक चन्द्रभूषण सिंह, प्रधान आरक्षक मनीष सोनी, एनएएफआईएस प्रभारी चेतक नाथ योगी तथा आरक्षक यशवंत तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले के सभी थाना-चौकी के विवेचना अधिकारी हुए शामिल
फिंगरप्रिंट, NAFIS और स्ट सिस्टम पर मिला प्रशिक्षण
वैज्ञानिक साक्ष्यों के बेहतर उपयोग से अपराधों के खुलासे में आएगी तेजी
घटनास्थल से साक्ष्य सुरक्षित रखने और तकनीकी जांच पर दिया गया विशेष जोर ।

पालिका प्रशासन पर गडबड़ी छिपाने का लगाया आरोप

सीसी सडक़ निर्माण की शिकायत कलेक्टर से स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

खैरागढ़/नवप्रदेश। इतवारी बाजार के रावणभाठा में लगभग 29 लाख रुपये की लागत से बन रही सीसी सडक़ को लेकर जारी विवाद के बाद कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप निर्माण कार्य की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है । पालिका द्वारा कराए जा रहे निर्माण मे भ्रष्टाचार और गुणवत्ताहीन कार्य का आरोप लगाते शहर कांग्रेस ने रविवार को मौके पर प्रदर्शन किया था । खबरो के बाद सोमवार को आनन फानन मे पालिका अधिकारियो की टीम ने मौके पर जाकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता परखी और इसे तकनीकी मानको के अनुरूप बताते निर्माण कार्य जारी रखने के आदेश दिए थे । कांग्रेस मामले मे गुणवत्ता की अनदेखी का आरोप लगाकर कलेक्टर से जांच कराने की मांग दोहराई है । कांग्रेस ने चेतावनी देते कहा कि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो उग्र आंदोलन होगा। कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस ने कहा कि सडक़ निर्माण में टेंडर और प्राक्कलन के अनुसार तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। निर्धारित मोटाई में जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) बिछाकर रोलर से समतलीकरण करने के बजाय केवल नाममात्र की बारीक गिट्टी डालकर औपचारिकता निभाई जा रही है। बेस निर्माण भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा, जिससे सडक़ की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रावणभाठा शहर का सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, जहां हर वर्ष जलभराव होता है। ऐसे में यदि निम्न गुणवत्ता से सडक़ बनाई गई तो भविष्य में सडक़ के क्षतिग्रस्त होने और शासकीय धन की हानि की पूरी आशंका है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने कहा कि निर्माणाधीन सीसी सडक़ भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। इस मामले की शिकायत संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन दुर्ग , निदेशक, नगरीय प्रशासन विभाग रायपुर से की गई है। अब कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपकर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की गई है।

संत रविदास समाज को सीएम साय का बड़ा सम्मान : आशीष डोंगरे

राजनांदगांव / नव प्रदेश। लखोली वार्ड क्रमांक 36 के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री आशीष डोंगरे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं का स्वागत करते हुए इसे अनुसूचित समाज और संत परंपरा के सम्मान में ऐतिहासिक निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संत रविदास के विचारों को सम्मान देने के साथ-साथ पूरे समाज की भावनाओं का आदर किया है।

शासकीय आईटीआई बेमेतरा में दो दिवसीय 'नव कौशल पथ-नई राह, नया हुनर' प्रवेशोत्सव कार्यशाला संपन्न

- नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का तिलक एवं पुष्प भेंट कर स्वागत

बेमेतरा/नवप्रदेश। स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), बेमेतरा में 3 एवं 4 अगस्त 2026 को 'नव कौशल पथङ्कनई राह, नया हुनर' कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय प्रवेशोत्सव कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था।कार्यशाला के प्रथम दिवस 3 अगस्त को संस्था प्रमुख ज्योति भगत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन, गुणवत्ता एवं कौशल विकास के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को सीटीएस नियमावली, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना, प्रैक्टिकल एवं सीबीटी परीक्षा प्रणाली, तथा राज्य में संचालित पीपीपी एवं आईएमसी जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार एवं कैरियर निर्माण की संभावनाओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

द्वितीय दिवस 4 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रमन कुमार अग्रवाल, अग्रसेन कांक्रीट प्रोडक्ट्स, बेमेतरा रहे।

नाम परिवर्तन

मैं गोपाल यादव (पिता का नाम) पिता श्री सीताराम यादव, निवासी मकान नं.-47, वार्ड नं.-04 त्रिमूर्ति चौक भलेरा तहसील आरंग जिला-रायपुर छ.ग. एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करती हूं:-

(1)- मैं निवासी मकान नं. -47, वार्ड नं.-04 त्रिमूर्ति चौक भलेरा तहसील आरंग जिला- रायपुर छ.ग. की स्थायी निवासी हूं।

(2)- मैं अपने नाबालिग पुत्र का नाम आशीष यादव से बदलकर मुकेश कुमार करवाना चाहता हूं।

(3)- मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिये मैं पूर्णतः स्वंय जिम्मेदार रहूंगा।

(4)- मेरी पत्नि संतोषी (पत्नि की नाम) को हमारे नाबालिग पुत्र के नाम बदलने में कोई आपत्ति नही है।

(4)- मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
गोपाल यादव

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

(द्वितीय आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
80/195203	S.R./Mow & Deposit Work of Residential & Non Residential Building at Arang Section No.-1, Under Sub Division No.-4 (Arang), Raipur (C.G.)	रू. 50.00 लाख
87/195204	Special Repair, M.O.W., Annual Repair Works for B1 & B2 Type Higher Residential Officer Bunglows at Sector-18 under PWD Navin Sub Division Sector- 18, Nava Raipur (C.G.)	रू. 99.99 लाख
89/195322	SR/Mow Work of Various Govt. Buildings of Kharora Section, Raipur (C.G.)	रू. 25.00 लाख
68/195390	Annual Repair & Ordinary Maintenance Work for B1 & B2 Type Bunglows of Higher Officers Residential of Sector-18 P.W.D. Navin Sub Division Nava Raipur (C.G.)	रू. 40.00 लाख
69/195393	Annual Repair & Ordinary Maintenance Work for Different C-Type of Buildings Under P.W.D. Engineering College Sub Division Nava Raipur (C.G.)	रू. 40.00 लाख
105/195957	S/R, MOW Work at B.Sc. Nursing College and Mahila Jail Section Under Construction Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
107/195958	S/R, MOW Work at Female & Male I.T.I. Section Under Construction Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
106/195959	S/R, M.O.W. Work for Residential and Non Residential Building at Kutchery Section Under Const. Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रू. 50.00 लाख
96/195960	SR, MOW and Deposit Work in Various Govt. Building at Siliyari Section No. 01 & 02, Raipur (C.G.)	रू. 35.00 लाख
108/195961	Balance Work for Construction of Guard Room (Double Story) & 2 Nos. Morcha at State Hangar Mana, Raipur Chhattisgarh.	रू. 76.63 लाख
110/195973	Construction of Rest House For Honorable Judges of Chhattisgarh High Court (Furniture Work) at Civil Lines, Raipur (C.G.)	रू. 90.76 लाख
117/196532	White Washing, Painting & Distempering in Science College Auditorium Building, Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख
118/196533	White Washing, Painting & Distempering Work in Various Govt. Buildings of Siliyari Section No- 01 & 02, Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख
99/196534	Special Repair Work of Various Road & Culverts of Vidhansabha Sub-Division, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
62/196537	Pot Holes, WMM Repair & other Maintenance Work to Various Roads Under Maintenance Sub-Division, Raipur	रू. 11.00 लाख
122/196540	White / Colour Washing of Various Residential and Non Residential Building Under Sub Div., Tilda-Neora, Block- Tilda, Distt.-Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.08.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्र. - 1, रायपुर (छ.ग.)

जी-262702586/8

कार्यालय संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771-2991574
ईमेल आईडी: eocghbzone03@gmail.com

// आम सूचना //

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डूमरतराई फेस-।, रायपुर में स्थित **ई. डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्र.-84, ब्लॉक-06, भू-तल (जी+3), (1) श्री लखमी चंद फब्यानी पिता श्री नेंवदमल फब्यानी पता:- उदय नगर, कांकेर, (छ.ग.) (2) श्री विलास सुतार, पिता श्री बी. डी. सुतार पता: डी./15 आंनद विहार गुल मोहर वाटिका के पास, महावीर नगर, न्यु पुरैना, रायपुर (छ.ग.)** स्वयं (मुख्त्यार आम) है इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 1009 दिनांक 03.02.2011 द्वारा स्वવित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। उक्त फ्लैट को लीजडीड दिनांक 25.06.2015 पंजीकृत कराने के उपरांत दिनांक 14.07.2020 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादन उपरांत उक्त फ्लैट को क्रेता श्री आनंद शर्मा, पिता- श्री राजेश शर्मा, निवासी- एच.आई.जी. फ्लैट नं. 110, ब्लॉक-05, हिमालयन हाईट्स, थोक सब्जी मण्डी के पास, डुमरतराई, रायपुर (छ.ग.) 492015 के पक्ष में दिनांक 11.10.2023 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्री आनंद शर्मा, पिता-श्री राजेश शर्मा,** द्वारा उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में आवेदन पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03,रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **33309** दिनांक **05.08.2026**
वार्ड का नाम- **52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651J0454B** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **RAMPRASAD PATLE** पिता / पति श्री/ श्रीमती **DHONDUJI PATLE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **ANUSUIYA** पिता /पति श्री/श्रीमती **SALIK RAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर कांकेर एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

(अधिसूचना धारा 19 भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013)

क्र./316/वा./ भू.अ./प्र.क्र./202205141400002/अ-82/2021-22
कांकेर, दिनांक 31/7/2026

चुंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि विकासखण्ड नरहरपुर के अन्तर्गत करियापहर-भजनालहरी मार्ग के किमी 3/6 नाला पर सेतुमय पहुंचमार्ग निर्माण कार्य अन्तर्गत 03 किसानों का कुल अर्जित भूमि 0.260 हे. निजी भूमि निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के तहत् यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन हेतु आवश्यकता है :-

अनुसूची

भूमि का वर्णन :-

जिला	-	उत्तर बस्तर कांकेर ।
तहसील	-	नरहरपुर
ग्राम/नगर	-	करियापहर / प.ह.न. 05
भूमि का क्षेत्रफल	-	कुल खसरा नंबर 03, रकबा 0.26 हे.

क्रमांक	खसरा नंबर	रकबा (हे.) में
1.	31	0.05
2.	30	0.17
3.	457/2	0.04
योग	कुल खसरा नंबर 03, रकबा 0.260 हे.	

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा) / भू-अर्जन अधिकारी, कांकेर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. प्रस्तावित भू-अर्जन में किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नही है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर)
कलेक्टर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर
एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-262702575/2

कांग्रेस आज से शहर में स्मार्ट मीटर के विरुद्ध चलाएगी जन जागरण अभियान

बड़े बकायादारों और शासकीय सेक्टरों से सरकार पहले करे वसूली : इन्द्र साव

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के आदेश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भाटापारा की बैठक संपन्न हुई। बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में फार्म भरने का जन अभियान जारी किया गया है। जिसके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करने हेतु 5 अगस्त को बैठक आहूत की गई।बैठक में झीरम घाटी के शहीद बस्तर टाइगर स्व. महेंद्र कर्मा जी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस जनों द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

विधायक इंद्र साव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार स्मार्ट मीटर के जरिये गरीब, मध्यम वर्ग के लोगों पर अनाप शनाप बिल भेज कर परेशान कर रही है,विभाग के अधिकारी बड़े बकायादारों ,शासकीय सेक्टरों से वसूली ना कर पी एम सूर्य घर योजना के प्रचार प्रसार में लगे है। विधायक ने बताया कि उन्होंने इस गंभीर जनहित के विषय को ध्यानाकर्षण में लगाया था और उसके जवाब में प्रदेश के मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री ने लिखित में जवाब देते हुए स्वीकार किया कि आज प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में 3117 करोड़ से ज्यादा की राशि और गैर शासकीय कनेक्शन से लगभग 2736 करोड़ से ज्यादा की राशि बाकी है ।विधायक ने कहा कि इतनी मोटी रकम वसूली के अपेक्षा विभागीय अधिकारी शासकीय सेक्टर से मात्र 249 करोड़ की राशि प्राप्त कर अपनी पीठ थपथपा रहे है। विधायक श्री साव ने मीडिया में आई खबर के बाद प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 771 करोड़,नगरीय निकाय के ऊपर 1589 करोड़,स्कूल शिक्षा विभाग पर 87 करोड़,ग्रह विभाग के ऊपर 41 करोड़ से ज्यादा का बकाया है,उस ओर विद्युत विभाग वसूली नहीं कर रहा है और तो और बड़े अधिकारियों रसूखदारों पर जिनका 1 लाख से ज्यादा बकाया है उन पर 1300 करोड़ बकाया है।

पिस्तौल की नोक पर शिक्षिका से लूटपाट

अमलेश्वर/नवप्रदेश। अमलेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बटंग में एक शिक्षिका के साथ पिस्तौल की नोक पर लूटपाट की घटना सामने आई है। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शिक्षिका जामगांव स्थित स्कूल से ई-रिक्शा के माध्यम से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान दो अज्ञात बाइक सवारों ने उन्हें रोककर पिस्तौल दिखाते हुए लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। सूत्रों के अनुसार घटना में शिक्षिका तथा ई-रिक्शा चालक दोनों घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना के बाद अमलेश्वर पुलिस सक्रिय हो गई है और आरोपियों की तलाश में क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। पुलिस आसपास के मार्गों और संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है। फिलहाल मामले की आधिकारिक पुष्टि एवं विस्तृत जानकारी पुलिस जांच के बाद सामने आने की संभावना है।

मैट्स विश्वविद्यालय में रॉक्स एंड मिनरल्स विषय पर विशेष व्याख्यान संपन्न

विद्यार्थियों ने जाना खनिज अन्वेषण एवं सतत् खनन का महत्व

रायपुर/नवप्रदेश। मैट्स विश्वविद्यालय के मैट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल एवं उद्योगोन्मुखी समझ को विकसित करने के उद्देश्य से ÷रॉक्स एंड मिनरल्स÷ विषय पर एक विशेष व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को भूविज्ञान, खनिज विज्ञान तथा आधुनिक खनन तकनीकों से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जोड़ सकें।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री ज्ञानेश्वर सिंह, भूवैज्ञानिक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में चट्टानों एवं खनिजों की उत्पत्ति, उनके वर्गीकरण, पहचान की वैज्ञानिक विधियों तथा विभिन्न प्रकार के खनिजों के औद्योगिक एवं आर्थिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किसी भी खनन परियोजना की सफलता के लिए भूवैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है तथा आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से खनिज संसाधनों का सटीक आकलन किया जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को आधुनिक खनिज अन्वेषण तकनीकों, भू-भौतिकीय एवं भू-रासायनिक सर्वेक्षण, रिमोट सेंसिंग तथा डिजिटल मैपिंग जैसी उन्नत प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में खनन उद्योग तेजी से तकनीक आधारित हो रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित एवं सतत् खनन की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया तथा कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित विकास का आधार बनेगा। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने चट्टानों की पहचान, खनिज अन्वेषण, खनन परियोजनाओं, रोजगार की संभावनाओं एवं भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से जुड़े अनेक तकनीकी प्रश्न पूछे। आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में मुख्य वक्ता ने सभी प्रश्नों का सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से उत्तर देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को और अधिक समृद्ध बनाया।

पेज 1 का शेष...

खैरागढ़ संगीत विवि बना...

इंडोनेशिया, ईरान, फिजी, म्यांमार, सीरिया, यमन, फिलिस्तीन, अंगोला, तंजानिया, ट्यूनीशिया, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, मेडागास्कर, लाओस, इस्वातिनी और सूडान सहित 23 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें सबसे अधिक 187 आवेदन बांग्लादेश से आए हैं। श्रीलंका से 31, जबकि मॉरीशस और रूस से छह-छह विद्यार्थियों ने प्रवेश की इच्छा जताई है।

5 सौ करोड़ के ...

भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा।

कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। संशोधनों के तहत ग्रामीण आंतरिक गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा सड़क निर्माण से पूर्व मनरेगा से मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त की गई है। योजना की पात्रता का दायरा बढ़ाकर ऐसे सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में सम्मिलित नहीं हैं। आवश्यकता अनुसार नाबार्ड ऋण, पर्यावरण एवं अधोसंरचना विकास मद, खनिज न्यास मद सहित अन्य स्रोतों से भी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। कार्यों का अनुमोदन प्रशासनिक विभाग करेगा तथा क्रियान्वयन की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी।

पीएम मोदी का वीडियो ...

का वीडियो फेसबुक से हटाने से भी नाराज थी। मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था। बाद में मेटा ने इसे फिर से फेसबुक पर डाल दिया।

अब चैनल नहीं दिखा...

द्वारा अदालत की कार्यवाही की रिपोर्टिंग पर पूर्ण प्रतिबंध के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। ऐसे समाचार संस्थान कोर्ट की कार्यवाही की रिपोर्टिंग जारी रख सकते हैं। कानूनी घटनाक्रम और न्यायिक निर्णयों की जानकारी आम जनता तक पहुंचा सकते हैं।

क्लिप पर लगाई गई रोक

हालांकि, ऐसी रिपोर्टिंग के दौरान अदालत की कार्यवाही के ऑडियो या वीडियो क्लिप का उपयोग नहीं किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया था कि इस आदेश का मान्यता प्राप्त समाचार संस्थानों द्वारा अदालत की कार्यवाही की रिपोर्टिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी निर्देश दिया था। निर्देश में कहा गया था कि वह संबंधित मंत्रालयों से परामर्श कर याचिका में की गई मांगों को लागू करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे। साथ ही, सभी हाईकोर्ट को अदालत की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग और रिकॉर्डिंग से संबंधित मॉडल नियमों को अपनाने की स्थिति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने, निर्बाध और लगातार लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवहार्यता पर अपना पक्ष बताने का निर्देश भी दिया गया था। मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को निर्धारित की गई है।

विपक्षी सांसदों ने निकाला...

निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'यह लोकतंत्र है, तानाशाही नहीं। अगर बच्चों पर गोलियां चलाई गईं, पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ, आंसू गैस छोड़ी गई या लाठीचार्ज का आदेश दिया गया, तो किसी न किसी को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।' कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि विपक्ष मांग कर रहा है कि प्रधानमंत्री सदन में आएं और देश के मुद्दों पर बात करें। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सदन में नहीं आ रहे हैं।

भाई-बहन को मारकर...

बताया जा रहा है कि मादा भालू की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। ग्रामीणों का कहना है कि भालू बच्चे की मौत के बाद से आक्रोशित थी। वन विभाग ने रायपुर से टीम बुलाई। टीम ने भालू को बेहोश कर पिंजरे में डाल दिया। इस दौरान ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने भालू को पकड़कर लाठी-डंडे से खूब पीटा है।

नाम/परिवर्तन

मैं रोहित धीवर पिता जगनू धीवर निवासी शीतला चौक भाठागांव रायपुर (छ.ग.) ने अपने नाबालिक पुत्री का (पुराना नाम) दीप धीवर (DIP DHIWAR) से बदलकर (नया नाम) दीपा धीवर (DEEPA DHIWAR) रख लिया है। जिसके संबंध में समाचार प्रपत्र में प्रकाशित हेतु सुचना मेरे द्वारा प्रस्तुत किया जा रही है।

शपथकर्ता
रोहित धीवर
पिता जगनू धीवर
निवासी शीतला चौक
भाठागांव रायपुर (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै संजय कुमार गुप्ता पिता श्री सिद्धराम निवासी मूनं. 173, दानीघटोली, कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) 491995 (माता/ पिता/पालक का नाम) सुपुत्री कनिका गुप्ता (CANIKA GUPTA) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर / ग्राम म.नं. 173, दानीघटोली, कवर्धा जिला कबीरधाम (छ ग.) 491995 ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम कनिका गुप्ता (CANIKA GUPTA) (पुराना नाम) से बदल कर कनिका गुप्ता (KANIKA GUPTA) पिता संजय कुमार गुप्ता (SANJAY KUMAR GUPTA) रख लिया है।

शपथकर्ता
संजय कुमार गुप्ता
पिता श्री सिद्धराम
निवासी मूनं. 173,
दानीघटोली, कवर्धा जिला
कबीरधाम (छ.ग.) 491995

नाम/परिवर्तन

मैं सुधीर कुमार ठाकुर (SUDHEER KUMAR THAKUR) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र रोहित कुमार, निवासी- एम.आई.जी.-199, वार्ड नं. -14, एम.पी.एच.बी. कालोनी, कुम्हारी तह. भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम सुधीर कुमार ठाकुर (SUDHEER KUMAR THAKUR) (पुराना नाम) से बदल कर सुधीर ठाकुर (SUDHEER THAKUR) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
सुधीर कुमार ठाकुर
पिता रोहित कुमार
निवासी- एम.आई.जी.-199,
वार्ड नं. 14, एम.पी.एच.बी.
कालोनी, कुम्हारी तह.
भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं शपथकर्ता बुक्कूरू योगेश पिता बुक्कूरू गोविंद राव उम्र 35 वर्ष पता हाउस न 17/ए सडक 2 सेक्टर 2 भिलाई तह व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490001 की निवासी हूँ। जो कि निम्न शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि -: यह कि मेरा नाम एवं पता बताये अनुसार है। यह कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटी वश नाम बी योगेश (B YOGESH) पिता बुक्कूरू गोविंद राव (BUKKURU GOVIND RAO) दर्ज हो गया है। यह कि मेरे वोटर कार्ड मे बुक्कूरू योगेश (BUKKURU YOGESH) पिता बुक्कूरू गोविंद राव (BUKKURU GOVIND RAO) दर्ज है जो कि मेरा सही नाम है। यह कि मेरे वोटर कार्ड में दर्ज बुक्कूरू योगेश (BUKKURU YOGESH) पिता बुक्कूरू गोविंद राव (BUKKURU GOVIND RAO) एवं आधार कार्ड में दर्ज बी योगेश (B YOGESH) पिता बुक्कूरू गोविंद राव (BUKKURU GOVIND RAO) दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है। अर्थात् मेरा ही नाम है ये दोनो नाम किसी अन्य व्यक्ति का नाम नही है। यह कि शपथ पत्र जहाँ आवश्यक हो वहाँ बुक्कूरू योगेश (BUKKURU YOGESH) पिता बुक्कूरू गोविंद राव (BUKKURU GOVIND RAO) दर्ज किया जावे एवं पुकारा जावे व जाना जावे व पहचाना जावे, जिसके लिए गजट प्रकाशत करने के समर्थन में यह शपथ पत्र सक्षम प्राधिकारी महोदय के समक्ष करतज्ञ हूँ।

शपथकर्ता
बुक्कूरू योगेश
पिता बुक्कूरू गोविंद राव
पता हाउस न 17/ए सडक 2 सेक्टर
2 भिलाई तह व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202607100700025
/अ-74/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक हरिसिंह पटेल पिता स्व. फुलसिंह पटेल निवासी यादव छात्रावास के पास पचरीपारा, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा अपनी पुत्री श्रीमती लीना पटेल पति लक्ष्मीनारायण पटेल आवेदक का दामाद था, दामाद लक्ष्मीनारायण पटेल का दिनांक 21/06/2025 को तथा उनकी पत्नि श्रीमती लीना पटेल का दिनांक 27/04/2019 को स्वर्गवास हो चुका है, आवेदक की पुत्री एवं दामाद का एकमात्र संतान रिद्धि पटेल (12 वर्ष) है। आवेदक के दामाद लक्ष्मीनारायण पटेल, सहायक शिक्षक एल. बी. के पद पर शासकीय कन्या प्राथमिक शाला, कुथरेल जिला-दुर्ग में कार्यरत थे, पुत्री एवं दामाद की मृत्यु पश्चात कु. रिदिधि पटेल आवेदक के संरक्षक में निवास करती है, तथा अपनी पढ़ाई लिखाई आवेदक के साथ ही रहकर पूर्ण कर रही है जिसकी समस्त जवाबदारी आवेदक के उपर है। यह कि कु. रिदिधि पटेल की माता-पिता की मृत्यु के पश्चात आवेदक के उपर समस्त जवाबदारी होने के कारण उनका संरक्षक प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 07.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.07.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं शपथकर्ती मंजुल गहने पिता श्री शिवचरण गहने, उम्र 18 वर्ष, निवासी बजरंग नगर दुर्ग, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) की हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं:- यह कि, मैं उपरोक्त दहित पते पर निवास करती हूं। यह कि, मेरे नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम में पॉलिसी क.386366253 है जिसमें मेरा नाम मीनाक्षी गहने (MEENAKSHI GAHNE) दर्ज है जो कि मेरा घरेलू नाम है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड, बैंक पास बुक, एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम मंजुल गहने (MANJUL GAHNE) दर्ज है जो कि मेरा सही एवं वास्तविक नाम है। यह कि, मीनाक्षी गहने (MEENAKSHI GAHNE) एवं मंजुल गहने (MANJUL GAHNE) दोनो ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है परन्तु मेरा सही एवं वास्तविक नाम मंजुल गहने (MANJUL GAHNE) है इस कारण मैं अपने उक्त पॉलिसी में अपना नाम मंजुल गहने (MANJUL GAHNE) कराना चाहती हूं। यह कि यह शपथपत्र श्रीमान सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष उक्त कथन की सत्यता के समर्थन में प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ती
मंजुल गहने
पिता श्री शिवचरण गहने
निवासी बजरंग नगर दुर्ग
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग)

नाम/परिवर्तन

मैं (माता/पिता/पालक का नाम) श्रीमती सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) पति स्व. पुरुषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) उम्र 39 वर्ष, निवासी- 255, पोल नंबर-138, शंकर पारा न्यू खुर्सीपार, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) एतद् द्वारा पूर्णत: पुष्टि करती हूँ और निम्नानुसार घोषित करती हूँ:- मैं श्रीमती सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) पति स्व. पुरूषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) उम्र 39 वर्ष, निवासी 255, पोल नंबर-138, शंकर पारा न्यू खुर्सीपार, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र का नाम रेखांत देवांगन (REKHANT DEWANGAN) आत्मज स्व. पुरूषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) माता-कुसुम देवांगन (KUSUM DEWANGAN से बदलकर रेखांत देवांगन (REKHANT DEWANGAN) माता-सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) करवाना चाहती हूँ। मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगी। मेरे स्वंय का नाम सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) (नया नाम) को मेरे नाबालिग पुत्र रेखांत देवांगन (REKHANT DEWANGAN) माता का नाम-कुसुम देवांगन (KUSUM DEWANGAN) को समस्त शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड में बदलकर सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) (नया नाम) नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं। सो शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती
श्रीमती सुनीता देवांगन
पति स्व. पुरुषोत्तम देवांगन
निवासी- 255, पोल नंबर-138,
शंकर पारा न्यू खुर्सीपार
भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं (माता/पिता/पालक का नाम) श्रीमती सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) पति स्व. पुरुषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) उम्र 39 वर्ष, निवासी- 255, पोल नंबर-138, शंकर पारा न्यू खुर्सीपार, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) एतद् द्वारा पूर्णत: पुष्टि करती हूँ और निम्नानुसार घोषित करती हूँ:- मैं श्रीमती सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) पति स्व. पुरूषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) उम्र 39 वर्ष, निवासी 255, पोल नंबर-138, शंकर पारा न्यू खुर्सीपार, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र का नाम मिहिर देवांगन (MIHIR DEWANGAN) आत्मज स्व. पुरूषोत्तम देवांगन (LT. PURUSHOTTAM DEWANGAN) माता-कुसुम देवांगन (KUSUM DEWANGAN से बदलकर मिहिर देवांगन (MIHIR DEWANGAN) माता-सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) करवाना चाहती हूँ। मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगी। मेरे स्वंय का नाम सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) (नया नाम) को मेरे नाबालिग पुत्र मिहिर देवांगन (MIHIR DEWANGAN) माता का नाम-कुसुम देवांगन (KUSUM DEWANGAN) को समस्त शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड में बदलकर सुनीता देवांगन (SMT. SUNITA DEWANGAN) (नया नाम) नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं। सो शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती
श्रीमती सुनीता देवांगन
पति स्व. पुरुषोत्तम देवांगन
निवासी- 255, पोल नंबर-138,
शंकर पारा न्यू खुर्सीपार
भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202607103300046
/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक खिलेन्द्र कुमार निषाद पिता स्व. छबिलाल निवासी ग्राम बिरेझर तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदक के पिता छबिलाल पिता भुरवाराम के नाम से मौजा बिरेझर प.ह.नं. 28. रा.नि.मं. अंजोरा (ख) स्थित भूमि खसरा नंबर 134/3, 144/2 रकबा कमश :- 0.0800, 0.1150 हे. भूमि दर्ज है। आवेदक के पिता भूमिस्वामी छबिलाल पिता भुरवाराम की मृत्यु दिनांक 07/12/2025 को, हो चुका है। उनके स्वर्गवास हो जाने से उनके वारिसान 1. खिलेन्द्र कुमार निषाद (पुत्र) 2. धत्रू निषाद (पुत्र) 3. यामिनी निषाद (पुत्री) 4. जानकी बाई निषाद (पत्नि) का नाम फौती नामांतरण के तहत दर्ज किये जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.008.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30.07.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं मोहम्मद शहजाद कुरैशी (MOHAMMAD SHAHJAD QURESHI) सुपुत्र-मोहम्मद अवेस मोहम्मद शहजाद कुरैशी (MOHAMMAD AWES MOHAMMAD SHAJAD KURESHI) निवासी मकान नं. 232, वार्ड नं. 11, खनका रोड, फरीद नगर, नेशनल पब्लिक स्कूल के पास, सुपेला भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023 ने अपने नाबालिग पुत्र का नाम-मोहम्मद अवेस मोहम्मद शहजाद कुरैशी (MOHAMMAD AWES MOHAMMAD SHAJAD KURESHI) से बदलकर कुरैशी (MOHAMMAD AWES QURESHI) रख लिया है।

शपथकर्ता
मोहम्मद शहजाद कुरैशी
पिता मो. अवेस मो. शहजाद कुरैशी
निवासी मकान नं. 232, वार्ड नं.
11, खनका रोड, फरीद नगर, नेशनल
पब्लिक स्कूल के पास, सुपेला भिलाई,
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै सुनील सिंह पिता श्री सुचिंदर सिंह निवासी बैंकुठ नगर केम्प 2 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. एतद्वारा पूर्णत: पुष्टि करता हूं और निम्नानुसार घोषित करता हूं :- मै बैंकुठ नगर केम्प-2 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का स्थायी निवासी हूं। मैं अपने नाबालिग पुत्री प्रेसिता कुमारी (PRESHATA KUMARI) से बदलकर प्रेशिता कुमारी (PRESHITA KUMARI) करवाना चाहता हूं। मैं अपने पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मेरी पत्नि रूपा देवी को हमारे नाबालिग पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नही है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
सुनील सिंह पिता श्री सुचिंदर सिंह
निवासी बैंकुठ नगर केम्प 2
भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै शपथकर्ता (PRAVIN RAI) (प्रवीण राय) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता बच्चा राय, उम्र 42 वर्ष, पता-मकान नंबर 21, सारदा पारा, वार्ड नं. 23, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) एतद् द्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूं। यह कि मै उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरा पुराना नाम (PRAVIN RAI) (प्रवीण राय) और मैं अपना नाम बदलकर (PRAVIN KUMAR RAI) (प्रवीण कुमार राय) (नया नाम) करवाना चाहता हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है, और ना ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मै अपना नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के रोमक्ष प्रस्तत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
प्रवीण राय पिता बच्चा राय
पता-मकान नंबर 21,
सारदा पारा, वार्ड नं. 23, भिलाई,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै शपथकर्ता (BABI BARMAN) (बाबी बर्मन) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता धर्मेन्द्र बर्मन, उम्र 29 वर्ष, पता-मकान नंबर 294, वार्ड नं. 22, केम्प-2, बैंकुठ नगर भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) एतद्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूं। यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरा पुराना नाम (BABI BARMAN) (बाबी बर्मन) और मैं अपना नाम बदलकर (BOBI BANJARE) (बाबी बंजारे) (नया नाम) करवाना चाहता हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है, और ना ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मै अपना नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
बाबी बर्मन पिता धर्मेन्द्र बर्मन
पता-मकान नंबर 294, वार्ड नं. 22
केम्प-2, बैंकुठ नगर भिलाई,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै शपथकर्ता (VICKY BARMAN) (विक्की बर्मन) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता धर्मेन्द्र बर्मन, उम्र 29 वर्ष, पता-मकान नंबर 294, वार्ड नं. 22, केम्प-2, बैंकुठ नगर भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) एतद्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूं। यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरा पुराना नाम (VICKY BARMAN) (विक्की बर्मन) और मैं अपना नाम बदलकर (VICKY BANJARE) (विक्की बंजारे) (नया नाम) करवाना चाहता हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है, और ना ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मै अपना नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
विक्की बर्मन पिता धर्मेन्द्र बर्मन
पता-मकान नंबर 294, वार्ड नं. 22
केम्प-2, बैंकुठ नगर भिलाई,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202608104700017
/अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती वीना कुमारी पति स्व. विजय कुमार उम्र 71 वर्ष निवासी- मकान नंबर बी-459, कास स्ट्रीट 23, स्मृति नगर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा स्थित भूमि मौजा जुनवानी प.ह.नं. 43 रा.नि.म. जुनवानी तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर- 288/381 रकबा 0.020 हे. भूमि है। जो कि आवेदिका के पति नाम से वर्तमान भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी आवेदिका के पति विजय कुमार पिता एम.डी. कुमार का स्वर्गवास दिनांक 10/07/2026 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेख से मृतक का नाम विलोपित कर उनके स्थान पर उनके विधिक वारिसान- 1. श्रीमती वीना कुमारी (पत्नी) 2. रश्मी (पुत्री) 3. मनीषा गोयल (पुत्री) का राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05.08.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग-01 (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मेरा पक्षकार कौशल कुमार देवांगन पिता लेखारां देवांगन, उम्र- 40 वर्ष, निवासी-700, वार्ड नं.- 12, विजय नगर दुर्ग, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.) सुपुत्र पुश्पेन्द्र देवांगन (PUSPANDAR DEWANGAN) (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) ने अपना नाम पुराना नाम से बदलकर पुष्पेन्द्र देवांगन (PUSHPENDRA DEWANGAN) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
कौशल कुमार देवांगन
पिता लेखारां देवांगन
निवासी-700, वार्ड नं. 12, विजय
नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील- दुर्ग प.ह.न. 00013 कुठेलाभाठा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण आर.डी. 202526430101200007

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00013 के अंतर्गत ग्राम कुठेलाभाठा के वर्तमान भूमिस्वामी सी.जी. हाऊसिंग कंपनी पार्टनर सूरज चौहान पिता/पति अजय चौहान पता राजीव नगर सुपेला भिलाई के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 15000/1(0.0056) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्री अलंकार सोहनी पिता/पति लखन कुमार सोहनी पता शांति नगर सड़क 04 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06.08.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21.07.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202608104700016
/अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा एजुकेशन सोसाइटी के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि कृष्णा एजुकेशन सोसाइटी भिलाई को 28 अगस्त 1991 को शासन द्वारा खसरा क्रमांक 306 में से 60,000 वर्गफुट (200×300) भूमि लीज पर शैक्षणिक प्रयोजन हेतु 30 वर्ष के लिए प्रदान किया गया था। खसरा क्र. 306 बंदोबस्त के बाद खसंरा क्रमांक 836 एवं 937 में परिवर्तित हो गया। 60,000 वर्ग फुट भूमि बंदोबस्त के समय 2 खसरों में विभाजित हो गया खसरा क्रमांक 836/2 में 42,000 वर्गफीट एवं खसरा क्रमांक 837/2 में 18,000 वर्गफुट भूमि है। जिसमें खसरा क्रमांक 836/2 में 42,000 वर्गफीट ऑनलाइन भू अभिलेख में दुरूस्त कर दिया गया है, परन्तु 887/2 में 18,000 वर्गफुट को ऑनलाइन रिकार्ड में दुरूस्त नहीं किया गया है। वह अभी भी शासकीय भूमि के रूप में परिलक्षित हो रहा है। खसरा क्रमांक 837/2 में 18,000 वर्गफुट की भूमि को कृष्णा एजुकेशन सोसाइटी के नाम दर्ज करवाने - हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03.08.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग-01 (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बराती आ./पति भूखन निवासी सिविल लाईन कसारीडीह दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा पत्नी मुगेशिया साहू की जन्म/मृत्यु दिनांक 10.03.2010 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30.07.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202607103300038
/अ-74/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर दुर्ग जिला दुर्ग के पृ.क्रमांक/73/ प्र.कले./2026 दुर्ग दिनांक 01/07/2026 एवं अ.वि.अ. (रा.) महोदय के आवक कमांक/1621 दिनांक 06/07/2026 आवेदक शशि कुमार शर्मा पिता गिरजा प्रसाद शर्मापता- मकान नं. 298, जवाहर नगर दुर्ग विरूद्ध 1. श्रीमती शिवानी चंदेल पिता भगवान सिंह चंदेल पता- मकान नं. बी 50, शिव मंदिर के पास विद्युत नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) आवेदक के द्वारा निष्पादित पंजीकृत बयनामा एवं अनावेदक कमांक 01 पिता के द्वारा निष्पादित पंजीकृत बयनामा मे इन्द्राज चतुर्सीमा के अनुसार नक्शे मे बटाँकन न करते हुए वर्तमान के राजस्व नक्शा मे Vertical (उर्ध्वाधर) रेखांकित किया हुआ ख.नं. 666/2 पश्चिम दिशा मे एवं 666/3 को पूर्व दिशा में दर्शाया गया जो कि त्रुटिपूर्ण है जबकि, पंजीकृत बयनामा मे इन्द्राज चतुर्सीमा के अनुसार बटाँकन किया जाता है तो राजस्व नक्शा मे Horizontal (क्षैतिज) रेखांकित किया जाता है तो उस स्थिति मे खसरा नंबर 666/2 उत्तर दिशा में एवं 666/3 को दक्षिण दिशा में होगा। इस प्रकार सम्पूर्ण दस्तावेजो के अवलोकन उपरांत राजस्व नक्शे में उपरोक्तानुसार सुधार किये जाने आवेदन कलेक्टर महोदय के समक्ष धारा 107 के तहत् प्रस्तुत किया गया है। जांच एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्राप्त।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17.008.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27.07.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना

यह कि मैं अधिकृत अधिवक्ता जयराम भागवानी (जिला न्यायालय दुर्ग) बंधन बैंक लिमि. राजनांदगांव (छ.ग.) से प्राप्त अधिकार एवं निर्देशानुसार यह सूचना प्रकाशित करता / करती हूँ कि मेरे पक्षकार अन्नू साहू पति मोमराज साहू पता शांति नगर कुरूद भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा दिये गये अधिकार उपरान्त विक्रेता प्रदीप श्रीवास्तव आ. स्व. हरनारायण श्रीवास्तव पता कोहका भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) एवं क्रेता जयचंद जैन आ. स्व. श्री सुगनचंद जैन पता शिवपारा दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) मौजा कुरूद खसरा नं. 1354/5 का टुकडा रकबा 1313 वर्गफीट प्लॉट नं. 08, प.ह.न. 46, रा.नि.म. कोहका, रजिस्ट्री दिनांक 07/07/2021 ग्रन्थ कं 1366 दस्तावेज क. 836 उप पंजीयक दुर्ग की मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है उक्त मूल पुरानी रजिस्ट्री पेपर का कोई दुरूपयोग ना करे इस हेतु इसकी सूचना संबंधित थाने में दर्ज करायी गई है अतएव आम जनता जो कि उक्त जमीन / मकान के संबंध में किसी प्रकार का स्वत्व: स्वामित्व रखता हो तो इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि अवसर पश्चात् किसी प्रकार की दावा आंपत्ति शून्य एवं निष्प्रभावी होगा। सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रकाशित।

जयराम भागवानी (अधिवक्ता)
प्लाट नं. 20 पेट्रोल पंप के बाजू
में न्यू आदर्श नगर दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9302838684

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104100153

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी कमलेश बैजनाथ अग्रवाल पिता/पति पता दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 783/17(0.0280) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता सरला अग्रवाल पिता/पति स्व. कमलेश अग्रवाल पता एफ 16 आदर्श नगर दुर्ग, विवेक अग्रवाल पिता/पति स्व. कमलेश अग्रवाल पता एफ 16 आदर्श नगर दुर्ग, आकाश अग्रवाल पिता/पति स्व. कमलेश अग्रवाल पता एफ 16 आदर्श नगर दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 14.08.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 31.07.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

जेपी नड्डा ने असम में बाढ़ प्रभावित इलाकों और राहत शिविरों का दौरा किया

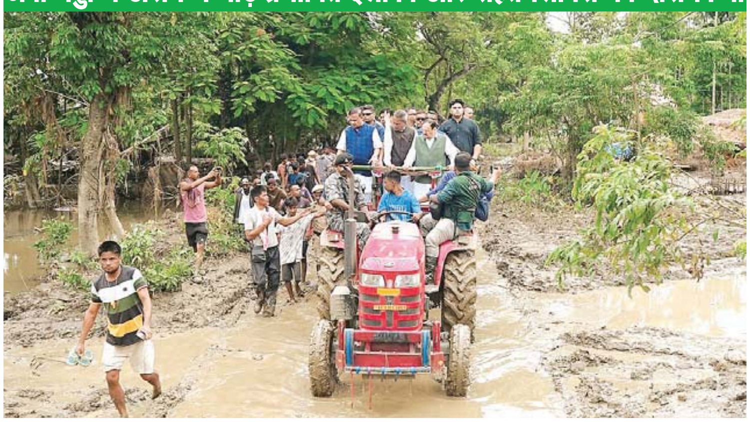

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए राज्य को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए किसी भी तरह के संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से बातचीत की और जमीनी हालात का जायजा लिया।

प्रभावित लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से मैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम के सभी लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों के लिए धन या संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्र सरकार राज्य को पूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है।

नड्डा ने बताया कि केंद्र सरकार की टीमें पहले से ही बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रही हैं, ताकि पुनर्वास और पुनर्निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया में पूरी तरह सक्रिय है। शिवसागर जिले के बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों में आई बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और बड़ी संख्या में लोगों का पशुधन भी नष्ट हुआ है। बाढ़ के कारण सड़कें और अन्य सार्वजनिक ढांचा भी प्रभावित हुआ, जिससे कई परिवारों को राहत शिविरों और अस्थायी आश्रयों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों से मुलाकात की तथा उनके घर, घरेलू सामान, फसल और आजीविका को हुए नुकसान की जानकारी ली। दोनों नेताओं ने अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

गौरतलब है कि असम सरकार बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत कार्यों और नुकसान के आकलन का अभियान चला रही है। राज्य सरकार ने क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों, पशुधन और आजीविका के नुकसान के लिए मुआवजा एवं वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही क्षतिग्रस्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम भी जारी है।

केंद्र सरकार के इस आश्वासन से राज्य में चल रहे पुनर्वास कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद है, ताकि बाढ़ प्रभावित हजारों परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके।

अभिजीत दिपके ने बताया सीजेपी का फ्यूचर प्लान

'राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, प्रेशर ग्रुप के तौर पर करेंगे काम' : दीपके

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली के जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के विरोध में हुए छात्र आंदोलन के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) अपने अगले चरण की रणनीति तैयार करने में जुट गई है। संगठन की दो दिवसीय कोर टीम की बैठक बुधवार से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में संस्थापक अभिजीत दिपके के आवास पर शुरू हुई। बैठक में संगठन के संस्थापक, राष्ट्रीय प्रवक्ता और अन्य प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में अभिजीत दिपके ने बैठक का एजेंडा बताया। उन्होंने साफ कहा कि CJP फिलहाल किसी राजनीतिक दल के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य सरकार पर युवाओं, छात्रों, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर प्रभावी ढंग से दबाव बनाना है। दिपके ने कहा, ÷हम फिलहाल राजनीतिक पार्टी के विकल्प के रूप में काम नहीं करेंगे। हमारा फोकस युवाओं की शिक्षा और रोजगार के मुद्दे उठाने पर रहेगा। जहां भी छात्रों को CJP की जरूरत होगी, हम उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय बैठक में हम इस बात पर मंथन करेंगे कि हमारा आगे का course of action क्या होगा। संगठन को कैसे आगे ले जाना है? केंद्र सरकार को युवाओं के मुद्दों पर बोलने के लिए और काम करने के लिए कैसे प्रेशर डाले, उसपर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि कल दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बैठक का निष्कर्ष बताएंगे। अभिजीत दिपके ने बताया कि बैठक में एथेनॉल मिश्रित ईंधन , बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और मीडिया तथा न्यायपालिका जैसी संस्थाओं में लोगों के घटते भरोसे जैसे अहम विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। संगठन इन मुद्दों पर अपनी आगे की रणनीति तय करेगा।

जितना प्रताड़ित करोगे उतना मजबूत होगा पीडीए : अखिलेश यादव

पीडीए में 'पी का मतलब बताया 'पंडित'

लखनऊ/ए.। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. जनेश्वर मिश्रा (छोटे लोहिया) की जयंती पर लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उन्हें 'जनेश्वर मिश्र पार्क' में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी, जिसके कारण उन्हें मजबूरन पार्टी कार्यालय में यह आयोजन करना पड़ा। सपा प्रमुख ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, कथित एनकाउंटरों और हालिया अपराध की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। अखिलेश यादव ने विकास दुबे कांड का बिना नाम लिए जिक्र करते हुए कहा कि 'याद होगा जब गाड़ी पलटाई गई थी; असल में गाड़ी नहीं पलटाई गई थी, बल्कि सरकार बचाई गई थी। यदि सैटेलाइट इमेज निकाली जाएगी, तो साफहो जाएगा कि गाड़ी किसने पलटाई थी।' उन्होंने सुल्तानपुर में ड्रिल मशीन से हुई हत्या, बस्ती और संत कबीर नगर में न्याय मांगने पर हुई हत्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में आम जनता और प्रतिष्ठित लोग प्रताड़ित हो रहे हैं।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में ब्राह्मण समाज को भी निशाना बनाया जा रहा है और उनके साथ अन्याय हो रहा है। अखिलेश यादव ने धार्मिक मुद्दों और राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की बदहाली पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया।

पीडीए में प का मतलब पंडित

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रशासनिक रुकावटों के बावजूद समाजवादियों का आंदोलन और जनेश्वर मिश्र का मिशन रुकने वाला नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 'डॉ. राममनोहर लोहिया पार्क' आकार में छोटा था, इसलिए उनकी सरकार ने जनेश्वर मिश्र के सम्मान में देश का सबसे बड़ा पार्क (जनेश्वर मिश्र पार्क) बनवाया था, लेकिन आज उसी पार्क में कार्यक्रम करने से रोका जा रहा है। चुनाव नतीजों का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने चुटकी ली कि जब से विरोधी PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से हारे हैं, तब से वे इसकी नई-नई परिभाषाएं गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'PDA में P का मतलब पंडित भी है। पीडी 'पंडित' का शॉर्ट फॉर्म है। सरकार जितना लोगों को पीड़ित करेगी, PDA उतना ही मजबूत होगा।'

सोनम वांगचुक के आग्रह पर देवेंद्र महतो ने ग्रहण किया जल

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का अनिश्चितकालीन आंदोलन बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। राजधानी रांची के धरना स्थल पर छात्रों के समर्थन में पिछले चार दिनों से अनशन पर बैठे जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो की बुधवार को पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से वीडियो कॉल पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान सोनम वांगचुक ने देवेंद्र महतो से स्वास्थ्य का ध्यान रखने और अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। छात्रों की यह लड़ाई लंबी है और इसे मजबूती से लड़ने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए सबसे पहले स्वयं का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना होगा।

महतो ने क्या कहा?

इस पर देवेंद्र महतो ने कहा कि वह छात्रों को न्याय दिलाने के लिए हर त्याग करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस संघर्ष में उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़े तो उन्हें इसका कोई पछतावा नहीं होगा। हालांकि, सोनम वांगचुक के आग्रह पर उन्होंने अपनी 'वाटर स्ट्राइक' समाप्त कर जल ग्रहण कर लिया, लेकिन भूख हड़ताल जारी रखने का फैसला किया। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत देवकर, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्र./ 798/न.पं./ लो.नि.वि./ 2026 — देवकर दिनांक 05/08/2026

// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा नगर पंचायत देवकर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू.डी. एस.ओ.आर (भवन 10.06.2026 एवं सड़क 15/06/2026) के तहत निविदा दो लिफाफा पद्धति से रिजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म 'ए' में निम्न विवरण अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 21/08/2026 शाम 5.00 बजे तक
2. निविदा खोलने की तिथि - 24/08/2026 दोपहर 1.00 बजे।

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि
1	वार्ड क्र. 02 में रामगोपाल के घर से दुर्गेश निषाद के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	3.27
2	वार्ड क्र. 02 में ओमप्रकाश निषाद के घर से पानी टंकी तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.90
3	वार्ड क्र. 08 में उषा शर्मा के घर से बबला अग्रवाल के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	0.86
4	वार्ड क्र. 07 में राम मंदिर के सामने आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	0.73
5	वार्ड क्र. 07 में मनोज कुंजाम के घर से देव ताम्रकार के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	2.35
6	वार्ड क्र. 09 में शत्रुहन साहू के घर से राजेन्द्र साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	6.80
7	वार्ड क्र. 09 में धर्मेन्द्र पटेल के घर से शत्रुहन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.37
8	वार्ड क्र. 09 में छन्नू के घर से धर्मेन्द्र पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	3.36
9	वार्ड क्र. 09 में शेखर ढीमर के घर से विष्णु ढीमर के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	1.18
10	वार्ड क्र. 10 में बबली यादव से घर से पुरुषोत्तम साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	0.95
11	वार्ड क्र. 03 में राधेश्याम के घर से श्रवण साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	0.98
12	वार्ड क्र. 15 हबीब अली के घर से मीरा दतार तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	0.93
13	वार्ड क्र. 03 में नगर पंचायत आफिस से नगर पंचायत क्वाटर तक सी.सी. रोड नवीनीकरण कार्य	2.98
14	वार्ड क्र. 15 में हबीब के घर से मुनउर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	2.57
15	वार्ड क्र. 15 में मुनउर के घर पुलिया निर्माण कार्य	0.93

टीप :- 1. उरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
2. विस्तृत नियम एवं शर्ते विभागीय वेब साईट http://uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड करते हुए भरकर निर्धारित तिथि तक स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड डॉक के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। निकाय द्वारा किसी भी प्रकार का भौतिक निविदा प्रपत्र प्रदाय नही किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर

आरबीआई का बड़ा लक्ष्य: FY 2028 तक पॉलिमर करेंसी नोट आएंगे प्रचलन में

नई दिल्ली/ए.। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2027-28 तक पॉलिमर करेंसी नोटों को प्रचलन में लाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहा है। इसके लिए फिलहाल फील्ड ट्रायल जारी हैं, ताकि बड़े स्तर पर जारी करने से पहले इन नोटों की गुणवत्ता और प्रदर्शन का पूरा आकलन किया जा सके।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसलों के बाद आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में गवर्नर मल्होत्रा ने बताया कि पॉलिमर बैंक नोटों का पायलट कार्यक्रम अभी भी जारी है। आरबीआई बाजार में नोट जारी करने से पहले उनका व्यापक परीक्षण करेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे भारतीय परिस्थितियों में प्रभावी और टिकाऊ साबित हों। उन्होंने संकेत दिया कि फील्ड ट्रायल के नतीजों का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद ही इन नोटों को बड़े पैमाने पर चलन में लाने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक पॉलिमर नोटों को प्रचलन में लाना है। आरबीआई का मानना है कि पॉलिमर बैंक नोट पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं। खासकर छोटे मूल्यवर्ग के नोट, जो सबसे अधिक इस्तेमाल होते हैं और जल्दी खराब हो जाते हैं, उनके लिए पॉलिमर नोट बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं।

10 और 20 रुपये के एक-एक अरब नोटों का ट्रायल

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी थी कि सरकार ने आरबीआई के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 10 रुपये और 20 रुपये के पॉलिमर नोटों का फील्ड ट्रायल किया जाना है। इस पायलट परियोजना के तहत आरबीआई 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के एक-एक अरब (100 करोड़) पॉलिमर नोट जारी करने की योजना बना रहा है। इन नोटों के जरिए उनकी मजबूती, टिकाऊपन और भारतीय मौसम व उपयोग की परिस्थितियों में उनकी उपयुक्तता का परीक्षण किया जाएगा।

नहीं रहे 'गजनी' फेम प्रदीप रावत

मुंबई। अभिनेता प्रदीप रावत का निधन हो गया है। साउथ और बॉलीवुड फिल्म जगत की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता ने आज 04 अगस्त को दुनिया को अलविदा कहा। प्रदीप रावत 74 वर्ष के थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बीआर चोपड़ा के 'महाभारत' सीरियल से की थी। इसमें उन्होंने अश्वत्थामा का किरदार अदा किया था। अभिनेता यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर प्रदीप रावत के निधन की दुख सूचना साझा की है। यशपाल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर प्रदीप रावत को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा है, 'प्रदीप रावत, हमारे गजनी। लगान के देवा को विनम्र श्रद्धांजलि'। बता दें कि फिल्म 'लगान' में प्रदीप रावत ने देवा सिंह सोढी का किरदार निभाया था। प्रदीप रावत मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर से ताल्लुक रखते थे।

छत्तीसगढ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
नारायणपुर वनमण्डल नारायणपुर
काष्ठागार नारायणपुर का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता हैं कि नारायणपुर वनमण्डल के अंतर्गत नारायणपुर काष्ठागार मे सग्रहित नया एवं पुराना ईमारती काष्ठ का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारो से अनुरोध है कि ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमण्डल / वन काष्ठागार नारायणपुर से प्राप्त की जा सकती हैं।

नीलाम दिनाक-07.08.2026 नीलाम समय प्रातः 09.00 बजे से

नये वनोपज (काष्ठ)					पुराना वनोपज (काष्ठ)				
	ईमारती काष्ठ		बल्ली	डेंगरी	ईमारती काष्ठ			बल्ली	डेंगरी
प्रजाति	नग	घ.मी.	(नग में)	(नग में)	प्रजाति	नग	घ.मी.	(नग में)	(नग में)
साल	1496	278.956	76	9	साल	9650	1349.101	695	625
साजा	378	46.289	31	30	सागौन	1095	80.418	308	269
धावडा	106	13.75	4	2	साजा	891	107.273	160	58
तेन्दू	269	30.509	15	5	बीजा	728	97.928	61	155
योग	2249	369.504	126	46	धावडा	315	36.183	54	22
					तेन्दू	95	13.717	12	9
					हल्दू	133	18.451	14	13
					जामुन	49	8.588	1	2
					कर्रा	17	1.187	3	0
					कस्सी	7	1.293	0	0
					खम्हार	2	0.135	3	1
					तिन्सा	24	1.986	0	0
					अन्य	982	104.872	25	35
					योग :-	**13988**	**1821.132**	**1336**	**1189**

दूरभाष क्रमांक- नारायणपुर वनमण्डल, नारायणपुर (07781-252228)

01 क्रेताओं को ई- ऑक्सन के पूर्व एस.एस.टी.सी.ई-कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
02 क्रेताओ को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते है ।
04 ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेंकड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेंकड का समय प्राप्त होगा।
05. ईमारती काष्ठ नया- 42 एवं पुराना- 312 लॉट कुल 354 लॉट प्रस्तावित है।

जी-262702549/5

वनमण्डलाधिकारी,
नारायणपुर वनमण्डल, नारायणपुर

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

E-AUCTION DATE: 24/08/2026 — मंडल कार्यालयः रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.) फोनः 07752-310118, मो. 9406565080

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई- निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के **नियम 8 (6)** के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं/बंधककर्ता एवं जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक/सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय **"जहाँ है जैसा है" "जो भी है"** नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/ सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहा है । आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

ई-नीलामी की तारीख - 24/08/2026 (सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक) ईएमडी जमा करने की तारीख - 23/08/2026 (रात्रि 11.59 बजे तक)

क्र. सं.	ऋणी का नाम एवं पता/ शाखा का नाम	सह-कर्जदार/जमानतदार एवं बंधक रखने वाले का नाम व पता	संपत्ति का पूरा पता	13(2) की मांग सूचना दिनांक बकाया राशि + ब्याज + अन्य शुल्क/ 13(4) की तारीख/ कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.) ईएमडी (रु.) बोली में वृद्धि (रु.)
1.	शाखाः कवर्धा (610700) 1. मेसर्स शारदा गुड़ उद्योग (इसके प्रोप. शशि चंद्रवंशी पति अलेश्वर चंद्रवंशी के जरिए) ग्राम व पोस्ट- मोहगांव, तहसील- पंडरिया, जिला- कबीरधाम छ.ग., 2. श्री अलेश्वर चंद्रवंशी पुत्र प्रभु राम, ग्राम व पोस्ट- मोहगांव, तहसील- पंडरिया, जिला- कबीरधाम छ.ग.- बंधककर्ता	1. प्रोप- श्रीमती शशि चंद्रवंशी पति अलेश्वर चंद्रवंशी, ग्राम व पोस्ट मोहगांव, तहसील- पंडरिया जिला कबीरधाम छ.ग., 2. बंधककर्ता/गारंटर- श्री अलेश्वर चंद्रवंशी पुत्र प्रभु राम, ग्राम व पोस्ट मोहगांव, तहसील- पंडरिया जिला कबीरधाम छ.ग.।	मालिक एवं बंधककर्ता श्री अलेश्वर चंद्रवंशी पुत्र प्रभु राम, ख. नं. 1368/3, प.ह.नं. 46, ग्राम- मोहगांव, आरआई मोहगांव, ब्लॉक- पंडरिया जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ में स्थित भूमि व भवन के साम्यिक बंधक। क्षेत्रफल- 0.121 हेक्टेयर	01/07/2023 ₹ 11,37,749.00 + ब्याज एवं अन्य खर्च 13/12/2023 से सांकेतिक	₹ 11,39,670/- ₹ 1,13,967/- ₹ 20,000/-

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: सीओ-एसएएम बिलासपुर, 07752-310118, मोबा. 9406565080

महत्वपूर्ण नोटः ऊपर दिए गए सभी IPs से संबंधित सभी सरकारी बकाया (प्रॉपर्टी, पानी, बिजली आदि) सभी संबंधित सरकारी कार्यालयों से खरीदार द्वारा वहन किए जाएंगे ।

नोटः 1. नीलामी "ई-ऑक्शन" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी, 2. इच्छुक बोली लगाने वालों/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल (**https://baanknet.com**) पर रजिस्टर करें। इसके अलावा, उनसे आवश्यक **KYC** डॉक्यूमेंट अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब ई-ऑक्शन सेवा प्रदाता द्वारा **KYC** डॉक्यूमेंट वेरिफाई हो जाते हैं (इसमें 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), तो इच्छुक बोली लगाने वालों/खरीदारों को **EMD** की तारीख **23/08/2026** को **11.59 बजे PM** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल **EMD** वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके **EMD** राशि ट्रांसफर करनी होगी। रजिस्ट्रेशन, **KYC** डॉक्यूमेंट का वेरिफिकेशन और वॉलेट में **EMD** ट्रांसफर नीलामी की तारीख से काफी पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए। नियम और शर्तें: बिक्री सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम 2002 में निर्धारित नियमों और शर्तों और निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तों के अधीन होगी: 1. प्रॉपर्टी **"जहाँ है जैसा है" "जो भी है आधार पर"** बेची जा रही हैं । 2. ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत बयान या चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। 3. बिक्री मेरे द्वारा वेबसाइट **https://baanknet.com** पर दिए गए ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ई-ऑक्शन **24/08/2026** को सुबह **11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक** की जाएगी । बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** और **www.pnbindia.in** देखें।

नोटः- इच्छुक बोली लगाने वालों को अपना यूजर आईडी और पासवर्ड खुद बनाना होगा और इसमें कम से कम 2 दिन का समय लगेगा, इसलिए बोली लगाने वाले से अनुरोध है कि वह अंतिम तारीख से पहले अपना यूजर आईडी बना लें। **खास नोटः** सफल बोली लगाने वाले को बोली की रकम का 25% (पच्चीस प्रतिशत), **EMD** रकम घटाकर, उसी दिन या अगले वर्किंग दिन तक जमा करना होगा और बाकी रकम नीलामी की तारीख से 15 दिनों के अंदर एक शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक द्वारा जारी बैंकर चेक/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में "ऑथराइज्ड ऑफिसर, पंजाब नेशनल बैंक, I" (अकाउंट का नाम) भुगतान **"बिलासपुर"** स्थान के नाम पर देना होगा। अगर ऊपर बताई गई रकम तय समय में जमा नहीं की जाती है, तो सफल बोली लगाने वाले द्वारा जमा की गई रकम बैंक जब्त कर लेगा और ऑथराइज्ड ऑफिसर को प्रॉपर्टी की नई नीलामी/बिक्री करने की आजादी होगी और डिफॉल्ट करने वाले बोली लगाने वाले का जब्त की गई रकम और प्रॉपर्टी पर कोई दावा नहीं होगा।

दिनांकः 06.08.2026, स्थानः बिलासपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

जहाँ कभी पानी की थी चिंता, आज हर मौसम में जीवन का आधार बना जल स्रोत

विकसित भारत जी-राम-जी योजना से बदली वनांचल गाँवों की तस्वीर

■ जल संरक्षण के साथ रोजगार और आजीविका का मजबूत संबल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को जनभागीदारी और ग्रामीण विकास से जोड़कर लागू की जा रही विकसित भारत जी-राम-जी योजना दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन रही है। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत कालामांजल की सफलता इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि योजनाबद्ध जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता से किसी गाँव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं।

कालामांजल कभी ऐसा गाँव था जहाँ बारिश का अधिकांश पानी बह जाता था और गर्मी आते-आते जल स्रोत सूखने लगते थे। पेयजल, मवेशियों के लिए पानी और खेती-किसानी जैसी आवश्यकताओं के लिए ग्रामीणों को लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पानी की कमी यहाँ के लोगों की सबसे बड़ी चिंता बन गई थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण को ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसी सोच के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर कंटूर ट्रेंच और गेबियन चेक डैम का निर्माण कराया गया।

इन संरचनाओं ने वर्षा जल को रोककर जमीन में समाहित करने का प्रभावी कार्य किया। साथ ही मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण हुआ और जंगल से आने वाला कचरा डैम तक पहुँचने से पहले ही रुकने लगा। इससे जल स्रोत न केवल संरक्षित हुए, बल्कि अधिक स्वच्छ और सुरक्षित भी बने।

ग्राम के निवासी मनोहर सिंह बताते हैं कि पहले गर्मी के दिनों में पानी की तलाश ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी समस्या होती थी। मवेशियों को पानी पिलाना और खेती करना दोनों ही कठिन हो जाता था। अब वही जल स्रोत पूरे वर्ष उपयोग में आ रहा है। ग्रामीण इस जल का उपयोग पेयजल, स्नान, कपड़े धोने, मवेशियों को पानी पिलाने और मत्स्य पालन जैसे कार्यों में कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत के सरपंच अर्जुन सिंह के अनुसार, इस योजना ने केवल जल संरक्षण ही नहीं किया, बल्कि 250 से अधिक श्रमिकों को रोजगार भी उपलब्ध कराया। निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों की भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

आज कालामांजल के जल स्रोत पहले की तुलना में अधिक समृद्ध हैं और ग्रामीण भविष्य को लेकर आश्वस्त दिखाई देते हैं। खेती की संभावनाएँ बढ़ी हैं, मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है और मत्स्य पालन जैसी अतिरिक्त आजीविका गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है।

ग्रामीणों ने इस सकारात्मक परिवर्तन के लिए राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका गाँव हर मौसम में पानी के भरोसे के साथ विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री साय की पहल से योजनाएं बन रहीं जरूरतमंदों का मजबूत सहारा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र परिवार को ऐसी योजनाओं से जोड़ा जाए, जो विपरीत परिस्थितियों में उनके लिए आर्थिक सुरक्षा कवच बन सकें। इसी दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से संचालित वित्तीय साक्षरता अभियान का सकारात्मक परिणाम गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में देखने को मिला, जहां ग्राम महोरा की आरती स्व-सहायता समूह की सदस्य स्वर्गीय भाग्यवती पोर्ते के आकस्मिक निधन के बाद उनके नामित पति मनोज सिंह पोर्ते को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत कुल 4 लाख रुपये की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई। कलेक्टर विजय दयाराम के., मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावते तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, पेंड्रा के शाखा प्रबंधक सुमित केशरवानी ने संयुक्त रूप से हितग्राही को दोनों योजनाओं के अंतर्गत 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति दस्तावेज सौंपे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल दे रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से संचालित वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, बचत, बीमा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें इन योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत स्वर्गीय भाग्यवती पोर्ते का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में बीमा कराया गया था, जिसके कारण उनके निधन के बाद उनके परिवार को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सकी। बीमा सहायता प्राप्त करने के बाद मनोज सिंह पोर्ते ने राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में प्राप्त यह सहायता उनके परिवार के लिए बड़ा संबल है। उन्होंने बताया कि बीमा राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, उनके उज्ज्वल भविष्य तथा आवश्यक पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

मृतकों के परिजनों को 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर जिले में प्राकृतिक आपदाओं से हुई जनहानि के चार मामलों में प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करते हुए कलेक्टर रोहित व्यास ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आर.बी.सी.) 6-4 के तहत कुल 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक प्रकरण में मृतकों के निकटतम वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता प्रदान की जाएगी। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बगीचा तहसील के ग्राम ओंड़का निवासी स्वर्गीय भदवा राम की मधुमक्खी के काटने से हुई मृत्यु के प्रकरण में उनकी पत्नी सुमित्रा को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार बगीचा तहसील के ग्राम कुरडेग निवासी स्वर्गीय सुमित्रा पैंकरा की कुएं में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में उनके पति मनमोहन पैंकरा को 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। मनोरा तहसील के ग्राम पकरीटोली निवासी स्वर्गीय बसिन्दर राम (प्रजापति) की नदी के बाढ़ के पानी में डूबने से हुई मृत्यु के प्रकरण में उनकी पत्नी लीलावती बाई को 4 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, सन्ना तहसील के ग्राम चटकपुर निवासी स्वर्गीय देवसिंह की तालाब में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में उनकी पत्नी बनपति बाई तथा पुत्र अर्जुन कुमार एवं अरविन्द कुमार को संयुक्त रूप से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

सोलर पंप सुधारने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में की शिकायत, कुछ ही घंटों में हुई मरम्मत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नागरिकों की समस्याओं व शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ किया गया है। समय-सीमा पर आधारित यह हेल्पलाइन लोगों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का जरिया बन गई है। इसकी बानगी कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिखली के आश्रित ग्राम हड़फ्ड़ में भी देखने को मिला, जहां हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत के कुछ घंटों के भीतर ही गांव के बिगड़े हुए सोलर पंप का तत्काल सुधार क्रेडा विभाग द्वारा किया गया। खराब सोलर पंप का सुधार कार्य पूरा होने के बाद ग्रामीणों को राहत मिली।

97 गांवों में होगा विद्युत विस्तार : रजवाड़े

■ 11.62 करोड़ रुपये की लागत से दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचेगी बिजली

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधानसभा की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत भटगांव विधानसभा क्षेत्र के 97 गांवों में विद्युत विस्तार कार्य स्वीकृत किया गया है।

लगभग 11.62 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत इस परियोजना के माध्यम से सूरजपुर जिला के दूरस्थ गांवों और मोहल्लों तक विद्युत सुविधा पहुंचाई जाएगी, जिससे हजारों ग्रामीण परिवार लाभान्वित होंगे। राज्य शासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में विकासखंड भैयाथान के 36 गांवों के लगभग 109 मोहल्लों/पारों, विकासखंड ओड़गी के 32 गांवों के लगभग 68 मोहल्लों/पारों तथा विकासखंड सूरजपुर के 29 गांवों के लगभग 53 मोहल्लों/पारों में विद्युत विस्तार किया जाएगा। यह परियोजना विशेष रूप से उन ग्रामीण और जनजातीय बस्तियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां अब तक पर्याप्त विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य, पेयजल व्यवस्था, कृषि आधारित गतिविधियों तथा ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास की रोशनी को अंतिम छोर तक पहुंचाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति भटगांव विधानसभा के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि "हर घर और हर आंगन तक बिजली पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं साकार होंगी।"

जशपुर से 204 श्रद्धालु प्रभु रामलला दर्शन के लिए अयोध्या हुए रवाना

■ रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक जिले के 2,856 श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के श्रद्धालुओं को अयोध्या स्थित प्रभु श्री रामलला के निःशुल्क दर्शन के लिए लगातार भेजा जा रहा है। योजना के 14 वें चरण में जशपुर जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों, नगर पंचायतों एवं सियानगुड़ी से चयनित 204 श्रद्धालुओं को अयोध्या के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर शुभ यात्रा के लिए रवाना किया। जशपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत एवं नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पिंकी गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। योजना के तहत अब तक जशपुर जिले के 2,856 श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के आवागमन, आवास एवं भोजन सहित संपूर्ण यात्रा व्यय का वहन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया जाता है।

नए सपनों, नए संकल्पों और नए सफर का उत्साहपूर्ण आगाज़

रायपुर/नवप्रदेश। आंजनेय विश्वविद्यालय परिसर में नए विद्यार्थियों के उत्साह, उमंग और सपनों से सराबोर नजर आया, जब विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय परिवार का अभिन्न सदस्य बनने पर शुभकामनाएँ दी गईं। सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था से परिचित कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें एक ऐसे सकारात्मक वातावरण से जोड़ना था, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत कर सकें। पूरे परिसर में विद्यार्थियों के चेहरे पर नए मित्रों से मिलने,शिक्षकों से परिचय प्राप्त करने और अपने भविष्य को लेकर उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, अत्याधुनिक अधोसंरचना, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, छात्र गतिविधियों, क्लबों तथा छात्र सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

लोक कलाओं के संरक्षण और कलाकारों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में संस्कृति विभाग की महत्वपूर्ण पहल

■ मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत प्रदेश के लोक कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। योजना का उद्देश्य पारंपरिक लोक कलाओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना, कलाकारों का सम्मान बढ़ाना तथा कला दलों के सतत विकास को नई गति प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत नृत्य-संगीत, लोक नाट्य, लोकगाथा, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र वादक, शिल्प कलाकार, छत्तीसगढ़ी पाक कला (पारंपरिक व्यंजन) तथा छत्तीसगढ़ी सौंदर्यकला (श्रृंगार) से जुड़े कलाकार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट www.cgculture.in पर उपलब्ध हैं तथा संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, नया रायपुर स्थित कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। योजना के तहत पात्र कलाकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा। चयनित कलाकारों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार रुपये से अधिकतम 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि ई-पेमेंट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। यह राशि एक वित्तीय वर्ष में एक बार प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ केवल ऐसे कलाकारों को मिलेगा जिनकी सभी स्रोतों से वार्षिक आय 96 हजार रुपये से अधिक नहीं है। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ बैंक खाते का विवरण, आईएफएससी कोड तथा पैन कार्ड की छायाप्रति भी प्रस्तुत करनी होगी। प्रविष्टियां प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भेजते समय लिफाफे पर ÷मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026÷ स्पष्ट रूप से अंकित करना आवश्यक होगा। प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण समिति द्वारा किया जाएगा तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

छत्तीसगढ़ में मानसून की स्थिति: राज्य में अब तक 99.2% सामान्य वर्षा दर्ज

■ सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सर्वाधिक तो सरगुजा-सुकमा में औसत से कम बारिश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष मानसून की स्थिति कुल मिलाकर सामान्य और संतोषजनक बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 5 अगस्त 2026 तक जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 1 जून से अब तक औसतन 584.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि की सामान्य औसत वर्षा (589.5 मिमी) का 99.2 प्रतिशत है। प्रदेश में 5 अगस्त को राज्य का दैनिक औसत 12.1 मिमी दर्ज किया गया। प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। सरगुजा जिले में औसत का महज 65.1% (288.2 मिमी) और सुकमा में 67.2% (545.0 मिमी) बारिश ही दर्ज हुई है। इसके अलावा जशपुर (69.1%), बीजापुर (70.4%), कांकेर (71.1%), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (75.0%), बेमेतरा (76.9%), बस्तर (77.4%) और कबीरधाम (81.6%) जिलों में बारिश का आंकड़ा सामान्य से कम बना हुआ है।

राज्य के सभी 33 जिलों में 1 जून से 5 अगस्त 2026 तक सरगुजा संभाग के सरगुजा में 288.2 मिमी (65.1%), सूरजपुर में 522.3 मिमी (87.7%), बलरामपुर में 542.1 मिमी (115.0%), जशपुर में 409.9 मिमी (69.1%), कोरिया में 495.1 मिमी (93.1%) तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 483.6 मिमी (92.3%) वर्षा दर्ज की गई है। रायपुर संभाग के रायपुर जिले में 637.4 मिमी (130.0%),बलौदाबाजार में 653.6 मिमी (116.8%), गरियाबंद में 717.6 मिमी (128.9%), महासमुंद में 743.0 मिमी (139.3%) और धमतरी में 642.5 मिमी (112.9%) बारिश हुई है। मध्य छत्तीसगढ़ और मैदानी इलाकों में बेहतर और संतुलित बारिश होने से धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों में काफी तेजी आई है। वहीं उत्तर और दक्षिण के जिन जिलों में औसत से कम बारिश दर्ज हुई है, वहाँ आपदा प्रबंधन विभाग और कृषि विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ और नारायणपुर में अधिक बारिश

आंकड़ों के अनुसार, औसत के मुकाबले प्रतिशत के लिहाज से सबसे अधिक वर्षा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में हुई है, जहाँ सामान्य औसत (450.5 मिमी) के मुकाबले 186.2% (838.6 मिमी) बारिश दर्ज की गई है। वहीं कुल वर्षा की मात्रा के मामले में नारायणपुर जिला सबसे आगे है, जहाँ अब तक 1004.1 मिमी (141.1%) वर्षा हो चुकी है। इसके अलावा महासमुंद (139.3%), रायपुर (130.0%), गरियाबंद (128.9%), जांजगीर-चांपा (124.9%), बालोद (121.2%), बलौदाबाजार (116.8%), बलरामपुर (115.0%), दुर्ग (114.1%), सक्ती (114.0%) और धमतरी (112.9%) जिलों में भी सामान्य से काफी बेहतर बारिश दर्ज की गई है।

कांग्रेस नेता की हत्या में चार आरोपियों में तीन नाबालिग, सुनसान जगह देखकर रोका और कर दी हत्या

अमलेश्वर/दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में धमधा मंडल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष प्रकाश सिंह कश्यप की लूट के दौरान हुई हत्या के मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर तीन नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। जांच में सामने आया है कि वारदात से कुछ देर पहले कांग्रेस नेता और उनके साथियों ने रास्ता पूछने के लिए बाइक सवार युवकों को रोका था। आरोपियों ने रास्ता बताने के बाद उनका पीछा शुरू कर दिया। जैसे ही उन्हें दुर्ग-धमधा रोड पर सुनसान जगह मिली, उन्होंने डंडा अड़ाकर बाइक रुकवाई और लूटपाट शुरू कर दी। विरोध करने पर प्रकाश सिंह कश्यप पर धारदार हथियार से कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक 2 अगस्त की रात ग्राम तुमाकला निवासी चोवाराम लोधी अपने परिचित भूषण पटेल और प्रकाश सिंह कश्यप के साथ जुनवानी के अस्पताल से वापस घर की ओर जा रहे थे। आगे जाकर रास्ता भटकने पर उन्होंने एक बाइक पर सवार चार युवकों से पता पूछा। आरोपियों ने उन्हें रास्ता बता दिया, लेकिन इसके बाद उनकी बाइक के पीछे लग गए।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल प्रकाश सिंह कश्यप को जिला अस्पताल दुर्ग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चौकी जेवरा सिरसा पुलिस ने हत्या और लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक आरोपी देर रात सुनसान सड़क पर राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट करते थे। मामले में पुलिस ने कादम्बरी नगर, मोहन नगर निवासी 19 वर्षीय आदर्श उर्फ

लाल को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा तीन विधि से संघर्षरत बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है।

देर रात करीब 2 बजे जब तीनों जय गजानंद ट्रक श्रृंगार के सामने दुर्ग-धमधा रोड पर पहुंचे, तब आरोपियों ने उनकी बाइक के सामने डंडा अड़ाकर रोक लिया। इसके बाद डंडों से हमला किया और मोबाइल व नकदी लूटने की कोशिश की। प्रकाश सिंह कश्यप ने विरोध किया तो एक आरोपी ने धारदार हथियार से उन पर लगातार वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल प्रकाश को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों ने डंडों से हमला शुरू कर दिया। इसके बाद प्रकाश सिंह कश्यप की जेब में रखा मोबाइल और नकदी लूटने की कोशिश की। जब उन्होंने विरोध किया तो एक आरोपी ने धारदार हथियार से उन पर लगातार वार कर दिए। बाकी आरोपियों ने चोवाराम और उनके साथी के साथ भी मारपीट की और उनकी जेब से करीब 4 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। इस वारदात

100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले

पुलिस ने घटनास्थल से लेकर दुर्ग, भिलाई और धमधा मार्ग पर लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एक आरोपी आदर्श उर्फ लाल और तीन विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया गया। उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई बाइक, धारदार हथियार, पाइप, डंडा और लूटी गई नकदी बरामद कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

दुर्ग जिले में पुलिसिंग पर उठ रहे सवाल

एक तरफ डायल-112 की नई गाड़ियां, पेट्रोलिंग गाड़ियां आने पर पुलिस ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि अब रात्रि गस्त मुस्तैदी से होगी। लेकिन बीच सड़क पर इस तरह सरेराह कांग्रेस नेता की हत्या ने दुर्ग में कानून व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। कुछ महीने पहले ही इसी मार्ग पर हथियार के साथ ट्रक चालक को रोकते हुए दिख रहे थे। कांग्रेस पदाधिकारियों ने भी चक्का जाम करने के दौरान कहा था कि कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है।

न्यूज गैलरी

युकां ने थाने में की शिकायत

भिलाई/नवप्रदेश। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के जन्मदिन से पहले विवाद खड़ा हो गया। शहर के डीपीएस चौक पर लगाए गए उनके शुभकामना पोस्टर पर अज्ञात लोगों ने स्याही पोत दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई। कार्यकर्ता विरोध जताते हुए भिलाई नगर थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर पोस्टर खराब करने वाले दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की। युवा कांग्रेस की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि गुरुवार को पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू का जन्मदिन है। इस मौके पर उनके समर्थकों ने डीपीएस चौक के पास शुभकामना पोस्टर लगाया था। आरोप है कि कुछ असामाजिक लोगों ने पोस्टर पर स्याही फेंककर उसे खराब कर दिया। आवेदन में कहा गया है कि यह सिर्फ एक पोस्टर को नुकसान पहुंचाने का मामला नहीं है, बल्कि एक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि का अपमान करने और माहौल खराब करने की कोशिश भी है।

2 लाख के लिए नानी को मार-डाला

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में साल 2024 में हुई बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने करीब 2 साल से फरार आरोपी को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को मोबाइल लोकेशन और मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, दो सगी बहनों ने अपनी नानी से 2 लाख रुपए की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर दोनों ने तकिए से उनका मुंह दबाया और स्टील की बोतल से सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों घर से नकदी और जेवरात लेकर फरार हो गई थीं। जांच में सामने आया कि बड़ी बहन ने अपने बॉयफ्रेंड की मदद से चोरी के जेवरात बेच दिए थे। इसी मामले में पुलिस ने मंगलवार को बॉयफ्रेंड को नागपुर से गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में शामिल दोनों सगी बहनों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

नेहरू आर्ट गैलरी में छायाकार हिमांशु की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी आज

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में युवा छायाकार हिमांशु वर्मा की तीन दिवसीय एकल छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ 6 अगस्त 2026 को मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) उन्मेष भारद्वाज के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 6 से 8 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सायं 5:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में हिमांशु वर्मा द्वारा सृजित नवीनतम छायाचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे, जो प्रकृति एवं दैनिक जीवन के सहज किंतु अर्थपूर्ण क्षणों को कलात्मक दृष्टि से प्रस्तुत करते हैं। अपनी विशिष्ट मिनिमलिस्ट शैली के लिए पहचाने जाने वाले हिमांशु वर्मा अपने छायाचित्रों के माध्यम से साधारण प्रतीत होने वाले दृश्यों में निहित असाधारण सौंदर्य को उजागर करते हैं। प्रकाश और छाया के संतुलित संयोजन, सूक्ष्म भावों तथा क्षणभंगुर दृश्यों को संवेदनशीलता के साथ चित्रित कर वे दर्शकों को ठहरकर जीवन की बारीकियों को अनुभव करने के लिए प्रेरित करते हैं।

छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में दुर्ग की भूमिका पर शोध: बृंदा को मिली पीएचडी

भिलाई/नवप्रदेश। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने बृंदा रॉय को इतिहास विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय छत्तीसगढ़ राज्य के आर्थिक विकास में दुर्ग जिले की भूमिका (2000 से 2020 तक) था। उन्होंने अपना यह शोध कार्य डॉ. पी.डी. सोनकर (सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक, डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय, जामुल, भिलाई) के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया। इस शोध प्रबंध के बाह्य परीक्षक डॉ. शामराव आई. कोरेटी (प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र) थे।

अनुपस्थित बैंकर्स पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

■ जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक संपन्न

■ कलेक्टर ने बैंकों को प्रेषित योजनाओं से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में शासकीय विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित बैंकों को प्रेषित प्रकरण की समीक्षा हेतु मंगलवार 04 अगस्त 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में एजेण्डावार सभी बैंकों की बैंकिंग पैरामीटर अनुसार प्राथमिकता तथा गैर प्राथमिकता ऋणों, सीडी रेसियो, एजुकेशन लोन, केसीसी, मुद्रा लोन, जन सुरक्षा योजना एवं बैंकों में चल रहे सभी शासकीय योजनाओं पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर, ईएमएफएफई, के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इसके अलावा खादी ग्रामोद्योग, मत्स्य पालन, उद्योग एवं व्यापार, विभाग द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं संबंधित प्रेषित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। साथ ही बैंकर्स को प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए। अस्वीकृति की स्थिति में संबंधित विभाग को प्रकरण लौटाई जाए।

समीक्षा के दौरान अनुपस्थित बैंकर्स पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर सिंह ने अनुशासनात्मक कार्यवाही करने अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया। बैठक में नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह ने पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत बैंकों में लंबित प्रकरणों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर हितग्राहियों को लाभ पहुँचाने निर्देश दिए।

इसी प्रकार भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के प्रतिनिधि आकाश घोरसे ने सभी बैंकों को प्रत्येक माह वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित कर रिपोर्ट भेजने निर्देशित किया। बैठक में अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग, आरसेटी निर्देशक गुलशन कुमार सिंह एवं डीआईसी अंत्यावसायी, मत्स्य, कृषि, खादी ग्रामोद्योग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों सहित सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित थे।

निर्माणाधीन सड़क पर फिसली बाइक, बस ने कुचला, मौत

दुर्ग/नवप्रदेश। सड़क हादसे में एक युवक की बस से कुचलकर मौत हो गई, जबकि उसका साथी मामूली रूप से घायल हो गया। हादसा पुलगांव से महाराज चौक के बीच निर्माणाधीन सड़क पर हुआ, जहां फिसलन के कारण बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। पुलिस फरार बस और उसके चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पुलगांव से महाराज चौक के बीच सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। सड़क पर गिट्टी और मिट्टी होने से काफी फिसलन थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। तभी पीछे से आ रही एक अज्ञात बस ने एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। बस के नीचे कुचलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक मामूली रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान शुभम के रूप में हुई है। वह एक ट्रैवल कंपनी में काम करता था।

बताया जा रहा है कि उसकी शादी करीब एक साल पहले ही हुई थी। हादसे के बाद बस चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल युवक का प्राथमिक उपचार कराया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर फरार बस और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माणाधीन सड़क की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

पावरहाउस सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के खिलाफ निगम की कार्रवाई, वाहन किए जब्त

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सडक किनारे होने वाली अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन 3 राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पावर हाउस सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पावर हाउस सर्विस रोड पर सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित होने तथा दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। नागरिकों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस प्रशासन के सहयोग से थाना छावनी पहुंचाया गया।

निगम प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों, सर्विस रोड एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर अपने वाहन खड़े न करें।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थल का ही उपयोग करें और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न करें।

अंतर क्षेत्रीय पॉवर कंपनीज टेबल-टेनिस स्पर्धा में दुर्ग रीजन के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

■ कार्यपालक निदेशक ने किया खिलाड़ियों का अभिनंदन

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा मड़वा में आयोजित अन्तरक्षेत्रीय टेबल-टेनिस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर दुर्ग रीजन का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों ने क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक ने सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन कर उन्हें हार्दिक बधाई दी।

मड़वा में आयोजित प्रतियोगिता के पुरुष सिंगल्स वर्ग में दुर्ग क्षेत्र रजनीश ओबेराय ने रायपुर सेंट्रल के मजबूत खिलाड़ी को पराजित कर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। इसके अलावा पुरुष डबल्स स्पर्धा में भी दुर्ग के रजनीश ओबेराय एवं बिलासपुर के समीर तिवारी की जोड़ी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए रायपुर सेंट्रल की जोड़ी को शिकस्त दी और प्रतियोगिता पर कब्जा जमाया। इस स्पर्धा में दुर्ग रीजन से टेबल टेनिस की टीम में तरुण ठाकुर, पी.एल.माहेश्वरी, एम.के.साहू, श्रीकांत बड़गैया, शोभना सिंह, डॉ. मंजूला साहु एवं टीम मैनेजर दिलीप पाठक शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर रजनीश ओबेराय एवं शोभना सिंह का चयन आगामी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम में हुआ है।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री सेलट ने कहा कि कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास से ही यह बड़ी सफलता हासिल हुई है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को विधायक ने बांटे प्रमाण-पत्र

भिलाई/नवप्रदेश। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तिरगा में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं के लिए प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर

बनाने, उनके कौशल का विकास करने तथा स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित यह योजना पारंपरिक कौशल को सम्मान देने के साथ-साथ महिलाओं एवं कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार, समाज और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। डबल इंजन की भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि सीएम साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार भी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में सरपंच घसियाराम देशमुख, झोला सरपंच बसंती निषाद, उपसरपंच सुखीतराम धीवर, पंच दिलीप देशमुख, बिरेन्द्र निषाद, रामसाय, बिसौहा संस्था की प्रमुख योगिता साहू, रश्मि चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नगर निगम में प्राप्त आवेदनों की सूची जारी

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत 25 दुकान एवं 08 चबूतरा तथा महिला समृद्धि बाजार योजना के अंतर्गत 06 दुकानों का योजनावार विभिन्न स्थलों पर रिक्त दुकानों का संवर्गवार लॉटरी के माध्यम से किरायेदारी पर आबंटन किया जाना है। इसके लिए इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निगम द्वारा आवेदन प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 30 जून 2026 रखी गई थी। निर्धारित तिथि तक पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण निगम प्रशासन द्वारा आवेदन की तिथि में वृद्धि करते हुए 25 जुलाई 2026 तक कर दिया गया था। विस्तारित अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर अब प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत प्राप्त कुल आवेदनों की सूची दावापत्ति के लिए निगम मुख्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। निगम प्रशासन ने संबंधित आवेदकों से अपील की है कि वे निगम मुख्य कार्यालय पहुंचकर सूचना पटल पर अपना नाम एवं आवेदन संबंधी विवरण देख लें।

डाइट के प्राचार्य प्रकाश राय को भावभीनी विदाई

नगरी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) नगरी के प्राचार्य प्रकाश राय के सेवानिवृत्त होने पर संस्थान परिसर में गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

निधन : आरपी सिंह

भिलाई/नवप्रदेश। पत्रकार एवं साप्ताहिक इस्पात की धड़कन के संपादक आर.पी. सिंह (70 वर्ष) निवासी रामनगर का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 6 अगस्त को प्रातः 10 बजे रामनगर मुक्तिधाम भिलाई में किया जाएगा। वे वंदना, विभा एवं वीणा के पिता थे।

छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन

विधिक जागरुकता से सशक्त युवा, नशामुक्त समाज की पहल

दुर्ग/नवप्रदेश। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में आज छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग में एक विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक चेतना का विकास करना, उन्हें उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाना एवं समाज में कानून के प्रति सम्मान तथा उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

शिविर में श्रीमती श्वेता पटेल एवं श्री रवि कश्यप व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) एवं श्रीमती महिमा शर्मा व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) द्वारा

विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। न्यायाधीशगण ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति सजग एवं उत्तरदायी नागरिक बनने का संदेश देते हुए शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम, उसके विधिक परिणाम एवं दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा अनुशासित एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग का प्रेरणादायी संदेश भी विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया गया, जिसमें जीवन में प्राप्त अवसरों का सदुपयोग करने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर उत्कृष्ट भविष्य निर्माण करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान की उपयोगिता, महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकार, उनकी सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित प्रमुख कानूनों तथा यातायात नियमों के पालन के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम, दुर्ग के डिफेंस काउंसिलों द्वारा विद्यार्थियों को यातायात ई-चालान से संबंधित आवश्यक विधिक प्रावधानों एवं अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही नशा मुक्ति विषय पर विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ-नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की कार्रवाई

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 05 अगस्त 2026 को जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-03 अंतर्गत मॉडल टाउन क्षेत्र के विनोबा नगर के पास विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, अनुज्ञप्ति लाइसेंस का अभाव, डस्टबिन की व्यवस्था नहीं होने तथा साफ-सफाई का अभाव पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान संतोष किराना स्टोर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये, वर्मा किराना स्टोर पर 700 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए तथा 100 रुपये डस्टबिन नहीं रखने पर, मंटू प्रसाद कानू पर 500 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर, मंटू प्रसाद कानू आनंद पान पैलेस पर 100 रुपये साफ-सफाई नहीं रखने पर तथा चाय चस्का प्रतिष्ठान पर अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं पाए जाने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 2600 रुपये की चालानी राशि वसूल की गई। निगम प्रशासन ने प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, प्रतिष्ठान के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन की व्यवस्था रखने तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति लाइसेंस प्राप्त करने के निर्देश दिए।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के सीमा पुनर्गठन और 660 खाली पदों को भरने बृजमोहन ने सीएम को लिखा पत्र

■ अधिकारियों के पद 19 से बढ़कर 37 हुए, लेकिन मैदानी स्तर पर आरक्षक और सब-इंस्पेक्टरों का भारी टोटा

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर लोकसभा सांसद और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर राजधानी रायपुर की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को लेकर कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं। सांसद ने रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के क्षेत्राधिकार के पुनर्गठन के साथ-साथ कमिश्नरेट और रायपुर ग्रामीण पुलिस में खाली पड़े पदों को तुरंत भरने और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

पत्र में सांसद ने उल्लेख किया कि कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद राजपत्रित अधिकारियों की संख्या 19 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है। लेकिन उनके अधीन काम करने वाले आरक्षक, प्रधान आरक्षक, एएसआई, एसआई और निरीक्षक स्तर के बल की अत्यधिक कमी है। वर्तमान स्थिति यह है कि रायपुर कमिश्नरेट और रायपुर ग्रामीण दोनों का रक्षित केंद्र (रिफ्रेश/रिजर्व सेंटर) संयुक्त है, जहाँ कुल 660 पद खाली हैं, जिसमें आरक्षक के 522 पद, उप-निरीक्षक के 82 पद, प्रधान आरक्षक के 43 पद, सहायक उप-निरीक्षक के 9 पद और सूबेदार के 4 पद रिक्त हैं। सांसद का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर रिक्तियां होने के कारण थानों और मैदानी स्तर पर गश्त व विवेचना का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

पत्र में बताया गया है कि नगर निगम रायपुर के कई ऐसे क्षेत्र जो पूरी तरह शहरी स्वरूप ले चुके हैं,

वे आज भी 'रायपुर ग्रामीण पुलिस' के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गतः महात्मा गांधी वार्ड (क्रमांक-8), मोतीलाल नेहरू वार्ड के विभिन्न हिस्से, अमर सिंह बस्ती, स्वर्णभूमि कॉलोनी, शिवाजी पार्क, राजधानी विहार कॉलोनी, प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान, सत्यम नगर और कचना। वार्ड क्रमांक-53ः बाबू जगजीवन राम वार्ड का डूमरतराई क्षेत्र। अन्य संवेदनशील क्षेत्रः साधु क्षेत्र स्थित बीएसपी कॉलोनी का सामाजिक-आर्थिक संपर्क पूर्णतः शहर से है, लेकिन यह थाना विधानसभा (ग्रामीण) के अधीन आता है।

सीमाओं का ओवरलैप और व्यावहारिक समस्याएं

सांसद ने पत्र में क्षेत्राधिकार के टकराव के कुछ सटीक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। कमल विहारः कमल विहार का सेक्टर-13, 14 और 15 थाना मुजगहन (ग्रामीण) के अंतर्गत आता है, जबकि उससे ठीक लगे हुए अन्य हिस्से थाना माना के अधीन हैं। इससे अपराध विवेचना और त्वरित कार्रवाई में भ्रम की स्थिति बनती है। स्वामी विवेकानंद विमानतल (एयरपोर्ट): वर्तमान में एयरपोर्ट थाना माना (रायपुर ग्रामीण) के अंतर्गत आता है। राजधानी का प्रमुख वीवीआईपी और वीआईपी आवागमन केंद्र होने के कारण एयरपोर्ट से शहर तक सुरक्षा में कमिश्नरेट और ग्रामीण दोनों को अलग-अलग बल लगाना पड़ता है, जिससे संसाधनों का दोहराव होता है। सिलतरा औद्योगिक क्षेत्रः सिलतरा इंडस्ट्रियल एरिया का कुछ भाग कमिश्नरेट में और कुछ भाग ग्रामीण पुलिस के पास है।

कार्यालय भवनों और वाहनों का अभाव

कमिश्नरेट बनने के बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, 5 पुलिस उपायुक्त और 18 सहायक पुलिस आयुक्त के पद तो स्वीकृत किए गए, लेकिन उनके लिए स्थाई कार्यालय भवन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। वर्तमान में ये अधिकारी अस्थायी व्यवस्थाओं के तहत काम कर रहे हैं। इसके अलावा थानों, चौकियों और राजपत्रित अधिकारियों के लिए शासकीय वाहनों की भारी कमी है।

25 लाख आबादी पर सिर्फ 46 जवान

वर्ष 2016 में रायपुर की आबादी 15 लाख थी, जो 2025 तक बढ़कर 25 लाख से अधिक हो चुकी है। इसके साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन, इतनी बड़ी आबादी और ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए यातायात शाखा में मात्र लगभग 46 पुलिसकर्मी ही तैनात हैं, जो बीपीआरडी के तय मानकों से बेहद कम हैं।

रायपुर में लिव-इन पार्टनर ने की गर्लफ्रेंड की हत्या

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में बीएड छात्रा की उसके लिव-इन पार्टनर ने मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी युवती को बेहोशी की हालत में मेकाहारा (अंबेडकर अस्पताल) लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की जानकारी मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतका के घरवालों ने आरोपी के खिलाफ हत्या की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान भारती नेताम और आरोपी की पहचान सावंत बघेल के रूप में हुई है। यह मामला मुजगहन थाना के बोरियाकला स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है। वहीं खमतराई थाना क्षेत्र के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिली युवती नंदनी जैन की मौत की गुत्थी भी पुलिस ने सुलझा ली है।

कांकेर में 13 दिन में मलेरिया से पांच मौतों पर एनएचआरसी सख्त

■ छत्तीसगढ़ सरकार से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट, मुख्य सचिव को भेजा नोटिस

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 13 दिनों के भीतर मलेरिया से पांच लोगों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले को गंभीर मानते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

एनएचआरसी ने 31 जुलाई 2026 को जारी अपने आदेश में कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 28 जुलाई को एक 11 वर्षीय बालक की मौत के बाद सामने आया कि कांकेर जिले में 13 दिनों के भीतर मलेरिया से पांच लोगों की जान गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि बालक की पहले एक निजी लैब में जांच में मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उसे अलबेलापारा स्थित अस्पताल ले जाया गया। बाद में ब्लड रिपोर्ट में मलेरिया की पुष्टि हुई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आयोग ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्ट में वर्णित तथ्य सही हैं तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इसलिए राज्य सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

एनएचआरसी ने यह भी उल्लेख किया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना के बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर मलेरिया स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान शुरू किया है। अब आयोग की नजर राज्य सरकार की रिपोर्ट पर रहेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद एनएचआरसी यह तय करेगा कि मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाए।

न्यूज गैलरी

पुलिस ने 57 लाख का 114 किलो गांजा पकड़ा, तीन अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले की कोमाखान पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 114 किलो अवैध गांजा, एक टाटा हैरियर कार, तीन मोबाइल फोन और दो लाख रुपये नकद सहित कुल 74 लाख 30 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 57 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान बुधवार को कोमाखान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा से एक सफेद रंग की टाटा हैरियर कार (क्रमांक एम एच -48-बीएच -8222) में तीन व्यक्ति बड़ी मात्रा में गांजा लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही ग्राम टेमरी जांच नाका पर पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग शुरू की। संदिग्ध वाहन के पहुंचने पर पुलिस ने उसे रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन की गति बढ़ाकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा करते हुए घेराबंदी की और कोमाखान चौकड़ी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर वाहन को रोककर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान नागराज पारधी (26), दिनेश माली (28) और सतपाल सिंह राजपूत (38) निवासी शिरपुर, जिला धुले (महाराष्ट्र) के रूप में बताई। वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की से 114 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गांजे की यह खेप ओडिशा के बालीगुड़ा से महाराष्ट्र के नारदाना (धुले) ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 20(बी)(II)(सी) एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में गांजा तस्करी के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

ओवरलोड और बिजली कटौती से किसान हो रहे परेशान

परपोड़ी/नवप्रदेश। अंचल में बारिश न होने के कारण जहां एक ओर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं, वहीं दूसरी ओर विद्युत विभाग की घोर लापरवाही ने उनकी मुसीबतों को दोगुना कर दिया है। परपोड़ी सबस्टेशन के अंतर्गत आने वाले गांवों में ओवरलोड की समस्या के चलते बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।नाम मात्र की मिल रही बिजली किसानों का आरोप है कि क्षेत्र में 'अटल ज्योति योजना' के तहत मिलने वाली बिजली अब सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। चौबीस घंटे में से बमुश्किल केवल दो घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वह भी बार-बार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की भेंट चढ़ जाती है।सूख रही फसलें, मौन है विभागमानसून की बेरुखी के कारण किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए पूरी तरह नलकूपों (ट्यूबवेल) पर निर्भर हैं। ऐसे संकट के समय में विद्युत विभाग की इस सुस्त कार्यप्रणाली से फसलें खेतों में ही सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। किसानों का कहना है कि सबस्टेशन में बार-बार शिकायत करने के बाद भी अधिकारी ओवरलोड की समस्या को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

बोदराजपदर के जंगल में नक्सली डंप बरामद, रायफल और कारतूस जब्त

जगदलपुर-सुकमा/नवप्रदेश। नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। जिले के बोदराजपदर के जंगल में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप बरामद किया गया। डंप से एक 315 बोर बोल्ट एक्शन रायफल तथा भारी मात्रा में जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार अभियान के तहत 3 अगस्त को भेज्जी थाना पुलिस और सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन की संयुक्त टीम को बोदराजपदर के जंगल में सर्चिंग के लिए रवाना किया गया था। नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना पर चलाए गए अभियान के दौरान जवानों ने गहन तलाशी ली,जिसमें जंगल में छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप बरामद कर लिया।

विडंबनाः ब्लॉक में न्यायालय के आदेशों की अवहेलना, बंद पड़ी हैं सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें

बागबाहरा में दांव पर 10,845 छात्राओं की सेहत

सत्यप्रकाश चंद्राकर

बागबाहरा/नवप्रदेश । देश की सर्वोच्च अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बागबाहरा विकासखंड के कई सरकारी और निजी स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें बंद पड़ी हैं। इसका सीधा असर ब्लॉक की 10,845 छात्राओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा पर पड़ रहा है। कई विद्यालयों में मशीनें केवल शोपीस बनकर रह गई हैं, जिससे जरूरत के समय छात्राओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं हो पाते।

ब्लॉक रिपोर्ट कार्डः 36 संकुल केंद्र 7 91 शासकीय मिडिल स्कूल 7 21 निजी मिडिल स्कूल 7 10 शासकीय हाई स्कूल 7 26 शासकीय हायर सेकेंडरी 7 7 निजी हाई/हायर सेकेंडरी 7 2 अनुदान प्राप्त विद्यालय 7 कुल छात्राएंः 10,845।

कक्षावार छात्राएंः 6वीं-

1539 7 7वीं-1802 7 8वीं-1810 7 9वीं-1756 7 10वीं-1531 7 11वीं-1173 7 12वी-1234।

सबसे अधिक परेशानी 11 से 14 वर्ष की उन किशोरियों को होती है, जिन्हें पहली बार मासिक धर्म का सामना करना पड़ता है।

> मामला संज्ञान में आया है। जिन विद्यालयों में मशीनें बंद हैं, उनकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।
>
> **देवनारायण दीवान,**
> विकासखंड शिक्षा अधिकारी

जानकारी और आवश्यक सुविधाओं के अभाव में कई छात्राएं घबरा जाती हैं। नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर एक छात्रा ने बताया, ÷अचानक पीरियड शुरू होने पर बहुत डर लगता है। झिझक के कारण किसी से कह नहीं पाते और कई बार आधी छुट्टी लेकर घर जाना पड़ता है। स्थिति केवल सरकारी स्कूलों तक सीमित नहीं है। कई निजी विद्यालयों में भी वेंडिंग मशीनें बंद हैं या सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं हैं।

इससे छात्राओं को अनावश्यक मानसिक तनाव और असुविधा झेलनी पड़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस आयु में सही जानकारी और सुविधाएं नहीं मिलने से बच्चियों के आत्मविश्वास और नियमित पढ़ाई पर भी असर पड़ता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रेवेन्द्र देव के अनुसार, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता नहीं मिलने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में केवल मशीन लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमित जागरूकता कार्यक्रम और काउंसलिंग भी आवश्यक है, ताकि छात्राएं बिना झिझक इस प्राकृतिक प्रक्रिया को समझ सकें।

30 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत संघ मामले में कहा था कि मासिक धर्म स्वच्छता संविधान के अनुच्छेद 21 और 21 के तहत छात्राओं के गरिमापूर्ण जीवन और शिक्षा के अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी पैड और चालू वेंडिंग मशीनें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अब क्षेत्र के पालकों का सवाल है कि जब न्यायालय के स्पष्ट निर्देश मौजूद हैं, तब छात्राओं को यह मूलभूत सुविधा क्यों नहीं मिल रही? उनका कहना है कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई भी होनी चाहिए।

15 साल से विकास का इंतजार, आखिर वार्ड-6 को क्यों भूली नगर पालिका?

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर-6 कृष्णा नगर के रहवासी पिछले लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना जिम्मेदार अधिकारी देखकर जाने के बाद भी यह हाल है करीब 15 वर्षों से क्षेत्र में विकास कार्यों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है, जिससे वार्डवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

वार्ड में गार्डन, बच्चों के लिए खेल मैदान, ओपन जिम और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं की कमी बताई जा रही है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए मनोरंजन एवं व्यायाम की सार्वजनिक सुविधा नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक वार्ड में पाइपलाइन बिछे कई वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद पानी की समस्या पूरी तरह दूर नहीं

हुई है। गर्मी के दिनों में भूजल स्तर नीचे जाने के कारण निजी बोरवेल पर निर्भर परिवारों की परेशानी और बढ़ जाती है।

सामुदायिक भवन भी जर्जरः वार्डवासियों के अनुसार सामुदायिक भवन की स्थिति भी लंबे समय से खराब है। करीब पांच साल से इसकी हालत पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि सार्वजनिक सुविधाओं के लिए जिम्मेदार नगर पालिका आखिर वार्ड-6 की समस्याओं पर कब गंभीरता दिखाएगी? वार्डवासियों का सीधा सवाल है कि जब शहर के दूसरे क्षेत्रों में विकास कार्य हो सकते हैं, तो वार्ड नंबर-6 कृष्णा नगर को मूलभूत सुविधाओं के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? गार्डन कब बनेगा? बच्चों को खेल मैदान कब मिलेगा? ओपन जिम की सुविधा कब मिलेगी? पानी की समस्या कब खत्म होगी? और जर्जर सामुदायिक भवन की सुध कब ली जाएगी? वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि वार्ड-6 की समस्याओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य शुरू किए जाएं।

खुले विद्युत पैनल बॉक्स से बढ़ा खतरा शिकायतों के बाद भी विभाग बेखबर!

■ विद्युत विभाग को किसी बड़े हादसे का इंतजार, वार्डवासियों में आक्रोश

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। शहर के वार्ड नंबर 6 कृष्णा नगर में विद्युत विभाग की कथित लापरवाही वार्डवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। क्षेत्र में विद्युत संबंधी समस्या और खुले पड़े विद्युत पैनल को लेकर लगातार खबरें सामने आने के बावजूद अब तक जिम्मेदार विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

वार्डवासियों का कहना है कि खुला विद्युत पैनल कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। खासकर बच्चों और राहगीरों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक है। पैनल यदि खुले स्थान पर है और उसके अंदर विद्युत तार खुले या असुरक्षित स्थिति में हैं, तो बारिश के मौसम में खतरा और भी बढ़ जाता है।

वार्डवासियों में आक्रोशः स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार समस्या सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लोगों का सीधा सवाल है-क्या किसी व्यक्ति के करंट की चपेट में आने या बड़ी दुर्घटना होने के बाद ही विद्युत विभाग जागेगा? वार्डवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि खुले विद्युत पैनल को तत्काल सुरक्षित किया जाए और क्षेत्र की पूरी विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण कराया जाए। अब देखना यह है कि विद्युत विभाग किसी हादसे का इंतजार करता है या हादसा होने से पहले अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कृष्णा नगर की इस गंभीर समस्या का समाधान करता है।

लगातार खबरों के बाद भी कार्रवाई नहीं

कृष्णा नगर की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है। विद्युत विभाग को भी इस स्थिति की जानकारी होने के बावजूद यदि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नहीं की जाती, तो यह विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। वार्डवासियों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय विभाग को पहले ही सावधानी बरतनी चाहिए। विद्युत पैनल को तत्काल बंद करके सुरक्षित कवर लगाया जाए तथा आसपास की विद्युत व्यवस्था की जांच कराई जाए, ताकि किसी अनहोनी को रोका जा सके।

लंबित मामलों के जल्द निपटारे पर जोर, न्यायाधीशों ने बनाई रणनीति

■ मध्यस्थता और राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने न्यायाधीशों की रणनीतिक बैठक

दुर्ग/नवप्रदेश। न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित, कम खर्चीले और सौहार्दपूर्ण निराकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में सोमवार को महत्वपूर्ण समीक्षा एवं रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में संचालित Mediation for Nation 3.0 अभियान तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिक प्रभावी और सफल बनाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर ने की। इस दौरान मध्यस्थता केंद्र दुर्ग के प्रभारी न्यायाधीश अनिष दुबे सहित जिला मुख्यालय में पदस्थ सभी न्यायाधीश मौजूद रहे। बैठक में न्यायालयों में लंबित मामलों के शीघ्र एवं आपसी सहमति से निपटारे के लिए मध्यस्थता और राष्ट्रीय लोक अदालत की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

अध्यक्ष ने कहा कि

Mediation for Nation 3.0 अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे लंबित मामलों की पहचान करना है, जिनमें आपसी सहमति के आधार पर समाधान की संभावना है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम होगा, बल्कि पक्षकारों को कम समय और कम खर्च में सौहार्दपूर्ण वातावरण में न्याय भी मिल सकेगा।

बैठक में न्यायाधीशों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने न्यायालयों में लंबित सभी उपयुक्त मामलों का सूक्ष्म परीक्षण कर अधिक से अधिक प्रकरणों को मध्यस्थता केंद्र भेजें। साथ ही आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए भी समझौतायोग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षों को इसके लाभों से अवगत कराया जाए, ताकि अधिकाधिक मामलों का आपसी सहमति से निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

इस दौरान न्यायाधीशों ने मध्यस्थता और लोक अदालत की प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की। पक्षकारों की सहभागिता बढ़ाने, अधिवक्ताओं के सहयोग, उपयुक्त मामलों के चयन, समयबद्ध रेफरल, समझौते की संभावनाओं के बेहतर आकलन और न्यायालयों तथा मध्यस्थता केंद्रों के बीच प्रभावी समन्वय जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इन चुनौतियों के समाधान के लिए व्यवहारिक सुझाव भी साझा किए गए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान के तहत व्यापक जन-जागरूकता, समयबद्ध रेफरल, मध्यस्थता केंद्रों की सक्रियता और सभी दिशा-निर्देशों के प्रभावी पालन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अधिकारियों से समन्वित रूप से कार्य करते हुए अधिक से अधिक मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन : 0771-3526755, 6262188999